हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शुक्रवार • 18.07.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 354 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

शहरी स्वच्छता में झारखंड के शहरों का दबदबा जारी, दो शहर सम्मानित

देश का तीसरा सबसे स्वच्छ शहर बना जमशेदपुर, राष्ट्रपति से मिला सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के कुशल नेतृत्व में राज्य ने लगातार विकास की दिशा में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसी क्रम में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में 3-10 लाख तक की आबादी वाले स्वच्छ शहरों में झारखंड के जमशेदपुर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ और बुंडू को झारखंड के प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर के रूप में चुना गया है।

गुरूवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 का परिणाम घोषित किया गया और बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर राष्ट्रपति के अलावा केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू एवं केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य विभाग के सचिव श्रीनिवास कटिकिथला ने झारखंड सरकार, राज्य के नगर विकास विभाग और प्रदेश के नागरिकों खासकर

राष्ट्रपति मुर्मू ने देश के स्वच्छ शहरों को किया सम्मानित

जमशेदपुर और बुंडू के नागरिकों को इस सम्मान के लिए बधाई दी।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के कुछ अन्य श्रेणी में भी झारखंड के कई शहरों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। स्वच्छता के क्षेत्र में जमशेदपुर को पांच सितारा शहरों की सूची में शामिल किया गया है जबकि झारखंड के देवघर, जुगसलाई और चाकुलिया को वन स्टार रैंकिंग प्राप्त हुआ है। वाटर प्लस शहरों की सूची में जमशेदपुर को जगह मिली है। बुंडू, चिरकुंडा, राजमहल, साहेबगंज और देवघर को ओडिएफ प्लस श्रेणी में रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2016 में झारखंड की स्थिति बहुत प्रशंसनीय नहीं थी, लेकिन लगातार स्वच्छ सर्वेक्षण 2017, 2018,2019, 2020, 2021, 2022, 2023 में राज्य की जनता और शहरी निकायों तथा राज्य सरकार के कुशल मार्गदर्शन में राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में कई सम्मान प्राप्त किए हैं। वर्तमान समय में माननीय मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व और विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार के मार्गदर्शन तथा सफाईकर्मियों के प्रति संवेदनशीलता का ही नतीजा है कि आज राज्य के दो शहरों को स्वच्छता के क्षेत्र में ये सम्मान प्राप्त हुआ है।

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने इस सफलता के लिए मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व और विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार के मार्गदर्शन और नागरिकों के सहयोग को श्रेय देते हुए विभाग से अगले सर्वेक्षण में और बेहतर प्रदर्शन का उम्मीद जताई है। उन्होंने सभी नगर निकायों को निर्देश भी दिया है कि वो साफ सफाई को अपनी प्राथमिकता में रखकर कार्य करें। इस मौके पर राज्य सरकार की ओर से नगर विकास एव आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक सूरज कुमार और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के विशेष पदाधिकारी कृष्ण कुमार और बुंडू नगर पंचायत के पदाधिकारियों ने सम्मान प्राप्त किया।

महाराष्ट्र के मीरा भायंदर को पहला स्थान

3-10 लाख की आबादी में स्वच्छता सर्वेक्षण में महाराष्ट्र के मीरा भायंदर को पहला स्थान, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर को दूसरा स्थान और झारखंड के जमशेदपुर को तीसरा स्थान मिला है।

एक नजर

नासिक में कार और बाइक की टक्कर में 7 लोगों की मौत

मुंबई : नासिक जिले के डिंडोरी में वनी-नासिक रोड पर बीती रात एक कार और बाइक की टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। मृतकों में तीन महिलाएं, तीन पुरुष और एक बच्चा शामिल है। इस घटना में घायल दो लोगों का इलाज नासिक के सरकारी अस्पताल में हो रहा है। इस घटना की छानबीन डिंडोरी पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस के अनुसार बुधवार को नासिक के डिंडोरी में रहने वाले सात लोग अपने बेटे का जन्मदिन मनाने कार से नासिक शहर गए थे। देर रात बेटे का जन्मदिन मनाकर घर लौटते समय उनकी कार सामने से आ रही एक बाइक से टकरा गई। कार पलटकर गहरे नाले में गिर गई। इससे कार में ही दम घुटने से उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही डिंडोरी पुलिस मौके पर पहुंची और आज सुबह कार को नाले से निकालकर सभी शव बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना में मृतकों की पहचान देवीदास पंडित गंगुर्डे, मनीषा देवीदास गंगुर्डे, उत्तम एकनाथ जाधव, अलका उत्तम जाधव, दत्तात्रेय नामदेव वाघमारे, अनुसया दत्तात्रेय वाघमारे और भावेश देवीदास गंगुर्डे के रुप में की गई है जबकि इस घटना में घायल मोटरसाइकिल सवार युवक मंगेश यशवंत कुरघाडे और अजय जगन्नाथ गोंड को तत्काल नासिक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ओडिशा में बंद से जनजीवन प्रभावित

भुवनेश्वर : ओडिशा में कांग्रेस व अन्य दलों द्वारा यौन उत्पीड़न की घटना में न्याय न मिलने पर खुद को आग लगाने वाली एक छात्रा की मौत के विरोध में गुरुवार को 12 घंटे के प्रदेश बंद के आह्वान से सामान्य जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित रहा। बालेश्वर, भुवनेश्वर, कटक समेत राज्य के अन्य हिस्सों में सड़कें सुनसान रहीं। जटनी, पुरी और भद्रक में रेल सेवाएं प्रभावित हुईं। बाजार, स्कूल-कॉलेज और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। हालांकि आपातकालीन सेवाओं को बंद के दायरे से बाहर रखा गया था। दवा की दुकानें, अस्पताल, एंबुलेंस सेवाएं और अन्य आवश्यक सेवाएं सामान्य रूप से संचालित रहीं। प्रदर्शनकारियों ने भुवनेश्वर में कई मुख्य सड़कों पर यातायात जाम कर दिया और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस, भाकपा, माकपा, राजद, सपा और अन्य दलों के नेता पार्टी के झंडे लेकर सड़कों पर उतरे।

प्रधानमंत्री आज बिहार व पश्चिम बंगाल को देंगे विकास परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को बिहार और पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे, जहां वे 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि अपने दौरे की शुरूआत प्रधानमंत्री बिहार के मोतिहारी जिले से करेंगे, जहां वे 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं में रेल, सड़क, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों की योजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री समस्तीपुर-बछवाड़ा रेलखंड पर स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली का लोकार्पण करेंगे, जिससे ट्रेन संचालन अधिक कुशल होगा। इसके साथ ही दरभंगा-थलवाड़ा और समस्तीपुर-रामभद्रपुर रेल लाइन के दोहरीकरण से परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। दरभंगा-नरकटियागंज रेल लाइन के दोहरीकरण पर 4,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे, जिससे उत्तर बिहार का संपर्क देश के अन्य हिस्सों से बेहतर होगा।

बिहार की डिजिटल क्षमताओं को सशक्त करने के लिए दरभंगा में नया सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क और पटना में अत्याधुनिक इनक्यूबेशन केंद्र का उद्घाटन किया जाएगा। ये केंद्र आईटी स्टार्टअप और सॉफ्टवेयर निर्यात को बढ़ावा देंगे। मत्स्य पालन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत राज्य भर में हैचरी, बायोफ्लोक यूनिट और फिश फीड मिल्स जैसी परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री चार नई अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे, जो बिहार और उत्तर भारत के प्रमुख शहरों को आपस में जोड़ेंगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों को चाबियां सौंपेंगे और महिला स्वयं सहायता समूहों को 400 करोड़ रुपये की सहायता राशि भी जारी करेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री दोपहर में पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर पहुंचेंगे, जहां वे 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात देंगे। इन योजनाओं में तेल और गैस, ऊर्जा, सड़क और रेलवे से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं। दुर्गापुर-कोलकाता प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का लोकार्पण प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना के तहत किया जाएगा, जिससे लाखों घरों में स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित होगी। बीपीसीएल की सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना भी इस अवसर पर शुरू की जाएगी, जो औद्योगिक और घरेलू उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाएगी।

बिहार में 125 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी चुनाव से पहले सीएम नीतीश ने किया एलान

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव के पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा ऐलान किया। राज्य के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। बिजली उपभोक्ताओं को अब 125 यूनिट तक कोई बिल जमा नहीं करना होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- 'हमलोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त, 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा। हमने यह भी तय किया है कि अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर

अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा।,

नीतीश कुमार ने आगे लिखा- 'कुटीर ज्योति योजना के तहत जो अत्यंत निर्धन परिवार होंगे उनके लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने हेतु पूरा खर्च राज्य सरकार करेगी तथा शेष के लिए भी सरकार उचित सहयोग करेगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली का 125 यूनिट तक कोई खर्च नहीं लगेगा, साथ ही साथ राज्य में अगले तीन वर्षों में एक अनुमान के अनुसार 10 हजार मेगावाट तक सौर ऊर्जा उपलब्ध हो जाएगी।'

आरजेडी ने मुफ्त बिजली की घोषणा पर क्या कहा?

राष्ट्रीय जनता दल के नेता शक्ति सिंह यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 125 यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा पर कहा, तेजस्वी यादव जैसे विपक्ष के नेता हों तो नीतीश कुमार को जरूर झुकना पड़ेगा। इसका (मुफ्त बिजली का) श्रेय तेजस्वी यादव को ही जाना चाहिए।

अस्पताल में घुसकर कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा की हत्या

एजेंसी

पटना : बिहार की राजधानी पटना में पारस अस्पताल में घुसकर कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा की हत्या कर दी, जिसे इलाज के लिए पैरोल पर बाहर लाया गया था। पटना के पारस हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हुए इस सनसनीखेज मर्डर ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया है। अस्पताल जैसे सुरक्षित माने जाने वाले स्थान में गोलियों की तड़तड़ाहट गूंज उठी और देखते ही देखते चंदन मिश्रा की जिंदगी खत्म हो गई।

कौन है चंदन मिश्रा?

चंदन मिश्रा कोई आम कैदी नहीं था। बक्सर जिले का रहने वाला यह शख्स बीते एक दशक से अपराध की दुनिया में सक्रिय था और उसका नाम कई हाई-प्रोफाइल हत्याकांडों से जुड़ा हुआ था। वर्ष 2011 में इंडस्ट्रियल थाना क्षेत्र में दो चर्चित हत्याएं, भरत राय और शिवजी खरवार की हत्या में उसका नाम प्रमुखता से सामने आया था। इसके साथ ही बक्सर के केसरी

चुना भंडार के मालिक राजेंद्र केसरी की हत्या में भी उसकी संलिप्तता पाई गई, जिसके लिए कोर्ट ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी। यही नहीं, जेल क्लर्क हैदर अली की हत्या में भी वह नामजद था। इन तमाम वारदातों ने उसे बिहार के कुख्यात अपराधियों की कतार में ला खड़ा किया।

पैरोल पर इलाज करवा रहा था चंदन

जेल में सजा काट रहे चंदन मिश्रा को हाल ही में बक्सर से भागलपुर जेल शिफ्ट किया गया था। बीमारी की वजह से उसे 21 दिनों की पैरोल पर पटना लाया गया था ताकि उसका इलाज कराया जा सके। लेकिन शायद उसे खुद भी अंदाजा नहीं था कि यह पैरोल उसके जीवन की अंतिम कड़ी बन जाएगी। जैसे ही वह इलाज के लिए पारस हॉस्पिटल पहुंचा, पहले से घात लगाए शूटरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। हमले की पूरी घटना अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिससे हमलावरों की पहचान में पुलिस को काफी मदद मिल रही है।

एसएसपी ने क्या कहा?

पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया है कि शूटरों की पहचान की जा रही है और उनके बक्सर की दिशा में भागने की जानकारी मिली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि क्या इस हत्या में जेल प्रशासन या अस्पताल स्टाफ की कोई अंदरूनी मिलीभगत रही है। पुलिस अस्पताल की सुरक्षा खामियों को भी खंगाल रही है।

आपसी रंजिश की आशंका

चंदन मिश्रा की हत्या को लेकर यह भी आशंका जताई जा रही है कि इसके पीछे पुरानी आपसी रंजिश, गैंगवार या रंगदारी से जुड़ा कोई विवाद हो सकता है। चूंकि वह जेल में रहते हुए भी प्रभावशाली बना हुआ था और कई शातिर गिरोहों से उसका संपर्क था, इसलिए यह पूरी तरह संभव है कि यह हत्या एक साजिश का हिस्सा रही हो। अब पुलिस की जांच से ही साफ होगा कि चंदन मिश्रा का अंत एक दुश्मन की साजिश था या फिर अपराध की उसी दुनिया का एक और खूनी चेहरा, जिसकी शुरूआत उसने खुद की थी।

आकाश प्राइम डिफेंस सिस्टम का भारत ने किया सफल परीक्षण, 15 हजार फीट से मिसाइलों ने लगाए सटीक निशाने

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत ने आकाश प्राइम वायु रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण कर लिया है। स्वदेशी रूप से विकसित यह मिसाइल सिस्टम पलक झपकते दुश्मनों के विमानों और ड्रोन को नेस्तनाबूद कर सकता है। यह मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसे सैन्य प्रतिष्ठानों को विभिन्न हवाई खतरों से बचाने के लिए विकसित किया गया है। आकाश का एडवांस वर्जन आकाश प्राइम को लद्दाख में 15,000 फीट की ऊंचाई पर टेस्ट किया गया, जो सभी मानकों पर सफल रहा।

लद्दाख सेक्टर में आकाश प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया

गया। भारतीय सेना की आर्मी एयर डिफेंस की ओर से किए गए परीक्षणों में मिसाइलों ने दो सीधे निशाने लगाए। जो पूरी तरह सटीक थे। इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। आकाश प्राइम की मिसाइलों ने दो तेज गति से चलने वाले हवाई लक्ष्य पर सटीक निशाना साधा। लद्दाख में 15,000 फीट की ऊंचाई पर आकाश प्राइम को टेस्ट किया गया। सबसे बड़ी बात की हाई एल्टिट्यूड इलाके में लगातार बदलते मौसम में सटीक निशाना साधना किसी चुनौती से कम नहीं होता, लेकिन ट्रायल के दौरान आकाश ने सभी चुनौतियों से पार सफलतापूर्वक पार किया। आकाश प्राइम मिसाइल सिस्टम मुख्य रूप से आकाश प्रणाली का एक उन्नत संस्करण है। इस सिस्टम को बहुत ज्यादा ऊंचाई और चुनौतीपूर्ण मौसम के लिए डिजाइन किया गया है। साथ ही इसकी लक्ष्य भेदने की सटकता पर विशेष ध्यान रखा गया है। आतंकियों के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आकाश ने अपनी सटीकता सिद्ध की थी। आकाश ने पाकिस्तान की ओर से आ रहे हवाई खतरों को रास्ते में ही गिरा दिया था। आकाश प्राइम को स्वदेशी तरीके से बनाया गया है। इसे एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर से लैस किया गया है, जो इसे 360 डिग्री की मारक क्षमता प्रदान करता है। इसकी रेंज मौजूदा आकाश से कही बेहतर है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह हाई एल्टिट्यूड और कम तापमान वाले इलाकों में बेहतर रिजल्ट देता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत की आकाश एयर डिफेंस प्रणाली ने पाकिस्तानी सेना के चीनी लड़ाकू विमानों और तुर्की ड्रोन से किए गए हवाई हमलों को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह सफलता भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और हवाई सुरक्षा व्यवस्था को अधिक सशक्त बनाएगी। भारत अपने एयर डिफेंस सिस्टम को लगातार मजबूत कर रहा है।

आधार के गलत इस्तेमाल पर यूआईडीएआई का बड़ा प्रहार, 1.17 करोड़ से अधिक नंबर रद

एजेंसी

नयी दिल्ली : देश में आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल होने पर भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने सख्त कदम उठाते हुए करीब 1.17 करोड़ से अधिक आधार नंबर को रद्द कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि मृतक व्यक्तियों के आईडी प्रूफ का गलत इस्तेमाल किया जा रहा था। इसे रोकने के लिए यूआईडीएआई ने उनके आधार नंबर को डिएक्टिवेट करना शुरू कर दिया है। इसी सिलसिले में 12 अंकों वाले करीब 1.17 करोड़ से अधिक आधार नंबर डिएक्टिवेट किए गए हैं।

मनी कंट्रोल हिंदी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूआईडीएआई ने

आधार कार्ड के गलत इस्तेमाल पर यह कदम उठाया है। देखा यह जा रहा था कि किसी व्यक्ति की मौत होने के बाद उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए किया जा रहा था। यूआईडीएआई की ओर से जारी किए गए एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अब तक 1.17 करोड़ से अधिक आधार नंबर बंद किए जा चुके हैं। ये सभी उन लोगों के आधार कार्ड हैं, जिनकी मौत हो चुकी है। अब यूआईडीएआई ने 'माय आधार पोर्टल' पर एक नई सुविधा शुरू की है। इसमें परिवार के सदस्य की मृत्यु की सूचना देने की सुविधा। इसके जरिए कोई भी व्यक्ति अपने परिवार के किसी मृत सदस्य की जानकारी दे सकता है।

एक नजर

जगदीशपुर में वज्रपात से एक किशोर की मौत, जीजा घायल

चौपारण : प्रखंड में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश से किसानों के चेहरे खिले हुए थे। वे खेत जोतने और हरियाली लगाने में व्यस्त थे, लेकिन इसी बीच व्रजपात के एक किसान की मौत ने किसानों का दिल तोड़ दिया है। घटना जगदीशपुर पंचायत में उस समय हुई जब एक ही परिवार के चार लोग घर के पीछे खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। इसी दौरान वज्रपात हो गया। जिससे जगदीशपुर गाँव के स्वर्गीय सहदेव भुइयां के पुत्र बंटी कुमार (16) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मृतक बंटी का जीजा भी झुलस गया और घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी संजय कुमार यादव ने त्वरित संज्ञान लेते हुए, सीआई को पीड़ित परिवार के घर भेजकर घटना की जानकारी ली तथा नियमानुसार आपदा राहत कोष से प्राप्त राशि से मदद का आश्वासन दिया। साथ ही घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की। मुखिया प्रतिनिधि परमेश्वर साव ने भी दु:ख व्यक्त किया और यथासंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

दनुआ से देवघर के लिए दर्जनों श्रद्धालु हुए रवाना

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत पंचायत चोरदाहा के दनुआ से दर्जनों युवकों ने देवघर के लिए रवाना हुए। युवाओं ने देवघर रवाना से पहले गाँव मे स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना किया। मौके पर मौजूद पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष सुखेदव पासवान ने कहा देवघर श्रवण मास में पूरे भारत के लिए जाना जाता है। अलग-अलग राज्यो से कावड़ियां जल लेकर देवघर बाबा बोले पर जलाभिषेक करते है। वही सौभाग्य की बात है हमारे पंचायत से युवा बाबा नगरी देवघर में जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने बताया कि सुल्तानगंज से जल उठाकर बाबा बैजनाथ धाम में जलाभिषेक करेंगे। कांवरिया जत्थे में सुरेंद्र केशरी, ब्रजेश गुप्ता, सौरभ विश्वकर्मा, दिलीप यादव, राजेश गुप्ता, सन्नी गुप्ता, मुन्ना सिंह, सोनू केशरी, अन्य युवा श्रद्धालु शामिल है।

सतबहिया बिरहोर कॉलोनी में शिविर का हुआ आयोजन

बड़कागांव : सतबहिया बिरहोर कॉलोनी के 70 वर्षीय बुद्धू बिरहोर उर्फ मल्हार बिरहोर को वृद्धा पेंशन नहीं मिलने की खबर छपने के पश्चात 6 घंटे के अंदर त्वरित कार्रवाई करते हुए बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल ने बुद्धू बिरहोर उर्फ मल्हार बिरहोर का पेंशन स्वीकृत कर दी है। इस बाबत बीडीओ सतबहिया गांव बिरहोर कॉलोनी में शिविर लगाकर मल्हार बिरहोर को पेंशन स्वीकृति पत्र दिया। इस दौरान बीडीओ नेआदिम जनजाति बिरहोर लोगों की समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया एवं उपस्थित सभी बिरहोर लोगों से एक-एक कर समस्या से अवगत हुए और बिरहोरों की कई, समस्याएं शिविर में ही निष्पादन भी किया गया। 15 नए प्रधानमंत्री आवास बनाए जाएंगे सर्वे कार्य पूरा किया गया। इस दौरान बीडीओ ने बिरहोर लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि बिरहोर परिवार के महिला सदस्य को जिसकी उम्र 18 वर्ष हो गई हो, उन सबों को पेंशन दिया जाता है।15 लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास के सर्वे कार्य पूरा हो चुका है। आवंटन के आधार पर आवास स्वीकृत जाएगा। मौके पर बीडीओ ने बिरहोर परिवारों से कहा कि किसी भी प्रकार की कोई समस्या हो तो, मुझे तुरंत सूचना दें ताकि आपकी समस्याओं का समाधान हो सके। एक नए आंगनबाड़ी केंद्र आवंटित किया गया है, जिसमें सेविका और सहायिका का भी चुनाव हो चुका है अब यहां के बिरहोर के बच्चे को पढ़ने में भी आसानी होगी।

शिक्षा व्यवस्था पर डीसी की पैनी नजर, स्कूलों में गुणवत्ता और अनुशासन को लेकर दिए कड़े निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मिड-डे-मील, स्टीयरिंग मॉनिटरिंग समिति, आधार नामांकन, बाल वाटिका, विद्यालयों में चावल उठाव की स्थिति, एमडीए-आईडीए के तहत दवा वितरण सहित अन्य विषयों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि जिले के सभी विद्यालयों में बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण मिड-डे-मील उपलब्ध कराया जाए तथा इसकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी विद्यालय में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मिडे मिल का संचालन सभी विद्यालयों में नियमानुसार करने का सख्त निर्देश दिया। बैठक में बच्चों के आधार नामांकन पर विशेष बल देते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी विद्यालयों के बच्चों का आधार नामांकन शत-प्रतिशत पूरा किया जाए। इसके लिए आधार बनाने वाली एजेंसी के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बच्चों की शिक्षा गुणवत्ता को बढ़ाने पर बल दिया। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालयों में उपस्थिति में सुधार लाने के लिए हर महीने 5 प्रतिशत वृद्धि सुनिश्चित की जाए ताकि आगामी कुछ महीनों में उपस्थिति शत प्रतिशत हो सके। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रखंड स्तर पर प्रत्येक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों से स्कूल स्तर पर संचालित कार्यों की समीक्षा नियमित रूप से करें, ताकि प्रगति में तेजी लाई जा सके। उपायुक्त ने सभी स्कूलों में हुए स्वास्थ्य जांच, एमडीए-आईडीए के तहत बच्चों को दवा वितरण की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जो विद्यालय अब तक छूटे हुए हैं, वहां भी यह कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। बैठक में उपायुक्त ने सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, पुस्तकालय, लैब एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से 9वीं से 12वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है ताकि छात्रों के बेहतर परिणाम मिल सके। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए जिले के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराएं। बैठक में उपायुक्त के अलावे जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित कई संबंधित अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

सिविल सर्जन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : हजारीबाग के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डीपीएम रवि शंकर ने गुरुवार को चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ओपीडी, मेडिसिन, लैब समेत विभिन्न विभागों की स्थिति का जायजा लिया गया।निरीक्षण के बाद सिविल सर्जन ने कहा कि चौपारण अस्पताल में डॉक्टरों की गंभीर कमी है। जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द से जल्द डॉक्टरों की नियुक्ति कर सुविधा बहाल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सुविधा ही उपलब्ध नहीं है, जबकि यह एक बुनियादी जरूरत है। वहीं स्थानीय लोगों ने एक्सरे मशीन की भी मांग की, जिसको लेकर उन्होंने विभागीय स्तर पर संज्ञान लेने की बात कही। सिविल सर्जन ने कहा कि अस्पताल में संसाधनों की कमी के बावजूद मरीजों को बेहतर सेवा देने की कोशिश हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां भी लापरवाही या अनियमितता पाई जाएगी, वहां जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. फरहाना महफूज भी मौजूद थीं। सिविल सर्जन ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, दवा वितरण प्रणाली और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का भी अवलोकन किया। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इस उच्चस्तरीय निरीक्षण के बाद अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में जल्द सुधार देखने को मिलेगा।

सरकारी स्कूल में चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार, सामान बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : सरकारी विद्यालयों में चोरी घटना की अंजाम देने वाले चोर को चोरी के समान के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त आशय की जानकारी पुलिस अधीक्षक के द्वारा दिया गया। उन्होंने आगे बताया की विद्यालय से चोरी हुआ 05 मॉनिटर, 05 सीपीयू, 05 कीबोर्ड, 05 माउस, 06 पीस 12 वाट बैटरी, 01 स्टेबलाइजर, 01 प्रिंटर व 01 यूपीएस बरामद किया है। कुंदा थाना क्षेत्र के उच्च विद्यालय भेदवाडीह में चोरों ने दिया था चोरी की घटना को अंजाम। पुलिस ने घटना में शामिल गांव के ही चंदन कुमार नामक चोर को गिरफ्तार किया है। चंदन ने गांव के ही दो अन्य साथियों संग मिलकर विद्यालय में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। एसपी ने बताया कि गांव के ही बहेलवाखाप जंगल से पुलिस ने चंदन के निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद किया है। एसपी ने बताया कि कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने यह कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि घटना में शामिल दो अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को ले निरंतर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही चोरी में शामिल अन्य चोरों को भी दबोचकर सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

हजारीबाग-इतखोरी मार्ग पर बनेगा तोरण द्वार, एनटीपीसी ने सौंपा अनुदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोल माइनिंग परियोजना ने जिला प्रशासन, हजारीबाग को भद्रकाली मंदिर के पास स्तिथ इतखोरी मोड़ (हजारीबाग से इतखोरी जाने के मार्ग) पर मंदिर के लिये एक प्रवेश द्वार निर्माण हेतु सहयोग के अनुरोध के क्रम में 10,63,800 की राशि जिला उपायुक्त, हजारीबाग को प्रदान की है। यह राशि एक तोरण द्वार (आर्च गेट) के निर्माण हेतु दी गई है, जिससे स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन मिलेगा और श्रद्धालुओं को सुविधा प्राप्त होगी। यह तोरण द्वार, भद्रकाली मंदिर के प्रवेश बिंदु पर स्थापित किया जाएगा, जो धार्मिक और पर्यटन दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण स्थल है। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख नवीन गुप्ता ने जिला उपायुक्त को चेक सौंपा और कहा, एनटीपीसी, देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति भी सदैव संकल्पित है। यह सहयोग हमारी सीएसआर पहल का हिस्सा है और हमें गर्व है कि हम इस पवित्र स्थल के सौंदर्यीकरण में योगदान दे रहे हैं। इस मौके पर अपर महाप्रबंधक नीलमाधाब स्वाइन भी मौजूद थे। इस योगदान से क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

कट ऑफ डेट के विरोध में सड़क पर उतरे युवा, कंपनी की गाड़ियों को किया बाधित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : कट ऑफ डेट को लेकर युवा विस्थापित संघर्ष समिति का बड़कागांव 13 माइल के पास चल रहे हैं महाधरना के 38 वें दिन युवाओं ने एनटीपीसी के ट्रांसपोर्टिंग वाहनों एवं अधिकारियों के गाड़ियों को रोक कर विरोध प्रदर्शन किए। इस दौरान पुलिस - प्रशासन से त्रिपक्षीय वार्ता कराने की मांग करने लगे। विदित हो कि कट ऑफ डेट को लेकर युवाओं के द्वारा 10 जून से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। राज्य सरकार, जिला प्रशासन और एनटीपीसी के द्वारा सुनवाई नहीं होने पर युवाओं ने कंपनी के गाड़ियों को रोका। इससे पूर्व युवाओं ने डीसी एवं एसी को कई बार लिखित सूचना दे चुके हैं। इसके अलावा झारखंड सरकार के भू राजस्व मंत्री दीपक बिरवा को भी सूचना दी गई है। इस महाधरना की खास बात यह है कि युवाओं का धरना प्रदर्शन पर बैठे 38 दिन हो गए है और प्रत्येक दिन एनटीपीसी को 38 लेटर देकर इसकी सूचना दिया गया है। कट ऑफ डेट नीति के विरोध कर रहे युवाओं ने बृहस्पतिवार को सुबह 8:00 से लेकर संध्या 4:00 बजे तक कंपनी के गाड़ियों को रोका। मौके पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो एवं एनटीपीसी की अधिकारियों की उपस्थिति में प्रखंड विकास प्राधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल को युवाओं ने हजारीबाग डीसी को संबोधित करते हुए त्रिपक्षीय वार्ता करने की मांग पत्र को सोपा, जिसे बीडीओ ने एक सप्ताह के अंदर करने का आश्वासन दिया।

सांसद खेल महोत्सव के तहत पदमा में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पदमा : सांसद खेल महोत्सव के तहत बरही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पदमा प्रखंड स्थित विवेकानंद फुटबॉल मैदान, गरवा में 'नमो फुटबॉल टूर्नामेंट-2025 के तीसरे टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ बुधवार को हुआ। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल और बरही के विधायक मनोज कुमार यादव ने संयुक्त रूप से मशाल जलाकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। टूर्नामेंट के उद्घाटन से पहले सांसद, विधायक सहित अन्य अतिथियों का जबरदस्त स्वागत किया गया। जिसके बाद मैदान में राष्ट्रीय गान का सामूहिक गायन और नशामुक्ति का संकल्प सबों ने लिया। सांसद मनीष जायसवाल लगातार दूसरे वर्ष सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत 'नमो फुटबॉल टूर्नामेंट' का आयोजन पूरे लोकसभा क्षेत्र में करा रहे हैं, जिसे सिलसिलेवार ढंग से जिले के सभी 22 प्रखंडों में आयोजित किया जाएगा। इसी कड़ी में बरही विधानसभा के पदमा प्रखंड स्थित गरवा फुटबॉल मैदान में यह तीसरा टूर्नामेंट शुरू किया गया है। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच का मुकाबला रेड जोन, सरैया टीम बनाम नव युवक संघ, रोमी टीम के बीच खेला गया। जिसमें खबर लिखे जाने तक रोमी की टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली। सांसद मनीष जायसवाल ने इस पहल के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने बतौर विधायक वर्ष 2016 में हजारीबाग से इसकी शुरूआत की थी, तब यह हजारीबाग विधानसभा तक सीमित था। लेकिन, कालांतर में इसकी ख्याति दूर-दूर तक पहुंची और पिछले दो वर्षों से संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट की गूंज है। उन्होंने बताया कि बरही विधानसभा के पदमा प्रखंड से इस टूर्नामेंटका आगाज हुआ है। सांसद ने इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को एक बेहतर मंच प्रदान करना बताया। विधायक मनोज यादव ने युवाओं को खेल से जुड़ने की अपील की। इस अवसर पर विधायक मनोज यादव ने अपने संबोधन में कहा, फिट रहकर ही समाज की मुख्यधारा से जुड़ा जा सकता है और समाज एवं राष्ट्र का विकास संभव हो सकेगा। उन्होंने सांसद मनीष जायसवाल को खेल के क्षेत्र में इस तरह के टूर्नामेंट लगातार दूसरे साल बरही विधानसभा क्षेत्र में आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजनों से निश्चित रूप से युवाओं की प्रतिभा निखरेगी। विधायक ने वर्तमान समय में बढ़ती नशाखोरी पर चिंता व्यक्त करते हुए युवाओं से खेल मैदान से जुड़ने का आग्रह किया।

संक्षिप्त खबरें

श्रावण माह में करें रुद्राभिषेक, सभी मनोकामना होगी पूर्ण : संदीप शर्मा

इटखोरी : मां भद्रकाली मंदिर पुजारी ज्योतिषाचार्य संदीप शर्मा बताते हैं कि श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना और रुद्राभिषेक करना अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। इस महीने में शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र आदि अर्पित करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं। रुद्राभिषेक को शिवभक्ति का परम और प्रभावशाली रूप कहा गया है। ऐसा माना जाता है कि इस पावन मास में रुद्राभिषेक करने से संतान प्राप्ति, शीघ्र विवाह, करियर में सफलता, धन वृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मानसिक शांति जैसे सभी सुखों की प्राप्ति होती है। इसके अलावा जीवन की बाधाएं, ग्रहों का कुप्रभाव, नजर दोष भी रुद्राभिषेक के प्रभाव से शांत हो जाते हैं। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, श्रावण मास में विधिपूर्वक रुद्राभिषेक करने से पाप नष्ट होते हैं और व्यक्ति मोक्ष मिलता है। रुद्राभिषेक से क्या क्या लाभ मिलता है। शिव पुराण के अनुसार किस द्रव्य से अभिषेक करने से क्या फल मिलता है अर्थात आप जिस उद्देश्य की पूर्ति हेतु रुद्राभिषेक करा रहे है उसके लिए किस द्रव्य का इस्तेमाल करना चाहिए का उल्लेख शिव पुराण में किया गया है उसका सविस्तार विवरण प्रस्तुत कर रहा हू और आप से अनुरोध है की आप इसी के अनुरूप रुद्राभिषेक कराये तो आपको पूर्ण लाभ मिलेगा।

झारखंड पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष जानकी यादव का चतरा में भव्य स्वागत

चतरा : झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरीय नेता एवं झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव का गुरुवार चतरा आगमन पर चतरा परिसदन में झामुमो जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञासेन के नेतृत्व में ज़िला संगठन की ओर से शिष्टाचार मुलाकात कर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। झामुमो चतरा जिला की ओर से जिला कोषाध्यक्ष नितेश कुमार राणा, नगर अध्यक्ष बिट्टू कुमार, सदर प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र राम, सचिव बबलू पासवान, मोनू सिंदुरिया, युवा नेता राहुल यादव, रूपेश यादव मो अजहर, इटखोरी प्रखंड अध्यक्ष बबलू केशरी, बंटी कुमार एवं दर्जनों झामुमो नेता उपस्थित थे। जिला अध्यक्ष ने कहा कि सबको विश्वास है कि यादव का राजनीतिक अनुभव, सामाजिक समर्पण और संघर्षशील नेतृत्व झारखंड के पिछड़े वर्ग के अधिकारों की रक्षा एवं सामाजिक न्याय की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा। उनकी सक्रिय उपस्थिति से सामाजिक समरसता और संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

सलगा में हाथियों का कहर : कुमर राम सहित कई ग्रामीणों के घर किए ध्वस्त

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत सलगा पंचायत के बीते रात्रि टोला भोलवाही में हांथीयों की झुंड ने वन विभाग की एक्सपर्ट टीम के कारण केरेडारी में दूसरी रात थोड़ा कम नुकसान पहुँचाया है वहीं टीम ने सभी को खदेड़ कर रात में हिं टंडवा वन क्षेत्र में पहुँचा दिया है। सभी हांथी 9 बजते हिं अचानक सलगा पंचायत के सिरोइया व सयानी टांड पहुँच गए। इसके पहले हिं बड़कागांव रेंज ऑफिस से हांथी भगाने के एक्सपर्ट टीम पहुँच गयी थी फिर भी नव प्राथमिक विद्यालय सिरोइया का खिड़की तोड़कर कमरे में रखे चावल को छिट दिया और बक्सा में रखे खाद्य सामग्री को भी बक्सा तोड़कर नुकसान पहुँचाया वहीं टेकलाल गंझू, डेगन साव, गणेश भुइयां, शनिचर भुइयां, कुँवर राम के घर को भी तोड़कर अनाज को खा गए। गुरुवार सुबह सलगा पंचायत की मुखिया पार्वती देवी टूटे घर को देखने व पीड़ित परिवारों से मिलने सिरोइया व सयानी टांड पहुँची लोगों को हर सम्भव मदद का भरोसा भी दी । इधर हांथी भगाने के एक्सपर्ट टीम ने रातोरात सभी हांथीयों को अपने रेंज क्षेत्र से बहेरवा तरी होकर टंडवा अंचल क्षेत्र में पहुँचा दिया।

विद्यालय भवन निर्माण के लिए ग्राम सभा का हुआ आयोजन

बड़कागांव : डांडीकला पंचायत के अंतर्गत मंझलीडांडी के चीचाल टोला में गुरुवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय के नव निर्माण भवन के लिए ग्राम सभा का आयोजन मुखिया इलियास अंसारी के अध्यक्षता एवं संचालन हल्का कर्मचारी नंदकिशोर दास ने द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से बस्ती में बना हुआ पूर्व विद्यालय भवन एनटीपीसी के द्वारा अधिग्रहण होने के पश्चात नया विद्यालय भवन बनाने का सहमति आम ग्रामीणों के द्वारा सुनिश्चित होना था, जो आज सर्व समिति से खाता नंबर 123 प्लॉट नंबर 45 रकवा 2.45 में चिन्हित कर विद्यालय बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके अलावा विस्थापित प्रभावित एवं विद्यार्थियों की शिक्षा सुविधा के लिए आज ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी के नाम पर लिखित आवेदन उच्च विद्यालय का भी मांग किया गया। मौके पर हल्का कर्मचारी नंदकिशोर दास, अमीन नरेंद्र प्रसाद महतो, सांसद सह प्रतिनिधि एवं चेपाकला पंचायत के पंसस कृष्ण राम, मुखिया इलियास अंसारी, वन समिति के अध्यक्ष पूर्व मुखिया मोहन महतो वन समिति के सचिव अब्दुल अजीज, हेमंत भुइया, प्रभु महतो,शिव शंकर महतो, सानू महतो, जूगेश्वर महतो, लक्ष्मण महतो, गंगा भुईयां, शंकर भुईयां, जगरनाथ महतो, अशोक महतो, माला देवी संयोजिका, बसन्ती देवी वर्ड सदस्य, बिनोद कुमार, जितेंद्र महतो, विजय महतो, विकाश कुमार, राज कुमार, सहायक शिक्षक शोभीलाल कुमार, ललन कुमार सिंहा,एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर

रांची में नकली पनीर की बड़ी खेप जब्त

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के सदर अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को ओरमांझी थाना क्षेत्र से बड़ी मात्रा में अवैध नकली पनीर की खेप को पकड़ा गया। नकली पनीर की सूचना मिलने पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के निर्देशन में आज सदर अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त नकली पनीर को जब्त कर लिया । यह पनीर ऑटो के माध्यम से रांची लाया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में गुणवत्ताहीन और मानकविहीन होने की पुष्टि हुई है। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की सुसंगत धाराओं के तहत आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

सिरिबेल्ला पंचायत समिति के गठन के लिए 20 जुलाई से करेंगे बैठक

रांची : राज्य के सभी पंचायतों में पंचायत समिति के गठन के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सिरिबेल्लो प्रसाद एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 20 जुलाई से सभी जिलों में जिला अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक पर्यवेक्षक एवं मंडल अध्यक्षों की बैठक में शामिल होंगे। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने दी।
उन्होंने बताया कि इस क्रम में दोनों नेता 20 जुलाई को पंचायत समिति के गठन के लिए पूर्वी और सरायकेला खरसावां के जिला अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड पर्यवेक्षक और मंडल अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे।

लायन्स क्लब ऑफ रांची ग्लोबल ने वृक्षारोपण कर मनाया ऐतिहासिक दिवस

रांची : लायन्स क्लब ऑफ रांची ग्लोबल द्वारा आज एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी और लायनवाद के मूल्यों को भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन फ्लोरेंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, ईरबा के प्रांगण में किया गया, जो सेवा, नेतृत्व और हरित पहल का अद्भुत संगम बन गया।

मंत्री ने भू संरक्षण और लाह केंद्र का किया औचक निरीक्षण, काम में सुस्ती पर हुईं नाराज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को भूमि संरक्षण कार्यालय रांची और और नामकुम के सिदरौल स्थित भगवान बिरसा मुंडा लाह मूल्य संवर्द्धन शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा योजनाओं को गति देने और कार्य संस्कृति में बदलाव की बात पर जोर दिया। उन्होंने कार्यालय में कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति, कार्य संस्कृति, योजनाओं से संबंधित कार्य प्रगति रिपोर्ट की भी जानकारी ली। भूमि संरक्षण विभाग के अंतर्गत डीप बोरिंग, परकोलेशन टैंक, तालाब के जीर्णोद्धार से संबंधित विधायकों के अनुशंसा पत्र को देखा। वहीं मंत्री ने ट्रैक्टर वितरण और पंपसेट वितरण की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए सरकारी अनुदान पर लाभुकों को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ देने का निर्देश दिया।

स्थल निरीक्षण में सुस्ती से मंत्री नाराज

मौके पर मंत्री ने कहा है कि अक्टूबर माह में काम की शुरूआत हो जानी चाहिए। योजना को समय सीमा के अंदर शुरू करने को लेकर भूमि संरक्षण विभाग की ओर से सभी जिलों को भी इससे संबंधित निर्देश जारी किया जाएगा। विधायकों की ओर से अनुशंसित योजना का अधिकारियों के स्तर पर स्थल निरीक्षण में सुस्ती से मंत्री नाराज दिखीं। उन्होंने विभाग के अधीन संचालित योजनाओं को गति देने के लिए समय सीमा का निर्धारण करते हुए टास्क दिया।
मंत्री ने कहा कि विधायकों के अनुशंसा पत्र का योजनावार समरी तैयार किया जाएगा। उन?होंने कहा कि विभाग के जेई और एई अगस्त माह के अंत तक योजना स्थल निरीक्षण का कार्य हर हाल में पूर्ण करेंगे। इसके बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी के समक्ष जांच रिपोर्ट की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सितंबर माह में योजना से संबंधित सूची तैयार कर जिला उपायुक्त के समक्ष अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। इधर, नामकुम के सिदरौल स्थित भगवान बिरसा मुंडा लाह मूल्य संवर्द्धन शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण के क्रम में मंत्री ने प्रशासनिक भवन के साथ-साथ लाह गोदाम का निरीक्षण किया। लाह केंद्र में कच्चा लाह का संग्रहण के साथ-साथ प्रसंस्करण और किसानों को प्रशिक्षण देने का कार्य किया जाता है। मंत्री ने संस्थान में लाह प्रशिक्षण के लिए मौजूद उपकरण और संसाधन के रख-रखाव को लेकर बरती जा रही लापरवाही में सुधार लाने का निर्देश दिया है। मंत्री ने लाह केंद्र में ज्यादा से ज्यादा किसानों को प्रशिक्षित करने की बात कही। ताकि लाह उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण में नई उपलब्धियों को हासिल किया जा सके।

झारखंड संगठन विस्तार को लेकर चिराग पासवान से मिले बिरेन्द्र प्रधान

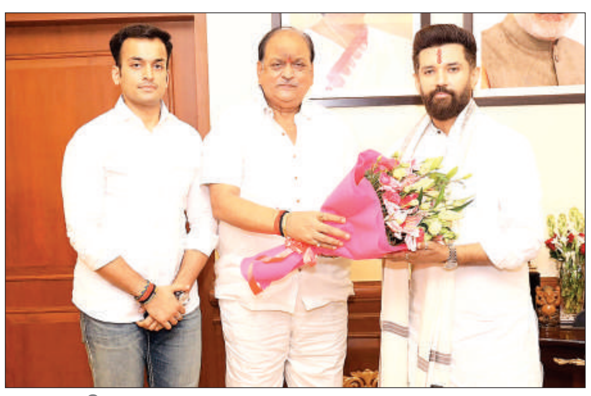

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : लोक जनशक्ति पार्टी झारखंड इकाई के प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान ने आज नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में झारखंड में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सदस्यता अभियान को और तेज गति से चलाने, तथा अनुशासनहीन कार्यकताओं पर उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में झारखंड प्रदेश के कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने एवं पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने की रणनीति पर भी विचार किया गया। प्रदेश अध्यक्ष श्री बिरेन्द्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में पार्टी झारखंड में और मजबूती के साथ कार्य करेगी और आने वाले चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

पीएचडी चैंबर के झारखंड इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री झारखंड चैप्टर ने कडरू स्थित डीएवी कपिलदेव चिल्ड्रेन पार्क में झारखंड इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो का आयोजन किया गया है। यह एक्सपो 20 जुलाई तक चलेगा। इस ट्रेड एक्सपो का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने गुरुवार को किया। मौके पर उन्होंने कहा कि रांची में तेजी से कारोबार का विकास हो रहा है। उद्योग जगत के विकास की गति अपने चरम पर है। भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय ने इस ट्रेड एक्सपो को मंजूरी दी है। देश भर आए हुए एमएसएमई के लोग बिजनेस कर रहे हैं। उन्होंने ट्रेड एक्सपो के आयोजन की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन भविष्य में भी किया जाना चाहिए।

एक्सपो में 20 राज्यों के लगे हैं 60 स्टॉल

एक्सपो में 20 राज्यों के कुल 60 स्टॉल लगे हुए हैं। इन स्टालों में हस्तशिल्प, हथकरघा, वस्त्र, आयुर्वेदिक दवाएं, स्टील और लकड़ी के फर्नीचर, सौर पैनल, बाजरा और खाद्य पदार्थ शामिल हैं। यह एक्सपो झारखंड के विविध औद्योगिक परिदृश्य को प्रदर्शित करने का एक प्रमुख मंच बना है, जहां बीटूबी और बीटूसी दोनों तरह के इंटरेक्शन पर केंद्रित है। ट्रेड एक्सपो सुबह 10 बजे से रात्रि नौ बजे तक खुलेगा। इसमें एंट्री निःशुल्क है। बच्चों के लिए एम्यूजमेंट पार्क लगा हुआ है। खाने पीने का भी स्टॉल लगा हुआ, जहां विभिन्न प्रकार के व्यंजन खाने को मिलेंगे। उद्घाटन के अवसर पर एमएसएमई-डीएफओ रांची इंद्रजीत यादव, पीएचडी चैंबर झारखंड चैप्टर के चेयरमैन सह क्यूरेस्टा ग्लोबल हॉस्पिटल के एमडी न्यूरोसर्जन डॉ संजय कुमार, पीएचडी चैंबर के सीनियर रेजिडेंट डायरेक्टर मंतोष कुमार, रेजिडेंट ऑफिसर राहुल कुमार लाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मजदूरों की मांगों पर आजसू ने एचईसी प्रबंधन को दी आंदोलन की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी ने एचइसी के ठेका मजदूरों के आंदोलन का समर्थन किया है और एचइसी प्रबंधन को चेतावनी दी है कि 17 दिनों से जारी एचईसी सप्लाई मजदूर संघर्ष समिति के आंदोलन का उचित समाधान करें नहीं तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। मजदूरों के निमंत्रण पर आजसू के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत और पार्टी के नेता प्रवीण प्रभाकर गुरुवार को एचइसी मुख्यालय पर प्रदर्शन में शामिल हुए और उनकी मांगों के प्रति समर्थन व्यक्त किया। मौके पर डॉ. देवशरण भगत ने मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि एचइसी प्रबंधन ने 1400 ठेका मजदूरों को आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से रखने का निर्णय लिया है। इसका मजदूर विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एचईसी प्रबंधन सप्लाई कामगारों का शोषण करने का प्रयास नहीं करे।

मजदूरों का हक नहीं छीनने देंगे : प्रवीण

प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि ठेका मजदूरों का हक छीनने नहीं दिया जाएगा। आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से झारखंडी मजदूरों का शोषण नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आजसू ने संघर्ष कर झारखंड राज्य इसलिए बनाया है कि गरीबोंझमजदूरों को हक मिल सके। स्थानीय विस्थापित मजदूरों के हितों को नजरअंदाज कर एचइसी का जीर्णोद्धार पूर्ण नहीं माना जा सकता। जरूरत पडने पर केन्द्र सरकार तक मुद्दा उठाया जाएगा।

अपग्रेड करने के लिए जन अबुआ साथी तीन दिनों के लिए हुआ बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जिला प्रशासन की ओर से जन शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए चलाए जा रहे अबुआ साथी सेवा को तकनीकी रूप से और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से इसका अपग्रेडेशन किया जा रहा है। इस वजह से अबुआ साथी के तहत संचालित व्हाट्सएप नंबर 9430328080 पर सेवा गुरुवार की रात 10 बजे से अगले तीन दिनों तक अस्थायी रूप से बंद रहेगी। इस अवधि के दौरान आमजन अपनी शिकायतें जिला प्रशासन को वैकल्पिक ईमेल आईडी डीसी ऐट दि रेट डीईजीएस रांची डॉट आईएन के माध्यम से भेज सकते हैं। प्रशासन की ओर से प्राप्त शिकायतों को नियमित रूप से संकलित कर संबंधित विभागों को अग्रसारित किया जाएगा और जरूरी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने इस संबंध में गुरुवार को बताया कि अबुआ साथी को और अधिक यूजर-फ्रेंडली, पारदर्शी और तेज बनाया जा रहा है। ताकि शिकायत निवारण प्रक्रिया में और सुधार हो सके। अपग्रेडेशन के बाद सेवा पहले की तुलना में अधिक प्रभावी और सुविधाजनक होगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आम नागरिकों से अपील करता है कि वे इस दौरान धैर्य बनाए रखें और वैकल्पिक ईमेल व्यवस्था का उपयोग करें।

पोर्टल पर डेटा की प्रविष्टि की मॉनिटरिंग डीडीसी करें सुनिश्चित : राजेश्वरी बी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पंचायत निदेशक राजेश्वरी बी ने कहा कि पोर्टल पर डेटा की प्रविष्टि की मॉनिटरिंग डीडीसी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पंचायत उन्नति सूचकांक के तहत जिलेवार आकलन में बताया कि लोहरदगा ने 59.37 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान ,उसके बाद खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम ,धनबाद,और जामताड़ा ने क्रमशः द्वितीय,तृतीय चतुर्थ और पंचम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड ने पंचायत उन्नति सूचकांक के तहत स्वास्थ्य पंचायत की थीम में बेहतर काम किया है। पंचायत उन्नति सूचकांक का उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य को हासिल करना है। इसके तहत पंचायतों को 9 थीम पर फोकस कर काम करना है। उन्होंने कहा कि फंड की उपलब्धता को देखते हुए हर साल किन्हीं दो थीम को फोकस कर कार्य करें फिर अगले साल किन्हीं दो थीम पर। इस तरह हम अपने लक्ष्य को पा सकेंगे। राजेश्वरी बी गुरुवार को रांची के एक स्थानीय होटल में आयोजित पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई-2) पर राज्य स्तरीय प्रसार कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं।

पीएआई पोर्टल पर पंचायतों में हो रहे विकास कार्यों की प्रविष्टि करना भी जरूरी-

राजेश्वरी बी ने पंचायत उन्नति

सूचकांक के तहत जिलेवार आकलन में बताया कि लोहरदगा ने 59.37 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान ,उसके बाद खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम ,धनबाद,और जामताड़ा ने क्रमशः द्वितीय,तृतीय चतुर्थ और पंचम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि अन्य पंचायतों ने भी अच्छा काम किया है लेकिन अच्छा काम करने के साथ-साथ उसका प्रदर्शन करना भी जरूरी है। पीएआई पोर्टल पर पंचायतों में हो रहे विकास कार्यों की प्रविष्टि भी सुनिश्चित होनी चाहिए नहीं तो पंचायत उन्नति सूचकांक में पिछड़ जायेंगे। उन्होंने सभी जिलों के डीडीसी को निदेश दिया कि इसकी भी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें कि पोर्टल पर डेटा की प्रविष्टि हो रही है या नहीं। उन्होंने कहा कि पीएआई पोर्टल पर डेटा की कम इंट्री को देखते हुए ही यह कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायतें अच्छा काम करते हैं पर उसका प्रदर्शन उचित जगह नहीं कर पाते हैं जिस कारण हमलोगों सूचकांक में पिछड़ रहे हैं ।

पंचायत सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से काम कर रही है राज्य सरकार-

राजेश्वरी बी ने कहा कि राज्य सरकार पंचायत सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से काम कर रही है । पंचायत भवन को सुदृढ़ किया जा रहा है। डिजिटल पंचायत प्रोग्राम शुरू किया गया है। पंचायत भवन में सारे डिजिटल काम किए जा रहे है । इसलिए डेटा प्रविष्टि में भी अब कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायती राज में मुखिया केंद्र में है । पंचायत में सभी विकास के काम मुखिया के माध्यम से ही होते हैं।

संक्षिप्त खबरें

शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी लेने पहुंचे कल्याण मंत्री चमरा लिंडा

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में मुलाकात कर कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान लिंडा के साथ उनकी बेटी उपासना मरांडी भी मौजूद थीं। मंत्री चमरा लिंडा ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर दिशोम गुरु के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने मां सरना से प्रार्थना की कि झारखंड के इस महान रत्न को जल्द पूर्ण स्वस्थता प्राप्त हो और वह पूर्व की भांति हम सभी का मार्गदर्शन करते रहें।

रांची में आरपीएफ ने शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने गुरुवार को अवैध शराब के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 30 लीटर शराब बरामद किया गया है। एसआई सूरज पांडेय ने बताया कि आज आरपीएफ फ्लाइंग टीम ने ऑपरेशन सतर्क के तहत रांची रेलवे स्टेशन और उसके आस-पास के क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया। इसी क्रम में प्लेटफार्म संख्या-01 पर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में एक ग्रे रंग के ट्रॉली बैग और एक काले रंग के पीठू बैग के साथ खड़ा पाया गया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि दोनों बैग उसी के हैं और इनमें शराब रखी हुई है। तलाशी लेने पर अलग-अलग ब्रांड के अवैध 30 लीटर शराब बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपित का नाम चिन्टू कुमार बताया गया। वह बिहार के जहानाबाद का रहने वाला है ।आरोपित ने स्वीकार किया कि वह ट्रेन संख्या 18624 एक्सप्रेस से बिहार जा रहा था तथा इन शराब की बोतलों को ज्यादा दाम पर बेचने की मंशा रखता था। बरामद शराब को गवाहों की उपस्थिति में एएसआई अनिल कुमार ने जब्त किया । आरोपित को आरपीएफ पोस्ट रांची लाया गया। जब्त शराब और आरोपित को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सुपुर्द किया जाएगा।

रांची में अफीम तस्करी में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के तुपदुाना ओपी पुलिस ने अफीम तस्करी में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना पर तुपुदाना ओपी क्षेत्र के वास्तु विहार, कैंपस (हरदाग) में दो व्यक्ति अफीम लेकर बेचने के फिराक मे खड़े है। सूचना के आधार पर हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए कैलाश मुंडा और सुगना मुंडा को तुपुदाना इलाके से गिरफ्तार किया। दोनों खूंटी जिले के रहने वाले हैं। उनके पास से 1.7 किलोग्राम अफीम और एक केटीएम बाइक बरामद किया गया है।

मंत्री ने दिखाई संवेदनशीलता, बुजुर्ग को भेजा अस्पताल

रांची : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने गुरुवार को उस समय एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता और तत्परता प्रकट की जब रांची से लौटते समय, गोविंदपुर के पास अपने काफिले को अचानक रोककर एक बुजुर्ग व्यक्ति की मदद पहुंचाई। दरअसल सड़क किनारे सुलेमान अंसारी नामक बुजुर्ग व्यक्ति, लहूलुहान हालत में दर्द से कराहते हुए पड़ा हुआ था। उसके गाल से खून निकल रहा था और कंधे में भी जोरों की दर्द थी। वह चलने में असमर्थ था। इस दौरान सैकड़ों राहगीर वहां से आवाजाही करते रहे। लेकिन किसी ने रुककर मदद नहीं की। लेकिन जब इरफान अंसारी की नजर उन पर पड़ी, तो उन्होंने बिना एक पल गंवाए काफिला रुकवाया और गाड़ी से उतरकर बुजुर्ग को अपने हाथों से उठाकर तुरंत प्राथमिक उपचार दिलवाया। इसके बाद उन्होंने उन्हें गाड़ी की व्यवस्था कर धनबाद सदर अस्पताल भिजवाया। मंत्री ने फोन कर सिविल सर्जन से बात करते हुए बुजुर्ग व्यक्ति के बेहतर इलाज की पुख्ता व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने आर्थिक मदद भी दी और परिवार को भरोसा दिलाया कि इलाज और जरूरत की हर मदद सरकार द्वारा दी जाएगी। घटनास्थल पर मौजूद सुलेमान अंसारी की नातिन ने कहा कि अगर आप नहीं होते, तो आज मेरे दादा हमारे साथ न होते। आपने हमें हमारे भगवान को लौटा दिया। हमारी दुआएं हमेशा आपके साथ रहेंगी।

एक नजर

बोकारो बार एसोसिएशन चुनाव 2025: नामांकन शुरू

बोकारो : बोकारो बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। बोकारो कोर्ट परिसर में चुनावी गहमागहमी का माहौल देखने को मिल रहा है। आज, 17 जुलाई से नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू हो चुकी है, जो 23 जुलाई तक जारी रहेगी। अधिवक्ता इस दौरान अपने लिए नामांकन पत्र खरीद सकते हैं। चुनाव 2 अगस्त 2025 को होगा, जबकि मतगणना 3 अगस्त को निर्धारित की गई है। इस चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, सचिव सहित कई अन्य पदों के लिए प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। आज पहले दिन कई अधिवक्ताओं को नामांकन पत्र खरीदते हुए देखा गया, जिनमें उपाध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार के प्रत्याशी रणजीत गिरि भी शामिल थे। उन्होंने फॉर्म लेने के बाद अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चंद्रपुरा, जारीडीह, दुगदा थाना को बोकारो जजशिप में जोड़वाना उनकी पहली प्राथमिकताओं में से एक है साथ ही साथ अधिवक्ताओं के लिए बोकारो स्टील प्लांट से क्वार्टर दिलाने का प्रयास करेंगे। स्वच्छ, पारदर्शी व भयमुक्त वातावरण में अधिवक्ताओं को कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।
बोकारो कोर्ट में लगभग 1200 अधिवक्ता पंजीकृत हैं, जो इस चुनाव में अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। यह चुनाव बोकारो जिला अदालत में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रत्याशियों का कहना है कि वे बार एसोसिएशन के विकास और अधिवक्ताओं के हितों के लिए काम करने को प्रतिबद्ध हैं।

राज्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष प्रो. जानकी प्रसाद यादव परिसदन पहुंचे

कोडरमा : झारखंड राज्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष प्रो. जानकी प्रसाद यादव देर शाम कोडरमा परिसदन पहुंचे। परिसदन पहुंचने पर जिले के अधिकारियों एवं विभिन्न दलों के जिला अध्यक्षों व नेताओं ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर उनका भव्य स्वागत किया। बता दे की पिछड़ा आयोग अध्यक्ष प्रो.जानकी प्रसाद व सदस्य हजारीबाग एवं चतरा में अधिकारियों के साथ बैठक कर कोडरमा परिसदन कल सुबह 11:00 बजे जिले के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इस संबंध में पूछे जाने पर प्रो.जानकी प्रसाद यादव ने बताया कि ट्रिपल टेस्ट बैठक के साथ 15 जिलों का तूफानी दौरा करेंगे। राज्य में पिछड़ाओं को आरक्षण संबंधी समस्याओं को दूर करने का कार्य करेंगे ताकि पिछड़ाओं को उनका हक व अधिकार सही तरीका से मिल सके।

बारिश बनी बिजली संकट का कारण, ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

मरकच्चो : बरसात के इस मौसम में क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह कर मर गई है। हल्की बारिश होते ही बिजली गुल हो जाती है और कभी-कभी तो घंटो या फिर पूरा दिन बिजली नहीं रहती है इससे आम जनता को काफी कठिनाइयों का सामना उठाना पड़ता है। विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होती है, व्यवसाय प्रभावित होते हैं, घरेलू कार्यों में भी परेशानी आती है। मरकच्चो क्षेत्र में बिजली का आलम यह है कि दिन में आते जाते ही समय बीत जाता है। यह समझ लीजिए की 24 घंटे में मात्र 8 से 10 घंटे ही बिजली रह पाती है ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी बदतर हो जाती है। जहां जर्जर तारों खम्भों और ट्रांसफार्मर की मरम्मत समय पर नहीं की जाती है। बारिश के कारण कई जगहों पर फॉल्ट होना आम बात हो जाती है लेकिन विभागीय स्तर पर त्वरित सुधार कार्य नहीं होने से लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है।

तंबाकू मुक्त विद्यालय अभियान को लेकर प्लस टू स्कूलों के प्राचार्यों का प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त बोकारो के आदेशानुसार सिविल सर्जन बोकारो व जिला शिक्षा पदाधिकारी बोकारो के संयुक्त निर्देशन में कसमार एवं पेटरवार के सभी +2 स्कूल के प्राचार्य, बी0पी0ओ0 एवं बी0आर0पी का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन पेटरवार प्रखण्ड के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जिला परामर्शी मो0 असलम के द्वारा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो में वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया। जिला परामर्शी ने प्रशिक्षण में आये सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि विद्यालय को तम्बाकू मुक्त रखने के लिये टाफी गाईडलाईन के अनुसार कुल 9 बिन्दुओं पर कार्य करने हैं जिसमे मुख्यता सबसे पहले प्राचार्य को यह सुनिश्चित करना है कि स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार पर तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का दिवार लेखन कर जिस शिक्षण संस्थान के चहार दिवारी से 100 मीटर की दूरी पर ल्मससवू स्पदम (तम्बाकू मुक्त क्षेत्र) अंकित किया जाये और अगर 100 मीटर के दायरे में कोई दुकान है और तम्बाकू उत्पाद की बिक्री कर रहा है ऐसे दुकानों को चिन्हित कर सम्बन्धित थाना प्रभारी को सूचित करें ताकि कोटपा 2003 की धारा 6बी के उल्लंघन करने पर उनका चालान किया जा सके। डा0 सुधा सिंह नोडल पदाधिकारी एन0सी0डी0 द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण के उपरान्त सभी स्कूल के प्राचार्य टाफी गाईडलाइन का अनुपालन करते हुये स्वयं मूल्यांकन फार्म भर कर कार्यालय में अवश्य जमा करेंगे। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो0 असलम जिला परामर्शी एन0टी0सी0पी0, छोटेलाल दास एवं कसमार एवं पेटरवार के सभी प्रतिभागी उपस्थित थें।

सड़क के गड्ढे बन रहे हादसों का सबब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चन्दनकियारी विधान सभा क्षेत्र के चास तलगडिया मुख्य पथ धनडाबर मोड से मामरकुदर मोड़ तक 10 किमी सड़क अति जर्जर हो गया है। सड़क निर्माण कार्य दो साल भी नहीं हुआ ओर सड़क पर सैकड़ों छोटे बड़े गढ्डा हो गया है। गड्डु पर पानी भर जाने से आम लोग को काफी कठिनाई हो रही। स्कुली बच्चों रोज कहीं न कही गिरते नजर आती। जिससे अभिभावकों में जबतक बच्चों वापस घर नहीं पहुचती है, चिंता लगी रहती है।आसनबनी के बीच सड़क किनारे के साथ साथ सड़क को भी खोदकर अंडरग्राउंड पाइप लाइन बिछाने के बाद कार्यदायी संस्था ने गड्ढों को हल्का से मिट्टी भराई करने से हादसों का सबब बन गया है। हादसे की आमंत्रण को रोकने के लिए। किसान नेता सह चन्दनकियारी के पुर्व प्रत्याशी जगन्नाथ रजवार ने जिला प्रशासन से सड़क की अविलम्ब मरम्मती की मांग करते हुए। कहा कि चास-चन्दनकियारी मुख्य पथ मामारकुदर से चास-तालगड़िया मुख्य पथ धानडाबर के साथ साथ इलेक्ट्रोस्टील से जोड़ने वाली सड़क पर आसनबनी, मधुनियाँ, उदलबनी, मोदीडीह के ग्रामीणों एंव छात्र-छात्राओं के आलावे इलेक्ट्रोस्टील के मजदूरों की निरंतर आवाजाही है। और छोटे-छोटे छात्र-छात्राएं साईकिल से आवाजाही है। सड़क व सड़क किनारे में बड़ी बड़ी गड्ढे बनने से बड़ी हादसा होने की प्रबल संभावना बनी हुई है.जिसे रोकने के लिए अविलम्ब सड़क की मरम्मती की जाय।

विशेष मध्यस्थता अभियान की शुरूआत न्यायालय में सुलह को मिलेगा बढ़ावा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नालसा एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के मध्यस्थता और सुलह परियोजना समिति द्वारा चलाये जा रहे 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान कार्यक्रम के सफलता पूर्वक संचालन को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय में 01 जुलाई से 30 सितंबर तक विशेष मध्यस्थता अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोडरमा के प्रकोष्ठ में सभी न्यायिक पदाधिकारियों की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष बाल कृष्ण तिवारी ने बताया कि 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण, सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता और सुलह परियोजना समिति द्वारा शुरू किया गया है। अभियान के तहत जिला एवं अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार, जिला अदालत से लेकर उच्च न्यायालयों तक समझौता के लिए सभी उपयुक्त मामलो को निपटाने का प्रयास किया जायेगा। जिसमे मध्यस्थता के लिए पात्र लंबित मामलो में दुर्घटना दावा मामले, घरेलू हिंसा मामले, चेक बाउंस मामले, सर्विस मोटर, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद मामले, ऋण वसूली मामले, विभाजन मामले, बेदखली मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, अन्य उपयुक्त सिविल मामले, राजस्व प्रकरण सहित अन्य मामले शामिल है। मध्यस्थता का लाभ प्राप्त करने के हेतु जिस न्यायालय में मामला लंबित हो वहा प्रस्तुत कर सकते है।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/ कोडरमा : जिले के डोमचांच नगर क्षेत्र स्थित बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज डोमचांच में दिन गुरुवार को समय 11:00 बजे एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड भाजपा प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू मौजूद थे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड भाजपा प्रदेश मंत्री सरोज सिंह मौजूद थे। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत कॉलेज के सचिव हिमांशु कुमार एवं संरक्षक प्रेमांशु कुमार एवं सुधांशु शेखर ने अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह व फूलों का गुलदस्ता किया गया। इसके बाद कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद धीरज साहू ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की शुरूआत पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जा रहा है। सभी लोगों का नैतिक कर्तव्य है कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा करें। जब आप छोटे-मोटे पेड़ को लगाएंगे वह पेड़ जब बड़ा रूप ले लेता है जिसे देखकर आपको हृदय से खुशी मिलेगी। एक पेड़ लगाने से कई जीवन के बराबर होता है इसलिए हर हाल में पेड़ लगाने की आवश्यकता है। समाज में स्वच्छ पर्यावरण के लिए लोग अधिक से अधिक पेड़ लगाए इसके साथ ही उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि शिक्षा का अंतिम पड़ाव मानव का चरित्र निर्माण होता है इसलिए हर हाल में अपने चरित्र को सही रखें। वही एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि सरोज सिंह ने कहा कि हर मानव का सबसे पहला कर्तव्य होता है कि अपने आस पड़ोस को साफ सुथरा और सुरक्षित रखें इसके लिए बहुत जरूरी है पेड़ पौधे को लगाना। कार्यक्रम समापन के पूर्व बीएड सत्र 2021-23 प्रथम रंजना कुमारी, द्वितीय अक्षयवट कुमार, तृतीय अंकिता कुमारी के अलावे बीएड 2022- 24 मुकुल कुमार, शोभा कुमारी, मोहम्मद अजहरूद्दीन को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

महज एक रुपये में कांवरियों के जत्थे को दी जाएगी सारी सुविधाएं : देव शर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : युवा लायंस फोर्स केंद्रीय कमेटी की बैठक बोदरो स्थित आवासीय कार्यालय बोदरो में हुई जिसकी अध्यक्षता पंकज शर्मा एवं संचालन करण दास ने किया। जिसमें मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सह युवा लायंस फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा मौजूद थे, श्री शर्मा ने कहा कि प्रत्येक साल की भांति इस साल भी युवा लायंस फोर्स द्वारा बोल बम के समूह को 3 अगस्त दिन रविवार को मात्र एक रुपए में सभी श्रद्धालुओं को पोशाक, गमछा कांवर के अलावा गाड़ी, चिकित्सा ,फल, मिठाई समेत अन्य कई तरह की खाने पीने की सुविधा दी जाएगी। श्री शर्मा ने कहा कि पिछले 13 वर्षों से हमारा संगठन यह सेवा दे रही है जिसका मुख्य उद्देश्य खासकर कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र या असहाय और दूर दराज के लोगों को देखते हुए किया गया था जो पैसे के अभाव में भगवान शंकर का दर्शन नहीं कर पाते थे। उन्होंने बताया कि इसे जारी रखते हुए 3 अगस्त को बोदरो स्थित शिव मंदिर से हजारों भक्त चिड़का धाम के लिए रवाना होंगे जहां प्रत्येक किलोमीटर में युवा लायंस फोर्स द्वारा सेवा शिविर की व्यवस्था की जाएगी जिसमें फल चाय मिठाई पानी दवा आदि जरूरत की सभी चीज उपलब्ध कराई जाएगी फिर शिव भक्तों को पूजा करने के बाद गाड़ी से लाने का भी काम किया जाएगा। मौके पर युवा लायंस फोर्स के दर्जनो नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बोकारो में टॉवर केबल चोरी का खुलासा: दो चोर गिरफ्तार, 70 मीटर तार और बैट्री बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के शहरी क्षेत्रों में टॉवर से केबल चोरी की लगातार हो रही घटनाओं को लेकर पुलिस सतर्क हो गई थी। इस संदर्भ में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन के नेतृत्व में विशेष छापामारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में 16/17 जुलाई की रात को गुप्त सूचना मिली कि सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के नटखट दुकान के पास लगे टॉवर से केबल चोरी की जा रही है। सूचना मिलते ही छापामारी दल मौके पर पहुँचा और दो चोरों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक प्लास्टिक बोरे में टॉवर से काटे गए लगभग 70 मीटर केबल तार, एक हेक्सा ब्लेड, दो ब्लेड, एक चाकू और दो बैट्री बरामद की गई। पूछताछ के क्रम में आरोपियों की निशानदेही पर शहर के अन्य स्थानों से भी चोरी की गई सामग्री बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रकाश कुमार (27 वर्ष) और राहुल कुमार उर्फ राहुल घांसी (23 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों ही सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के झोपड़ी बस्ती के निवासी हैं। इस मामले में इनके विरुद्ध सेक्टर-4 थाना कांड संख्या 49/2025 और 75/2025, धारा 303(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। छापामारी दल में नगर डीएसपी के अलावा थाना प्रभारी संजय कुमार, अवेन्द्र कुमार साव, मुन्ना रमानी, सुनील मनोहर, सुरेश उरांव सहित कई आरक्षी शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में केबल चोरी के मामलों पर अंकुश लगने की संभावना है। पुलिस अधीक्षक ने टीम की तत्परता की सराहना की है।
इस छापामारी दल में
सिटी डीएसपी आलोक रंजन, संजय कुमार, पु०नि०/थाना प्रभारी, सेक्टर-4, अवेन्द्र कुमार साव, पु.अ.नि., मुन्ना रमानी, पु.अ.नि., सुनिल मनोहर, स.अ.नि,सुरेश उराँव, स.अ.नि, इलयास अंसारी, मुकेश कुमार राय, दिलीप विश्वकर्मा,अनिल सिंह आदि शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

जिला सचिव सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने पीएलवी की साथ की बैठक

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय स्थित जिला न्याय सदन कोडरमा सभागार में झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर जिले में कार्यरत सभी पारा लीगल वोलेनटियर्स के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बाल कृष्ण तिवारी के निर्देश के आलोक में किया गया। इस बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने उपस्थित पारा लीगल वोलेनटियर्स को कई प्रकार की कानूनी प्रावधानों एवं प्राधिकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में मुख्य रूप से इनदिनों राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश के आलोक में झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के संरक्षण में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा द्वारा चलाये जा रहे साथी अभियान, जागृति अभियान, आशा अभियान, ड्रग के विरुद्ध डाउन अभियान सहित अन्य कार्यक्रमों में सभी पारा लीगल वोलेनटियर्स को अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये ताकि ये सभी कार्यक्रम पूरे जिले में सफलता पूर्वक संचालित को सके। इसके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा द्वारा 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान को सफल बनाने को लेकर पूरे जिले में व्यापक प्रचार प्रसार किये जाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पारा लीगल वोलेनटियर्स को निर्देश दिया गया कि आगामी 13 सितंबर 2025 को व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार प्रसार अपने अपने क्षेत्र में करें तथा पक्षकारों को समझा बुझाकर अपने अपने मामलो को राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादित कराने के लिए प्रेरित करें ताकि अधिक से अधिक मामलों का निस्पादन राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जा सके।

चंदवारा में वज्रपात से युवक की मौत, पिता घायल,गांव में छाया मातम

चंदवारा : चंदवारा पिपराडीह स्टेशन रोड स्थित खेत में काम कर रहे एक पिता व उसके पुत्र की वज्रपात से गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार हेतु सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। मिली जानकारी के अनुसार पवन साव पिता गोविंद साव, गोविंद साव पिता शरीफ कांदु अपने खेत में काम कर रहे थे जिससे अचानक हल्का बारिस हुई और ब्रजपात हुआ। जिसमें दोनों पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का प्राथमिक इलाज हेतु सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया। वहीं घायल में पवन कुमार पिता गोविंद साव उम्र लगभग 25 वर्ष की रास्ते में ही मौत हो गई। एवं घायल गोविंद साव का बेहतर इलाज कोडरमा सदर में कराया जा रहा है। वही मृतक का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में होने की तैयारी चल रही हैं। मृतक पवन कुमार की शादी कुछ माह पूर्व हुआ था। मृतक दो भाईयों में छोटा था। मौत की सूचना पा कर उसकी पत्नी एवं अन्य परिजनों का बुरा हाल हो गया है। पूरा गांव में मातम का माहौल छा गया सौंपने की तैयारी चल रही है। इधर घटना के पश्चात मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

महिला समिति, बोकारो की सदस्याओं के द्वारा 'सावन मिलन' समारोह का हुआ आयोजन

बोकारो : महिला समिति, बोकारो की सदस्याओं के द्वारा बोकारो क्लब में "सावन मिलन" समारोह का आयोजन किया गया। इसमें समिति की मेंबर्स हरे परिधान में सजी धजी नजर आई। आयोजन का शुभारंभ अध्यक्ष अनिता तिवारी के आगमन से हुआ। सभी सदस्याओ ने तन्मयता से अतिथियों का स्वागत किया। सांस्कृतिक सचिव श्रीमती श्वेता कुमार के नेतृत्व में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई जिसमें सावन के उपलक्ष्य में कविताएं,गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर 'सावन क्वीन' का भी सर्वसहमति से चुनाव हुआ तथा सुंदर मेंहदी,आकर्षक केश विन्यास वाली सदस्याओं को भी पुरस्कृत किया गया। विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेल तथा आयोजनों से कार्यक्रम सुसज्जित रहा। सावन का झूला सजाया गया,नई सदस्याओं का स्वागत किया गया,सावन के गीत गाए गए तथा स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस भव्य समारोह का आयोजन सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी की कुशल देखरेख में संपन्न हुआ। महिला समिति के इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आपसी सौहार्द् व प्रेम को बढ़ाना तथा साथ ही महिलाओं में समाज सेवा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना एवं उन्हें इस नेक कार्य के लिए प्रोत्साहित करना था।

बोकारो जिला का जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट 26 से

बोकारो : जिला बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से जिला स्तरीय बैडमिंटन टूनार्मेंट का आयोजन 26 जुलाई से लेकर 28 जुलाई तक सेक्टर 3 स्थित स्टील क्लब ऑडिटोरियम में किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए बोकारो जिला बैडमिंटन संघ के सचिव डॉ आर ए खान ने बताया कि तीन दिवसीय बैडमिंटन टूनार्मेंट में अंडर 15 बालक व अंडर 15 बालिका वर्ग में सिर्फ सिंगल व अंडर-19 बालक और बालिका में सिंगल व डबल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ में पुरुष व महिला एकल व डबल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बैडमिंटन टूनार्मेंट में एक खिलाड़ी सिर्फ एक कैटेगरी आयु वर्ग में ही हिस्सा ले सकेंगे। जबकि सीनियर कैटेगरी में खिलाड़ी कहीं भी हिस्सा ले सकेंगे। छात्र-छात्राओं के लिए अपने साथ आयु प्रमाण पत्र को लेकर अपना स्कूल का आईडी कार्ड साथ में लाना अनिवार है। जबकि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने को लेकर प्रत्येक खिलाड़ी 250 रूपया प्रति खिलाड़ी देना होगा। तीन दिवसीय बैडमिंटन टूनार्मेंट में पूरे बोकारो जिला में चास समेत बेरमो डिविजन के विभिन्न स्कूलों व क्लब के बालक व बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं।

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में तीन दिनों में चार लाख 75 हजार 659 श्रद्धालुओं ने किया जलापर्ण

उपायुक्त ने कंपोजिट कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण, दिए कई निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। लोग सावन शुरू होते ही बाबा भोलेनाथ को जलापर्ण करने पहुंच रहे हैं। गुरुवार को भी श्रद्धालुओं की सुबह से ही लंबी लाइन रही। लोग श्रद्धालु लाइन में लग कर जलापर्ण कर रहे है। जिला प्रशासन के अनुसार सावन की पहली सोमवारी से लेकर बुधवार तक चार लाख 75 हजार 659 श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ पर जलापर्ण किया है। वहीं, सावन मेले के सफल संचालन को लेकर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने बुधवार देर रात कंपोजिट कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया।

प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी को कई दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने कंपोजिट कंट्रोल रूम में वायरलेस डिवाइस, चैनल, रेंज सहित अन्य उपकरणों की पूरी जानकारी प्राप्त की तथा उसे बेहतर रूप से संचालित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कंपोजिट कंट्रोल रूम के भवन को लेकर संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही बाबा नगरी आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम जलार्पण और व्यवस्थित सुविधा को लेकर आवश्यक निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालु एक सुखद अनुभूति प्राप्त कर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करें। उन्होंने सीसीआर में प्रतिनियुक्त अधिकारियों से बात कर वहां के कार्यों की जानकारी ली तथा सीसीटीवी की मॉनिटरिंग को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि श्रावण मास में बाबा नगरी आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी हो रही है, इस दौरान श्रद्धालुओं की भेष में असामाजिक तत्वों भी घूमते रहते हैं, इसलिए सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से ऐसे लोगों पर कड़ी नजर रखें और लगातार माईकिंग के जरिए श्रद्धालुओं को सचेत और जागरूक करते रहें।

एक नजर

सिल्ली में युवक को सांप ने काटा समय पर इलाज से खतरे से बाहर

मुरी : गुरुवार को दोपहर बाद खेत से घर आने के दौरान सिल्ली निवासी जयदेव कोइरी, पिता ननाद कोइरी को वाटर स्नैक ने काट लिया। देर ना करते हुए वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली पहुंचे और इलाज कराया। स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर विवेक कुमार ने बताया कि घबराने की कोई बात नहीं है मामला खतरे से बाहर है। चिकित्सक ने कहा कि बरसात के मौसम में लोग सतर्क रहें जमीन पर ना सोए, झाड़ी में ना चले, घास फूस में पैर ना रखें, घर के आसपास साफ सुथरा रखें। सांप या कुत्ते के काटने पर ओझा गुनी के चक्कर में ना पड़े सीधे अस्पताल में आए।

सीएससी दिवस पर सीएससी संचालक को दिल्ली में किया गया सम्मानित

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड के सितु मिलन चौक के सीएससी संचालक अत्री कुमार पाण्डेय को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। बुधवार को देश के राजधानी नई दिल्ली में डिजिटल इंडिया के दस वर्ष पूर्ण होने पर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के गृह मंत्री अमित शाह, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव,मंत्री जितिन प्रसाद आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। वही सीएससी संचालक अत्री कुमार पाण्डेय के द्वारा हजारों नागरिकों को बीमा, एनपीएस, ऋण माफी आवेदन, पैन कार्ड, आधार सुधार का लाभ प्रदान किया गया। उन्होंने बैंक ऑफ इंडिया में दो हजार से अधिक नागरिकों के जन धन खाते खुलवाए है। इस दौरान उन्होंने 40 करोड़ रुपये से ज्यादा का लेन देन किया है। उनके इसी कार्य को देखते हुए उन्हें दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था और सम्मानित किया गया। उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए क्षेत्र के लोग बधाई दे रहे है।

आकाशीय बिजली के चपेट में आने से दो महिला की हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक ही समय दो अलग-अलग गांवों में धान रोपाई करते दो महिला की बज्रपात से मौके पर ही मौत हो गई। जिसमें छोटा चुनचुड़ीया गांव के 33 वर्षीय मंगली महतो एवं टीकर गांव के 40 वर्षीय सारथी गोप बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही ईचागढ़ एवं तिरूलडीह पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे एवं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार मृत दोनों महिलाएं अपने खेत में धान रोपाई कर रही थी,जहां भारी बारिश के साथ ठनका गिरने से दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ईचागढ़ थाना के एसआई विश्वजीत तिवारी ने बताया कि छोटा चुनचुड़ीया एवं टीकर में दो महिला की बज्र पात से मौत हो गई दोनों लाशों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई किया जा रहा है। वहीं पूर्व मुखिया भीष्म देव महतो ने आपदा प्रबंधन से दोनों मृतक के परिजनों को यथा शीघ्र मुआवजा देने का मांग किया है।

14 करोड़ की लागत से बना कॉलेज 7 साल से बंद, फर्नीचर सड़ रहा, पढ़ाई शुरू नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : खिजरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अनगडा प्रखंड बेडवारी स्थित मॉडल स्कूल के समीप डिग्री महिला कॉलेज का आधारशिला सन 2014 में रांची जिला पूर्व सांसद रामटहल चौधरी पूर्व विधायक राम कुमार पहान के द्वारा शिलान्यास किया गया था। जिसका लगभाग बजट 14 करोड़ था रांची जिला ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश साहू ने बताया कि यह महिला कॉलेज विगत 7 वर्ष पहले बनकर तैयार है लेकिन आज तक उद्धघाटन तक नहीं हुआ। जिसके कारण कॉलेज को चालू नहीं हो सका कारण यह है कि कॉलेज के बीचों बीच 33 हजार वोल्ट का तार गुजरा हुआ है। जिसको लेकर कई बार बिजली विभाग को लिखित शिकायत एवम खिजरी विधायक राजेश कच्छ प के द्वारा भी विधान सभा सत्र में भी इस

महिला डिग्री कॉलेज को लेकर आवाज बुलंद करने का भी काम किया गया। लेकिन खिजरी की जनता की दुर्भाग्य कि बात है कि कॉलेज बनकर तैयार यहां तक की छात्र छात्राओं के लिए टेबल कुर्सी की भी व्यवस्था हो चुका है। जो कि आज के समय में सरा समान कबाड़ की स्थिति हो गई है। मै झारखंड सरकार से मांग करता हूं कि जल्द से जल्द कॉलेज का उद्धघाटन कर पठन पाठन चालू किया जाय।

संक्षिप्त खबरें

वकी अस्पताल बना गरीबों का आसरा, डॉ. राजेश की मानव सेवा ने जीता दिल

सरिया : झारखंड के गिरिडीह जिले का सरिया, एक ऐसा शहर जहां सूरज ढलने के बाद मेडिकल सुविधाओं का अभाव लोगों के लिए चुनौती बन जाता है। शाम 4:00 बजे के बाद, गंभीर बीमारी या आपात स्थिति में मरीजों को 72 किलोमीटर दूर गिरिडीह या 62 किलोमीटर दूर हजारीबाग जाना पड़ता है। लेकिन इस अंधेरे में एक उम्मीद की किरण है—देवकी अस्पताल और इसके प्रेरणादायक चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार।सरिया में स्थित देवकी अस्पताल क्षेत्र के आम और गरीब लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित हो रहा है। यह अस्पताल न केवल स्थानीय लोगों के लिए एकमात्र विश्वसनीय स्वास्थ्य केंद्र है, बल्कि यह उन लोगों का भी सहारा है जो आर्थिक तंगी के कारण बड़े शहरों में इलाज नहीं करा सकते। सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं के साथ यह अस्पताल सरिया के लोगों के लिए वरदान बन चुका है। डॉ. राजेश कुमार: एक सच्चे मसीहा पटना जैसे बड़े शहर की चकाचौंध और सुविधाओं को छोड़कर डॉ. राजेश कुमार ने सरिया जैसे छोटे शहर में अपनी सेवाएं देने का फैसला किया। उनकी यह पसंद न केवल उनकी मानवता को दशार्ती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि वह समाज के सबसे कमजोर वर्ग की मदद के लिए कितने समर्पित हैं। डॉ. राजेश कुमार ने अपनी विशेषज्ञता और करुणा से न जाने कितने मरीजों को नया जीवन दिया है। उनके लिए चिकित्सा केवल पेशा नहीं, बल्कि एक मिशन है। डॉ. राजेश कुमार का सरिया में बसना और देवकी अस्पताल को गरीबों का सहारा बनाना एक ऐसी कहानी है जो हर किसी को प्रेरित करती है। जहां बड़े शहरों में चिकित्सा सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं, वहीं सरिया जैसे क्षेत्र में एक समर्पित डॉक्टर और अस्पताल का होना किसी चमत्कार से कम नहीं। डॉ. राजेश दिन-रात मरीजों की सेवा में लगे रहते हैं, और उनकी मेहनत ने सरिया के लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। सरिया के लिए उम्मीद की किरण देवकी अस्पताल और डॉ. राजेश कुमार की बदौलत अब सरिया के लोग आपात स्थिति में लंबी दूरी तय करने की मजबूरी से कुछ हद तक मुक्त हुए हैं।

मां के नाम एक पेड़ 2.0 अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : ईआईएसीपी पीसी हब, झारखंड के तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान एवं वन महोत्सव के अंतर्गत अनगड़ा प्रखंड के मंजियोर गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय, गोस्सनर कॉलेज एवं मासू ग्राम मध्य विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल दो सौ पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ईआईएसीपी पीसी हब, झारखंड के प्रोग्राम ऑफिसर सुमन समीर ने की। उन्होंने उपस्थित बच्चों और युवाओं को भारत सरकार की मिशन लाइफ लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट) पहल के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। समीर ने पौधारोपण की विधियों, स्थानीय जलवायु के अनुसार प्रजातियों के चयन, वनों के संरक्षण की आवश्यकता, पर्यावरणीय दबावों एवं ग्लोबल वार्मिंग से मौसम में हो रहे बदलावों की वैज्ञानिक जानकारी साझा की। साथ ही उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करें। आईएसपी पीसी हब के इनफॉर्मेशन ऑफिसर पंकज कुमार ने अपने वक्तव्य में भारत सरकार द्वारा 2047 तक नेट जीरो कार्बन एमिशन के लक्ष्य की ओर उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के वैश्विक प्रभावों और भारत के सतत विकास की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सरला बिरला विश्वविद्यालय की ओर से प्रोग्राम कॉर्डिनेटर डॉ. संजीव सिन्हा, प्रोग्राम ऑफिसर मेघा सिन्हा, डॉ साग्निका प्रधान, डॉ विजय कुमार साव, डॉ विकाश कुमार, डॉ बी.सी राउत उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को हर घर एक पेड़ का संकल्प दिलाया गया, जिसमें उन्होंने अपने आस-पास के लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प किया।

नहाने के क्रम में डूबे किशोर का 22 घंटे बाद मिला शव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर नई मुहल्ला स्थित निमियां अहरा में नहाने के क्रम में डूबकर लापता किशोर का शव 22 घंटे बाद बरामद किया गया। गुरुवार सुबह 9 बजे शव मिलने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। उल्लेखनीय है कि शाहपुर के लालगंज के 16 वषीर्या शाहीद उर्फ कारू खान, पिता फिरोज बुधवार सुबह 11 बजे अपने छह दोस्तों के साथ निमियां अहरा में नहाने के क्रम में डूबकर लापता हो गया था। मिट्टी में धंस जाने की संभावना जताई गई थी। स्थानीय गोताखोर और अन्य माध्यमों से शव खोजने की कोशिश की जा रही थी। नगर निगम से जेसीबी मंगाकर आहार के पानी को बहाया गया था। देर रात तक कुछ आता पता नहीं चल पाया था। गुरुवार सुबह शव आहार में दिखा। सूचना मिलने पर चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेजा। घटना के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है। शव मिलने के बाद वार्ड नंबर 31 की प्रथम पार्षद प्रमिला देवी प्रभावित परिवार से मिली और शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर से आपदा प्रबंधन के तहत मिलने वाली मुआवजा राशि दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना किसी भी परिवार के लिए काफी दुखद होता है। शाहिद की मां की मौत पहले ही हो चुकी है। पिता की मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहती। इस बीच शाहिद की असमय मौत होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

समाहरणालय, सिमडेगा (सामाजिक सुरक्षा कोषांग)

अधिसूचित सुरक्षा का स्थान

पत्रांक......................................./दिनांक.......................................

संविदा आधारित नियुक्ति हेतु सूचना

सिमडेगा जिले में अवस्थित अधिसूचित सुरक्षा का स्थान के सृजित पद समूहों के विरुद्ध समेकित बाल संरक्षण योजना (ICPS) के चिन्हित पदों के अनुसार संविदा के आधार पर कार्य करने हेतु इच्छुक एवं अहर्ताधारी व्यक्तियों से निम्नानुसार आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है।

क्र0सं0	पदनाम	पदों की संख्या	वित्त विभागीय संकल्प सं0–965/वि0 दिनांक–25.03.2009 एवं संकल्प सं0– 2176/वि0 दिनांक– 28.7.2015 के आलोक में निर्धारित संविदागत पारिश्रमिक राशि	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता
1.	शिक्षक	01	17640.00	स्नातक (डी0एल0एड/बीएड एवं टेट)
2	परिवीक्षा पदाधिकारी	01	28755.00	विधि स्नातक

1. वित्त विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक– 4569/वि0 दिनांक– 05.07.2002 में निहित शर्तों/प्रक्रिया, योजना–सह–वित विभाग एवं कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर निर्गत मार्ग–निर्देशों के आलोक में संविदा आधारित नियुक्ति की कार्रवाई की जायेगी।

(क) संविदा पर नियुक्ति की शर्तें :–

I. संविदा के आधार पर 01 वर्ष हेतु नियुक्ति की जायेगी। वार्षिक कार्य मूल्यांकन संतोषप्रद पाये जाने की स्थिति में आवश्यकतानुसार अनुबंध अवधि का विस्तार किया जायेगा।
ii. कार्य असंतोषजनक पाये जाने पर संविदा के आधार पर की गई नियुक्ति को एक माह के नोटिस पर समाप्त किया जा सकता है।
iii. संविदा के आधार पर नियुक्त कर्मियों का स्थाई नियोजन नहीं होगा बल्कि स्वीकृत मानदेय के विरूद्ध उन्हें कार्य करने के लिए अनुबंधित किया जायेगा।
iv. विभाग आवश्यकतानुसार विज्ञापन की शर्तों एवं पदों की संख्या में संशोधन करने के लिए स्वतंत्र होगा।
v. संविदा पर नियुक्त कर्मियों के मासिक पारिश्रमिक राशि के संबंध में योजना–सह–वित विभाग, झारखण्ड, राँची द्वारा जो भी निर्णय लिया जाएगा वह मान्य होगा।
vi. संविदा पर नियुक्त कर्मी को कैलेण्डर वर्ष के लिए राज्य कर्मियों के अनुसार आकस्मिक अवकाश देय होगा, किंतु वह किसी अन्य अवकाश के हकदार नहीं होंगे।
vii. संविदा पर नियुक्त कर्मी का पद स्थानान्तरणीय नहीं होगा।
viii. संविदा पर नियुक्त कर्मी के लिए राज्य कर्मियों की तरह आचार संहिता लागू होगा।

(ख) संविदा पर नियुक्ति की प्रक्रिया :–

i. संविदा आधारित नियुक्ति के नियमितिकरण के संबंध में किसी प्रकार का दावा अमान्य है। उपायुक्त संविदा आधारित पद धारकों के नियुक्ति प्राधिकार होंगे।
ii. चयनित अभ्यर्थियों द्वारा समर्पित सभी प्रमाण पत्रों का सत्यापन नियुक्ति के तीन माह के अंदर प्रमाण पत्र निर्गत करने वाली संस्थान से कराना सुनिश्चित किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों का पुलिस सत्यापन कराया जाएगा।
iii. संविदागत नियुक्ति की प्रक्रियात्मक कार्रवाई में चयन समिति की अनुशंसा पर उपायुक्त का अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(ग) चयन का मापदण्ड –

चयन में साक्षात्कार का प्रावधान नहीं होगा।
अभ्यर्थियों के शैक्षणिक योग्यता के निम्नांकित प्रत्येक स्तर पर प्राप्त अंक का प्रतिशत ज्ञात कर प्रारम्भिक मेधा सूची तैयार की जायेगी।

क0 सं0	पदनाम	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	मापदण्ड का प्रतिशतता				
			मैट्रिक	इन्टर	स्नातक	स्नातकोत्तर	कुल प्रतिशतता
01	शिक्षक	स्नातक (डी0एल0एड/बीएड एवं टेट)	30	30	40	–	100
02	परिवीक्षा पदाधिकारी	विधि स्नातक	30	30	40	–	100

उक्त एकल पद की रिक्ति में पाँच गुणा अभ्यर्थियों का चयन शीर्ष प्रारंभिक मेधा सूची के अनुसार किया जाएगा एवं उनका कम्प्यूटर हिन्दी एवं अंग्रेजी टाईपिंग जांच परीक्षा के लिए की जायेगी।

कम्प्यूटर हिन्दी एवं अंग्रेजी टाईपिंग में क्रमशः 20 एवं 30 शब्द प्रति मिनट शुद्धता सहित उत्तीर्ण होना आवश्यक है। कम्प्यूटर हिन्दी एवं अंग्रेजी टाईपिंग में किसी अंक की देयता नहीं है। टाईपिंग शुद्धता सहित उत्तीर्णता के आधार पर अंतिम मेधा सूची तैयार कर सदस्य सचिव द्वारा चयन समिति की अनुशंसा के लिए उपस्थापित की जाएगी। चयन समिति की अनुशंसा पर उपायुक्त द्वारा अनुमोदन प्राप्त कर संविदागत शर्तों/निर्धारित मानदेय सहित नियुक्ति आदेश निर्गत किया जाएगा।

2. **चयन के लिए उम्रसीमा :–**
आयु की गणना हेतु तिथि : 01/08/2024

कोटि	न्यूनतम आयु (वर्ष में)	अधिकतम आयु (वर्ष में)	दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए
अनारक्षित	21	35	40
अत्यंत पिछड़ा वर्ग/ पिछड़ा वर्ग		37	42
महिला अनारक्षित		38	43
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (पुरूष एवं महिला)		40	45

3. **आवेदन की प्रक्रिया :–**
इच्छुक उम्मीदवार संलग्न विहित आवेदन प्रपत्र के साथ निम्नांकित शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो की स्वअभिप्रमाणित प्रति समर्पित करेगें–
I. मैट्रिक अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र।
II. इन्टर अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र।
III. स्नातक अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र।
IV. स्नातकोत्तर अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र।
V. आवासीय प्रमाण–पत्र।
VI. जाति प्रमाण पत्र।
VII. अतिरिक्त वांछित शैक्षणिक योग्यता/डिप्लोमा प्रमाण पत्र।
4. विहित आवेदन प्रपत्र में प्राप्त करने की अंतिम तिथि...04.08.2025 है। (अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।
5. रिक्त एकल पद के लिए विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट से जिला बाल संरक्षण इकाई सिमडेगा,(सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय प्रथम तल) पिन कोड–835223 के पते पर भेजा जा सकता है।
6. नियुक्ति में झारखण्ड की नियुक्ति नियमावली लागू रहेगी।

नियुक्ति से संबंधित विस्तृत सूचना एवं विहित आवेदन प्रपत्र जिला बाल संरक्षण इकाई, सिमडेगा के सूचनाफलक पर प्रदर्शित किये जायेगें एवं सिमडेगा जिला के वेबसाइट www.simdega.nic.in पर उपलब्ध है।

PR 357558
Simdega(25-26).D

सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सिमडेगा। उप विकास आयुक्त, सिमडेगा। उपायुक्त, सिमडेगा।

राजकाज के साथ पितृसेवा में भी अग्रणी हैं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन : रविंद्र शांडिल्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड अलग राज्य आंदोलन के नेतृत्वकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड सह राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में बेहतर रूप में इलाजरत हैं और उनकी स्वास्थ्य में स्थिरता बनी हुई है मुख्यमंत्री झारखंड हेमंत सोरेन स्वयं उनकी सेवा में अनबरत पितृसेवारत पुत्र -धर्म निभा रहे हैं मुख्यमंत्री सोरेन झारखंड की 3.50 करोड़ झारखंड की जनता के ख्याल के साथ-साथ राजकाज के दायित्वों और कर्तव्यों का निर्वहन भी बखूबी से निभाते आ रहे हैं। उक्त बातें झारखंड अलग राज्य के चिन्हित आंदोलनकारी नेता सह पूर्व प्रत्याशी विधानसभा कोडरमा झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कही शांडिल्य ने कहा कि गुरु जी की इलाज में लगे चिकित्सों की टीम से मिलकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लिया। उन्होंने बताया कि गुरुजी (बाबा) के चार दशकों के झारखंड अलग राज्य की आंदोलन का एक दशक(1990-2000)का हिस्सा मैं भी रहा हूं गुरु जी के ही नेतृत्व और मार्गदर्शन में चलकर हम सबों को झारखंड अलग राज्य प्राप्त हुआ है। झारखंड की जनता को गुरुजी और लोकप्रिय मुख्यमंत्री झारखंड हेमंत सोरेन से बहुत बड़ी उम्मीद है। हालांकि मुख्यमंत्री सोरेन जनउम्मीदों की कसौटी पर लगातार खरा उतरते रहे हैं सोरेन के द्वारा जनता को केंद्र बिंदु में रखकर सरकारी कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रहे हैं जिससे उनकी सारी योजनाएं जनकल्याणकारी के रूप में धरातल पर उतर रही हैं और आज उसी का प्रतिफल है कि हेमंत सरकार की प्रत्येक योजनाएं मील का पत्थर के रूप में साबित हो रहा है। और जनता शत- प्रतिशत लाभान्वित हो रही है। शांडिल्य ने बताया कि दिल्ली स्थित न्यू झारखंड भवन में अपने चहेते नेता मुख्यमंत्री झारखंड से मुलाकात कर गुरुजी की तबीयत और बिहार राज्य के आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चर्चा किया।

उपायुक्त का कार्यालय, चतरा। जिला बाल संरक्षण इकाई, चतरा

–: आम सूचना :–

राधा कुमारी

परी

कलावती कुमारी

पिंकी कुमारी

संजु कुमारी

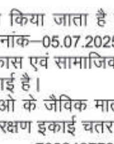

पुजा कुमारी

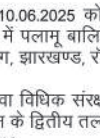

मीरा कुमारी

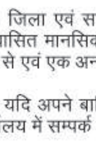

गीता कुमारी

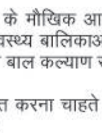

मीलन कुमारी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक–10.06.2025 को बैठक में मा0 जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मौखिक आदेश एवं बाल कल्याण समिति द्वारा निर्गत पत्र का पत्रांक–02/CWC दिनांक–05.07.2025 के आलोक में पलामू बालिका गृह में आवासित मानसिक रूप से अस्वस्थ्य बालिकाओं को जिसे विभागीय (झारखण्ड राज्य बाल संरक्षण संस्था, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड, रॉची) के आदेश से एवं एक अन्य बालिका जो बाल कल्याण समिति, गढवा के आदेश से बालिका आश्रय गृह, उंटा चतरा में आवासित की गई है।

उपरोक्त बालिकाओ के जैविक माता–पिता अथवा विधिक संरक्षक/रिश्तेदार यदि अपने बालिका को प्राप्त करना चाहते है तो बाल कल्याण समिति चतरा (सिविल कोर्ट के पीछे), या जिला बाल संरक्षण इकाई चतरा विकास भवन के द्वितीय तल्ला स्थित कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

दुरभाश संख्या– 7992497735, 7633942710
प्रकाशन कार्यालय– जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय, विकास भवन द्वितीय तल्ला, चतरा ।

निवेदक,
उपायुक्त, चतरा।

PR 357549 (Social Welfare,Women and Child Development) 25-26 (D)

पाकिस्तान में तख्ता पलटा तो...!

पाकिस्तान में सत्ता पलट की सुगबुगाहट होने लगी है। हमारा दूसरा पड़ोसी बांग्लादेश भी शांत नहीं है। यूं तो इन दोनों देशों में इस तरह की हलचल का जुलाई में होने वाली ऐतिहासिक घटनाओं से कोई नाता नहीं है, फिर भी कुछ को याद करना चाहिए। वर्ष 1658 में जुलाई की पांच तारीख थी, जब मुगल शासक औरंगजेब ने अपने बड़े भाई मुराद बख्श को बंदी बना लिया था। वह शाहजहां के बीमार पड़ने के बाद सत्ता की लड़ाई का नतीजा था। मथुरा के पास बंदी बनाया गया मुराद बख्श आगरा में कैद कर रखा गया। बाद में 1661 में उसकी मौत हो गई थी। यह घटना बहुत पुरानी है। तख्ता पलट के ताजा मामले पाकिस्तान में हुए हैं। बात जुलाई की हो रही है, तो 1977 में इसी महीने की पांच तारीख को ही जुल्फिकार अली भुट्टो को सत्ता से हटाकर जनरल जिया उल हक ने कब्जा कर लिया था। ऐसा करने वाले वे चौथे सैनिक तानाशाह थे। हालांकि वे 11 साल तक सत्ता में बने रहे और एक रहस्यमयी विमान दुर्घटना में मारे गये। इतिहास की ये घटनाएं पाकिस्तान में ताजा हलचल के बीच याद की जा रही हैं।

खबरें साफ होने लगी हैं कि पाकिस्तान फिर सत्ता के खिलाफ साजिश के दौर से गुजर रहा है। आतंकवाद के विरुद्ध पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के बाद वहां सब कुछ सामान्य नहीं है। आतंकवादियों को संरक्षण देने वाली पाकिस्तान की छवि इस ऑपरेशन के बाद और भी स्पष्ट हुई है। यह अकारण नहीं है कि जुल्फिकार अली भुट्टो के नवासे और बेनजीर भुट्टो के बेटे बिलावल भुट्टो ने कुछ दिन पहले ही हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकियों को भारत को सौंपने की जरूरत बताई थी। ये चेहरे दुनियाभर में, खासकर भारत के खिलाफ आतंकवाद के बड़े सरगना हैं। बिलावल ने यह जरूरत क्यों बताई और इसके पीछे उनके वालिद और पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को बचाने की मंशा है, इस पर चर्चा चल सकती है। वैसे पिता-पुत्र के रिश्ते भी चर्चा से बाहर नहीं हैं। जो भी हो, राष्ट्रपति को बचाने के प्रयास का चर्चा में आना अस्वाभाविक नहीं है। इसे सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर और राष्ट्रपति जरदारी के बीच तनाव की खबरों से भी जोड़कर देखा जा सकता है। जनरल मुनीर जिस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ लंच के भागीदार बने, तभी से अमेरिका के पाकिस्तान की सत्ता में फिर से रुचि बढ़ने के कयास लगने लगे थे। अब जनरल ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात कर नई चर्चा को हवा दी है। कहते हैं कि जनरल फिलहाल पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को साथ रखना चाहते हैं। इसी योजना के तहत दोनों की मुलाकात हुई है।

वैसे जरूरत पड़ने पर मुनीर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भी किनारे लगा सकते हैं। जहां तक पाकिस्तानी अवाम का सवाल है, भारत की सैन्य कार्रवाई के दौरान उसे लगता है कि पाकिस्तानी सेना को वहां के राष्ट्रपति की ओर से 'खुले हाथ' नहीं रखा गया। वैसे मुनीर ने भी कम डींगे नहीं हांकीं, फिर भी 'कौन अधिक झूठा' की लड़ाई जोरों पर है। देखना है कि यह लड़ाई तख्तापलट तक कैसे पहुंचती है। ऐसा हुआ तो यह आधिकारिक रूप से पाकिस्तान में पांचवां तख्तापलट होगा। ऐसा हुआ तो निश्चित ही भारत का इस पड़ोसी के साथ रिश्ता एक बार और नये सिरे से देखा जायेगा। इतिहास में तख्तापलट शब्द का पहली बार प्रयोग 19वीं सदी में हुआ था। उस वक्त अमेरिका, पुर्तगाल, स्पेन और लैटिन को तख्तापलट का सामना करना पड़ा। तख्तापलट क्या होता है, यह भी जानना जरूरी है। यह वो परिस्थिति है जब किसी देश की सेना, अर्धसैनिक बल या फिर विपक्षी पार्टी वर्तमान सरकार को हटाकर खुद सत्ता पर काबिज हो जाती है। सैन्य तख्तापलट में सेना सरकार को हटाकर एक दिखावटी असैन्य सरकार स्थापित कर देती है। पाकिस्तान कई बार तख्तापलट देख चुका है। पहला तख्तापलट 1953-54 में हुआ था। इस दौरान तत्कालीन गवर्नर-जनरल गुलाम मोहम्मद ने प्रधानमंत्री ख्वाजा नजीमुद्दीन की सरकार को बर्खास्त कर दिया था। दूसरा तख्तापलट 1958 में हुआ, जब तत्कालीन राष्ट्रपति मेजर जनरल इस्कंदर अली मिर्जा ने संविधान सभा और तत्कालीन फिरोज खान नून की सरकार को बर्खास्त कर दिया। 1977 में सेना प्रमुख जनरल जियाउल हक के नेतृत्व में तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की सरकार गिराई गई थी। चौथा तख्तापलट 1999 में सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ ने किया था।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है।

देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति 'विकास' की बजाय 'विरोध' पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर 'तानाशाही', 'संविधान बदलने की साजिश', 'जनविरोधी नीतियों' जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं।

क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

शिक्षक : ज्ञान के वाहक या वैचारिक प्रचारक?

संजय सक्सेना

बरेली के महात्मा गांधी मेमोरियल इंटर कॉलेज में हिंदी के शिक्षक डॉ. रजनीश गंगवार द्वारा पढ़ी गई कविता "तुम कांवड़ लेने मत जाना" पर मचा बवाल सिर्फ एक कविता पर विवाद नहीं है, बल्कि यह भारत में धार्मिक आस्था, शिक्षा, तर्क और अभिव्यक्ति की आजादी के बीच खिंची उस लकीर का उदाहरण है जो आज की तारीख में लगातार गहरी होती जा रही है। यह मामला दिखाता है कि आज के समय में शिक्षक, विद्यार्थी, समाज और राजनीति के बीच की संवेदनशील रेखाएं कितनी धुंधली होती जा रही हैं। कविता का मूल भाव यदि देखा जाए, तो छात्रों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करना था। लेकिन जिस रूप में यह बात कही गई, उसमें धार्मिक प्रतीकों का प्रयोग इस तरह किया गया कि मामला श्रद्धा और तिरस्कार के बीच फंस गया। कविता की पंक्तियां थीं, कांवड़ ढोकर कोई डीएम, एसपी नहीं बना है। भांग, धतूरा, गांजा, सुल्फा मद से कोई उद्धार नहीं हुआ है। तुम कांवड़ लेने मत जाना, ज्ञान का दीप जलाना। शब्दों की गहराई को देखें तो यह सिर्फ सलाह नहीं, बल्कि कटाक्ष था। 'कांवड़', 'गांजा', 'धतूरा', 'सुल्फा' जैसे शब्दों का संयोजन उस धार्मिक परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगाता है जो करोड़ों लोगों के लिए एक श्रद्धा है। कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव भी है। इसमें सामूहिकता, अनुशासन, सेवा और संकल्प का भाव होता है। ऐसे में जब एक शिक्षक इसे इस तरह चित्रित करता है कि जैसे यह सिर्फ नशे और फालतूपन का प्रतीक है, तो समाज के एक बड़े हिस्से में आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

कविता के पक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि शिक्षक ने बच्चों को शिक्षा की ओर प्रेरित करने के लिए यह उदाहरण दिया। लेकिन क्या प्रेरणा देने के लिए धार्मिक परंपराओं को नीचा दिखाना जरूरी हो जाता है? क्या कोई शिक्षक यह नहीं कह सकता था कि 'शिक्षा ही सर्वोत्तम साधना है' या 'ज्ञान का मार्ग ही सफलता का मार्ग है' बिना किसी धर्म, परंपरा या भावना पर कटाक्ष किए? जब बात शिक्षा की होती है, तो तटस्थता सबसे जरूरी तत्व बन जाती है। एक शिक्षक का हर शब्द विद्यार्थियों पर गहरा प्रभाव डालता है, ऐसे में उसकी बातों में संतुलन और संवेदनशीलता दोनों होनी चाहिए।

इस कविता की सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि इसका संदर्भ भले ही शिक्षा था, लेकिन भाषा और प्रतीकों की वजह से यह सीधे धर्म से टकरा गई। और जब मामला धर्म बनाम शिक्षा में तब्दील होता है, तो वह केवल कक्षा तक सीमित नहीं रह जाता। फिर वह समाज की सड़कों पर उतर आता है। यही इस मामले में हुआ। सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी, एफआईआर दर्ज हुई, शिक्षक को सस्पेंड किया गया और मामला राजनीतिक रंग में रंग गया। यहां यह सवाल उठता है कि क्या हमारे शिक्षक शिक्षा के नाम पर वैचारिक प्रचार कर रहे हैं? क्या यह कविता केवल छात्रों के लिए प्रेरणादायक थी या किसी गहरे वैचारिक आग्रह की परिणति थी? डॉ. गंगवार का अतीत अगर देखा जाए तो वे एक समय एबीवीपी से जुड़े रहे हैं, लेकिन उनकी कविता उस विचारधारा से मेल नहीं खाती। बल्कि उन्होंने जिस प्रकार की भाषा और प्रतीक का इस्तेमाल किया, वह उन्हीं लोगों की धार्मिक परंपराओं पर कटाक्ष करती है जिनके बीच वे पहले खड़े रहे थे। इसलिए एबीवीपी ने भी तुरंत उन्हें निलंबित कर दिया। यह विरोधाभास इस बात का संकेत है कि शिक्षा के क्षेत्र में अब केवल ज्ञान नहीं, विचारधारा भी प्रवेश कर चुकी है।

भारत जैसे देश में, जहां धर्म केवल आस्था का नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का हिस्सा है, वहां किसी धार्मिक परंपरा को इस प्रकार नकारात्मक रूप में दिखाना केवल विवाद नहीं, बल्कि सामाजिक विभाजन को गहरा करना है। यह विभाजन दो ध्रुवों में बंटता जा रहा है एक ओर वे लोग हैं जो तर्क, वैज्ञानिक सोच और शिक्षा को सर्वोपरि मानते हैं और दूसरी ओर वे हैं जो परंपरा, आस्था और धार्मिकता को अपनी पहचान का मूल मानते हैं। लेकिन क्या यह जरूरी है कि ये दोनों विचारधाराएं एक-दूसरे की विरोधी हों? क्या हम ऐसा समाज नहीं बना सकते, जहां एक बच्चा शिवभक्त भी हो और वैज्ञानिक सोच वाला भी? क्या वह कांवड़ भी उठा सकता है और आईएएस भी बन सकता है? भारत का इतिहास तो यही कहता है कि यहां धर्म और ज्ञान साथ चलते हैं।

इस पूरे विवाद में एक और पहलू जो ध्यान देने लायक है, वह है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का। डॉ. गंगवार ने माफीनामा जारी कर कहा कि उनका उद्देश्य किसी धर्म का अपमान नहीं था। लेकिन भारत का संविधान भी यही कहता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निरंकुश नहीं हो सकती। अनुच्छेद 19(2) के तहत, यह स्वतंत्रता कुछ सीमाओं के भीतर ही स्वीकार्य है, जिनमें सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और दूसरों की भावनाएं शामिल हैं। एक शिक्षक को यह समझना चाहिए कि वह कक्षा में जो कहता है, वह केवल विचार नहीं, बल्कि मूल्य बनकर विद्यार्थियों के मन में बस जाता है। इसीलिए शिक्षकों के शब्दों में विशेष जिम्मेदारी होनी चाहिए। वे अगर कुछ कहना भी चाहते हैं, तो उसमें कटाक्ष नहीं, सहमति और संतुलन होना चाहिए।

राजनीतिक प्रतिक्रिया ने भी इस मामले को और जटिल बना दिया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डॉ. गंगवार के समर्थन में बयान दिया और कहा कि एक शिक्षक बच्चों को ज्ञान की बात कर रहा है, उसके खिलाफ एफआईआर करना असहिष्णुता है। यह बात एक सीमित नजरिए को दशार्ती है। सवाल यह है कि अगर यही कविता किसी अन्य धर्म की धार्मिक यात्रा पर होती, तो क्या यही समर्थन होता? क्या यही लोग तब भी खड़े होते? यह दोहरा मापदंड भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राजनीतिक एजेंडे को उजागर करता है।

यह विवाद एक आईना है, जिसमें भारत की शिक्षा व्यवस्था, धार्मिक सहिष्णुता और राजनीतिक हस्तक्षेप तीनों को साफ देखा जा सकता है। शिक्षक अब केवल पढ़ाने वाले नहीं रह गए, वे अब विचारधारा का माध्यम भी बनते जा रहे हैं। यह स्थिति खतरनाक है। अगर कक्षा में ज्ञान के स्थान पर तिरस्कार परोसा जाने लगे, तो भविष्य का समाज असंतुलित और बंटा हुआ होगा। यह घटना हमें चेतावनी देती है कि हमें अपने शिक्षकों को केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि संवेदनशील विचारक बनाना होगा। उन्हें यह सिखाना होगा कि कैसे वे विद्यार्थियों को प्रेरित करें बिना किसी विश्वास या परंपरा को नीचा दिखाए। शिक्षा का काम बच्चों को सोचने की क्षमता देना है, न कि उन्हें किसी खास दिशा में मोड़ना। अगर शिक्षक अपनी बात को कहने के लिए किसी समुदाय की आस्था पर हमला करेगा, तो वह शिक्षक नहीं, प्रचारक कहलाएगा।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि 'तुम कांवड़ लेने मत जाना' जैसी कविताएं अगर छात्रों को पढ़ाई की ओर ले जाती हैं, तो उसकी भाषा ऐसी होनी चाहिए जिसमें न व्यंग्य हो, न तिरस्कार। भारत जैसे विविधताओं वाले देश में संतुलन ही सबसे बड़ा धर्म है। शिक्षक अगर इस संतुलन को नहीं साध सके, तो फिर कौन साधेगा? इस मामले में केवल शिक्षक नहीं, पूरा समाज कठघरे में है। हमें यह तय करना होगा कि शिक्षा को कैसे एक ऐसी भूमि बनाई जाए जहां सभी विचार, सभी विश्वास, और सभी रास्ते साथ चल सकें। यही भारतीयता है, यही भारत की आत्मा है।

सूडोकु नवताल - 7494

सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7493 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव : निवेश के लिए "हाड़तोड़ मेहनत"

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन दिनों स्पेन के प्रवास पर हैं। वे वहां लगातार निवेशकों से मिल रहे हैं और राज्य के लिए आर्थिक क्षेत्र से जुड़ी क्या नवीनतम संभावनाएं हो सकती है, इसके लिए अपनी तलाश जारी रखे हुए हैं। एक तरह से उनके इस विदेश प्रवास को समीक्षा के रूप में देखें तो पिछले प्रवासों की तरह ही यह प्रवास भी विशेष है। हो सकता है कि कुछ आलोचक उनके इन सकारात्मक प्रयासों में भी कमियां निकालने का प्रयास करें, किंतु इससे सच नहीं बदलनेवाला, और सत्य यही है कि पिछले अल्प समय के अपने कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेश क्षेत्र में भी एक नई लकीर खींचने में सफल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। तब से अब तक उन्हें इस पद पर रहते हुए एक साल सात माह बीत चुके हैं। यानी कुल 19 माह के इनके कार्यकाल के दौरान राज्य ने निवेश के क्षेत्र में बहुत कुछ पाया है। यह डॉ. मोहन यादव के ही प्रयास हैं जो आज इंदौर-खंडवा रेल कॉरिडोर को एनओसी मिल चुकी है, जिससे लॉजिस्टिक्स और उद्योगों को गति मिलेगी। रियल एस्टेट में बुनियादी सुविधाओं (जल, बिजली, परिवहन) की गारंटी दी गई है और 18 सेक्टरों के लिए निवेश-परक नीतियाँ लागू हुई हैं। इसी कड़ी में भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2025 का परिणाम देखें तो कुल ₹26.61 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव सामने आए। इनमें भोपाल संभाग में अकेले ₹5.82 लाख करोड़, इंदौर व उज्जैन में ₹4.76-4.77 लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव थे। इस समिट से लगभग 13-17 लाख तक नौकरियाँ पैदा होने की संभावना व्यक्त की गई। अब तक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के 10 संभागीय मुख्यालयों में से आठ संभागीय केंद्रों पर 'निवेश सम्मेलनों' का आयोजन किया जा चुका है। जिसमें कि सागर में ₹7,820 करोड़ के निवेश प्रस्तावों का सामने आना हुआ और अनुमान इससे 8,000 नौकरियों का है। इसी साल अप्रैल माह में जब इंदौर में मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 आयोजित हुआ तो उसमें 2,815 करोड़ के आधारभूत प्रोजेक्ट लॉन्च की घोषणा हुई, जिसमें 1,696 करोड़ रुपए तकनीकी क्षेत्र के और ₹1,119.5 करोड़ गैर-टेक सेक्टर के निवेश थे। यहां कुल राशि 20,000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 75,000 नौकरियाँ सृजित होने की उम्मीद जताई गई। उज्जैन के लिए ₹30,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिलने के साथ 15,000 नौकरियां पैदा होने की बात सामने आई। जबलपुर में यह आंकड़ा राशि 10,570 करोड़ और रोजगार मिलने की संभावना 9,000 से अधिक लोगों के बीच देखी गई। रीवा में हुए सम्मेलन में तुरंत ही ₹3,200 करोड़ लगाए जाने के निवेश आंकड़े सामने आए तथा 4,000 नए रोजगार उपलब्ध हो जाने की बात उजागर हुई।

डाकुओं की भूमि के रूप में जिसका नाम देश भर में बदनाम है, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव उस चंबल-मुरैना के क्षेत्र में निवेश सम्मेलन करते हैं तो वहां भी राशि 5,110 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्रदेश सरकार को प्राप्त होते हैं और तत्काल ही 6,000 लोगों को नौकरियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। इसी तरह से शहडोल जैसे छोटे संभागीय कंद्र को भी देख सकते हैं, जहां ₹2,150 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले और तुरंत ही 2,500 से अधिक लोगों को सीधा रोजगार देना तय हुआ। कुल आंकड़े इन निवेश सम्मेलनों के देखें तो सामने आया है कि निवेश प्रस्ताव लगभग ₹91,250 करोड़ से अधिक के और अनुमानित रोजगार लगभग 1 लाख 29 हजार 500 नौकरियों का है। इसी तरह से पंजाब (लुधियाना) में 15,606 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले, जिससे लगभग 20,000 नौकरियाँ सृजित होने की संभावना है। बेंगलुरु रोडशो में लगभग 7,935 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव, 19,000 नौकरियों की संभावित सृजन हुआ है।

वस्तुतः मप्र आज कैसे बदल रहा है, इस संबंध में अभी हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का एक वक्तव्य पढ़ने को मिला, जिसमें उन्होंने बताया कि करीब 20 साल पहले प्रदेश पानी, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा था, जबकि आज दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चलाने के लिए बिजली की आपूर्ति कर रहा है। जल्द मध्य प्रदेश की भी 'मेट्रो सिटी' की अवधारणा साकार होने जा रही है। राज्य ने अब तक लगभग 5 लाख किलोमीटर सड़कें बनाई हैं। जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब विकसित किए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और सागर में 582 इलेक्ट्रिक बसें चलने जा रही हैं। यहां मुख्यमंत्री यादव स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रयुक्त जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित 257 परियोजनाओं का जिक्र करते हैं। साथ ही यह भी बताते हैं कि कैसे औद्योगिक विकास के साथ-साथ मल्टीमॉडल परिवहन से लेकर झील संरक्षण और स्मार्ट कमांड सेंटर तक, हर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मप्र में काम शुरू हुआ है।

अभी का जो मुख्यमंत्री मोहन यादव का विदेश दौरा है, उसी में कई अहम अंतरराष्ट्रीय व घरेलू निवेश योजनाओं से जुड़े अनुबंध हुए हैं। उनके यूएई दौरे के दौरान मध्य प्रदेश व यूएई के बीच आर्थिक साझेदारी और व्यापार सहयोग पर सहमति बनी है।

दैनिक पंचांग

18 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

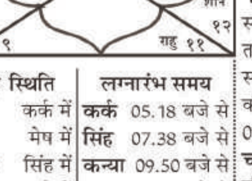

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.18 बजे से
चंद्र	मेष में	सिंह	07.38 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.50 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.01 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.15 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.31 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.36 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.23 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.56 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	मेष	23.26 बजे से
		वृष	01.06 बजे से
		मिथुन	03.04 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 199 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 17.02 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 02.14 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 06.48 बजे तदनन्तर धृति 03.56 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 06.08 बजे, कौलव 17.02 बजे तदनन्तर तैतिल 03.54 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21°01' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872409 **जूलियन दिन** 2460874.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

चास प्रखंड के तलगड़िया गांव में युवक ने की आत्महत्या

बोकारो : चास प्रखंड अंतर्गत तलगड़िया के बाबूडीह गांव निवासी 24 वर्षीय चांद बाबू दास, पिता राजकुमार दास, ने गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे रेल से कटकर आत्महत्या कर ली। चांद बाबू दास बाबूडीह थाना (ओपी) अमलाबाद क्षेत्र का रहने वाला था। घटना अमलाबाद और बाबूडीह रेलवे फाटक के बीच हुई। मृतक ने आत्महत्या जैसा गंभीर कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। सूचना मिलते ही रेलवे और अमलाबाद थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जेएलकेएम महिला मोर्चा का विस्तारपम्मी देवी बनी अध्यक्ष

खूंटी : खूंटी (जेएलकेएम) की गुरुवार को हुई बैठक में महिला मोर्चा का विस्तार किया गया। इसमें पम्मी देवी को जिला अध्यक्ष बनाया गया, जबकि प्रखण्ड एसटी महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी रीना लकड़ा को दी गई। साथ ही महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुदामनी देवी, महिला मोर्चा खूंटी प्रखण्ड अध्यक्ष मुनकी देवी को बनाया गया। इसके अलावा कार्य समिति सदस्य के रूप में नीलम झा, गुंजन कुमारी, गोमा कुमारी, गीता देवी को शामिल किया गया है। मौके पर ग्रामीणों ने बिजली ट्रांसफार्मर , सड़क सहित अन्य समस्याओं से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। अभियान में जिला अध्यक्ष कुमार ब्रजकिशोर, जिला महासचिव विक्रम महतो, उपाध्यक्ष बजरंग साहू, जिला मीडिया प्रभारी मुन्ना कुमार, जिला संगठन महामंत्री विश्वकर्मा उरांव, बिरेंद्र लुगुन, हर्षित पांडे, राहुल कुमार, सोहराय पहान, संतोष राम सहित अन्य शामिल थे।

फायरिंग का खुलासा तीन युवक हथियार के साथ गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : भुइयांडीह मटन दुकान के पास हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों में समीर जाना, विजय तिवारी उर्फ गोलू और अभिषेक कुमार सिंह शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से दो देशी कट्टा, एक जिंदा गोली, दो खोखा, एक मोटरसाइकिल और एक एंड्राइड मोबाइल फोन बरामद किया है। गुरुवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना की शुरुआत पीड़िता रितु लोहार की शिकायत से हुई। जांच के दौरान समीर जाना को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने टकलू लोहार के बेटे प्रिंस लोहार को धमकाने और उसकी पत्नी रितु लोहार पर फायरिंग करने की बात कबूल की। पूछताछ में सामने आया कि घटना के समय उसका साथी अभिषेक कुमार सिंह भी एक देशी कट्टा लेकर मौजूद था। फायरिंग के बाद दोनों आरोपित मौके से एक चोरी के बाइक से भागकर टेल्को पहुंचे और हथियार तथा गोली अपने दोस्त विजय तिवारी उर्फ गोलू को छिपाने के लिए दे दिए। फायरिंग के बाद का खोखा अभिषेक कुमार सिंह के पास ही रखा गया था। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और पूरे मामले की तफ्तीश जारी है।

भूमि अधिग्रहण और एनओसी से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करें : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : आधारभूत संरचनाओं, एफआरए, भूअर्जन तथा विभिन्न परियोजनाओं को लेकर गुरुवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। भारतमाला परियोजना, राष्ट्रीय राजमार्ग 33, रेलवे सहित अन्य सड़क निर्माण संबंधित योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पैकेजवार मुआवजा भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उपायुक्त ने कार्यो में तेजी लाने का निर्देश दिया वही संबंधित क्षेत्रों के अंचल अधिकारियों को मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया संबंधित ग्राम सभा के आयोजन सहित अन्य प्रक्रियाएं पूरी करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग, जुडको, पीवीयूएनएल, सहित अन्य परियोजनाओं के अधिकारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए एफआरए, एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों की जानकारी लेने के उपरांत जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए उनके निष्पादन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने अंचलवार अंचल अधिकारियों से उनके उनके क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में भूमि सहित अन्य मामलों के तहत हो कार्यों की जानकारी लेने के उपरांत मामलो पर कार्रवाई करते हुए ससमय उनका निष्पादन करने का निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी परियोजनाओं के अधिकारियों को किए जा रहे कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं से जिला प्रशासन को नियमित रूप से अवगत कराने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता रामगढ़, भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला भूअर्जन पदाधिकारी, नजारत उप समाहर्ता, विभिन्न परियोजनाओं के महाप्रबंधक, जिला स्तरीय अधिकारियों, अंचल अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

हजारीबाग के क्रिकेट ग्राउंड का बीसीसीआई टीम ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : गुरुवार को हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के लिए एक ऐतिहासिक दिन रहा। जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की एक उच्च-स्तरीय टीम ने हजारीबाग क्रिकेट ग्राउंड का गहन निरीक्षण किया। इस दौरे से जिले में बड़े क्रिकेट मैचों की मेजबानी की उम्मीदें बढ़ गई हैं। बीसीसीआई के क्रिकेट ऑपरेशन मैनेजर अमित सिद्धेश्वर और झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के अधिकारी राजेश वर्मा एवं राजू ने संयुक्त रूप से मैदान का दौरा किया। हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के सचिव राजेश तिवारी के नेतृत्व में संघ के सभी सदस्यों ने बीसीसीआई टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें ग्राउंड की सुविधाओं से बारीकी से अवगत कराया। बीसीसीआई की टीम ने निरीक्षण के दौरान स्व.संजय सिंह क्रिकेट ग्राउंड के मैदान की सभी महत्वपूर्ण सुविधाओं का जायजा लिया। जिसमें चारों टर्फ विकेट और प्रैक्टिस पिच, साइड स्क्रीन और खिलाड़ियों के बैठने के लिए बने डगआउट, आधुनिक फ्लड लाइट्स, पवेलियन के ऊपर ऑफिशियल्स के लिए बने कमरे, मैदान के रखरखाव के लिए उपलब्ध सभी उपकरण,विशेष रूप से खिलाड़ियों के ड्रेसिंग रूम का बारीकी से निरीक्षण किया गया और कुछ आवश्यक निर्देश भी दिए गए। ग्राउंड निरीक्षण के बाद बीसीसीआई की टीम ने हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सह हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल से उनके आवास पर मुलाकात की। टीम ने राज्य स्तरीय मैदान तैयार करने में उनके अथक प्रयासों और सहयोग के लिए अध्यक्ष मनीष जायसवाल को धन्यवाद दिया और उनके प्रयासों की सराहना की। इसके बाद खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए टीम ने शहर के चार होटलों का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

बरकाकाना ओपी क्षेत्र में मो. सऊद हत्याकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : 6 जुलाई मुहर्रम के शाम को मो० सयूब अंसारी के द्वारा अपने पुत्र सऊद, उम्र 24 वर्ष के गुम हो जाने के संबंध में जब 08 जुलाई को बरकाकाना ओ०पी० में एक आवेदन दिया गया,तब जाँच के क्रम में 11जुलाई को ग्राम पीरी स्थित अमान अंसारी के बन्द पड़े चिमनी ईट भट्ठा के डग से गुम हुये सऊद के लाश को बरामद किया गया। मृतक के पिता मो० सयूब अंसारी के द्वारा अपने पुत्र की हत्या कर उसके शव को अमान अंसारी के चिमनी ईटभट्टा के डग में छुपाने के आरोप में नामजद अभियुक्तों के विरुद्ध पतरातु थाना में मामला दर्ज कराया गया। घटना को गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अजय कुमार पतरातु गौरव गोस्वामी, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा के नेतृत्व में एक विशेष दल का गठन किया गया। गठित दल के द्वारा अनुसंधान के क्रम में 13 जुलाई को हत्यारा आफताब अंसारी से सख्ती से पुछताछ किया गया, जिसमें उसके द्वारा अपने अपराध को स्वीकार करते हुए पूरी घटना की जानकारी दे दी।

आग से सुरक्षा को लेकर बच्चों को किया गया जागरूक, घर तक पहुंचाने का संदेश

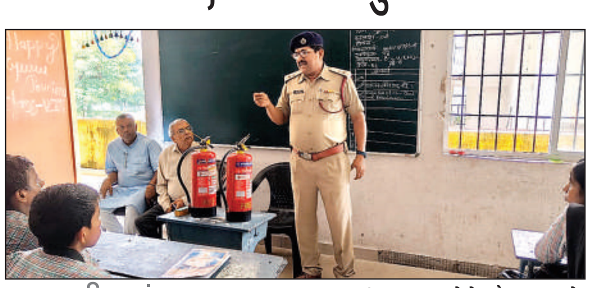

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : गुरुवार को स्थानीय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मालवीय मार्ग, हजारीबाग में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त हेतु अधिष्ठान अग्नि शमन अधिकारी माननीय शैलेंद्र किशोर जी द्वारा विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया गया साथ ही कक्षा अष्टम के भैया /बहनों के साथ अधिष्ठान अग्निशमन पदाधिकारी शैलेंद्र किशोर ने अग्निशमन की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आग की दुर्घटना से किस प्रकार रोकथाम किया जाए तथा उससे किस प्रकार बचा जाए इस निमित विस्तृत जानकारी उन्होंने प्रदान किया। उन्होंने भैया बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि रसोई घर में भोजन निर्माण का काम समाप्त हो जाने के पश्चात गैस सिलेंडर का नॉब सर्वप्रथम बंद करने की आवश्यकता है तत्पश्चात गैस चूल्हे का नॉब बंद करना चाहिए। उन्होंने इस बात की जानकारी घर में अपने माता-पिता को निश्चित रूप से देने का सलाह दिया ताकि किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के माननीय सचिव ज्ञानचंद प्रसाद मेहता एवं प्रधानाचार्य संजीव कुमार झा की गरिमामय उपस्थिति रही।

दो दर्दनाक घटनाओं पर मुन्ना सिंह ने जताया दुख, निष्पक्ष जांच की रखी मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने गुरुवार को जिले में हुई दो अत्यंत दुःखद और चिंताजनक घटनाओं पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने इन घटनाओं को केवल व्यक्तिगत क्षति नहीं, बल्कि सामाजिक और प्रशासनिक चेतना के लिए चुनौती करार देते हुए जिला प्रशासन से दोनों ही मामलों में त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की। सिंह ने सर्वप्रथम हजारीबाग के जबरा मोहल्ले पहुँचे, जहाँ उन्होंने हाल ही में दिवंगत हुए स्वर्गीय प्रदीप प्रसाद के निवास पर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने परिवारजनों को ढांढस बंधाया और कहा कि प्रदीप जी की असमय मृत्यु न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि इस घटना की गहराई से जांच होनी चाहिए ताकि अगर इसमें किसी भी प्रकार की साजिश या लापरवाही सामने आती है, तो दोषियों को कठोर दंड मिल सके। इसके पश्चात मुन्ना सिंह सदर प्रखंड के डंडाई गांव पहुँचे, जहाँ उन्होंने सेवानिवृत्त सैनिक स्वर्गीय अर्जुन सिंह के आकस्मिक निधन पर शोक प्रकट किया। उन्होंने इसे एक अत्यंत दुखद और गंभीर घटना बताया और कहा कि जिस व्यक्ति ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष देश की सेवा में समर्पित किए, उसकी मृत्यु यदि संदिग्ध परिस्थितियों में होती है, तो यह केवल एक व्यक्तिगत क्षति नहीं बल्कि राष्ट्रीय संवेदनशीलता का विषय है। उन्होंने माँग की कि प्रशासन इस घटना की निष्पक्षता के साथ विवेचना करे और यदि यह कोई सोची-समझी साजिश या अपराध है, तो दोषियों को तत्काल गिरफ़्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाया जाए। सिंह ने दोनों परिवारों को भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी संकट की इस घड़ी में उनके साथ खड़ी है केवल भावनात्मक रूप से नहीं, बल्कि न्याय की लड़ाई में भी।

पंचमंदिर हजारीबाग की शान है, इसे भव्य बनाएं : जयशंकर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : गुरूवार को झारखंड राज्य न्यास के अध्यक्ष जयशंकर पाठक पंचमंदिर पहुंचे और उन्होंने पूरा परिसर भीतर और बाहर मुआयना किया। कहा कि 125 साल पुराना पंचमंदिर हजारीबाग की शान है। राज्य के पुराने मंदिरों में यह एक किसी धरोहर से कम नहीं है। यह इतनी मजबूती और भव्य स्वरूप पंचमंदिर लिये हुए है कि हिन्दु धर्मावलंबियों की यह शान है। कहा कि इस मंदिर के जरिये सांस्कृतिक केन्द्र बने हर तरह का धर्म उत्सव, कभी भागवत कथा तो कभी धा?मक आयोजन हों। कहा कि मंदिर की आय से अन्य राज्यों में बड़े- बड़े अस्पताल और शिक्षण संस्थान चल रहे हैं, उस दिशा में ले जाने की भी सोच बनानी होगी। पत्रकारों द्वारा मंदिर के जीर्णोद्धार के सवाल पर कहा कि एक रूकावट इसमें लगनेवाले हजारों लीटर महंगे रंग हैं, जिसे उनके द्वारा देने का एलान किया गया। कहा कि उन्होंने रंग देने का निर्देश प्रतिष्ठान को दे दिया है। मजदूरी, जीर्णोद्धार, बिजली, पाइप समेत अन्य कार्य का जिम्मा पंचमंदिर न्यास कमेटी की होगी कि कैसे आने संसाधन और हिन्दु धर्मावलंबियों को जोड़ते हुए वह काम करायेगी। श्री पाठक ने कहा कि मूल स्वरूप की रक्षा करते हुए रंग- रोगन के कार्य होगे और जल्द काम शुरू करने की बात पंचमंदिर न्यास के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ बैठक में तय की है। बताया गया कि काम एक सप्ताह के भीतर शुरू करा देने की तैयारी की जा रही है। इस निरीक्षण के दौरान शशि मोहन सिंह, वीरेन्द्र सिंह के अलावे हजारीबाग पंचमंदिर न्यास के उपाध्यक्ष अजय गुप्ता और नीलेंछु जयपुरियार, सचिव विजय केसरी, कोषाध्यक्ष विनीत अग्रवाल के अलावे ट्रस्ट के सदस्य शारदा रंजन दुबे, सुरेंद्र कुमार वर्मा, आनंद कुमार गुप्ता, जय प्रकाश, ओम प्रकाश के अलावे अन्य आंमंत्रित अतिथि सम्मिलित हुए।मुनका बागीचा मंदिर को बंद करने को बताया गलत पत्रकारों द्वारा कानी बाजार स्थित मुनका बागीचा स्थित मंदिर को बंद किये जाने के सवाल पर कहा कि कई लोगों ने इसकी शिकायत की है। जिसपर हमलोगों ने जिला प्रशासन को लिखकर दिया है कि यदि कोई मंदिर का जो स्वरूप है और सार्वजनिक स्टेटस चला आ रहा है, उसपर रोक सही नहीं है। मंदिर है तो सार्वजनिक है, उसे कोई कैप्चर करके नहीं रख सकता। यह भी कहा कि वहां धर्मशाला है तो उसका रजिस्ट्रेशन न्यास से होना चाहिए। यदि नहीं है तो गलत है। आप धर्मशाला चलायें, उसमें हमारा हस्तक्षेप नहीं होगा पर जिस विचारधारा से बना है, उसे संरक्षित करना न्यास का काम है। झारखंड राज्य धा?मक न्यास के अध्यक्ष जयशंकर पाठक ने कहा कि झारखंड बनने के 25 साल के दरम्यान धामक न्यास का तीन बार ही गठन हुआ। उसमें भी दो का कार्यकाल पूरा नहीं हो पाया। ऐसे में 25 साल के दौरान न्यास की बहुत सारे जमीन हथिया लिये गए, धर्मशाला बेचकर होटल बना दिया गया। अब ऐसे न्यास के सारे संपत्ति को सूचीबद्ध किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

एसभीएम स्कूल में तीन दिवसीय कराटे शिविर का हुआ समापन

भुरकुंडा : भुरकुंडा सुंदरनगर स्थित एसभीएम पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय कराटे एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हुआ। शिविर में वादो काई कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया, अहमदाबाद के प्रशिक्षक कोच सेंसई अल्पेश राठौड़ (ब्लैक बेल्ट द्वितीय डान) ने विद्यार्थियों को कराटे की विभिन्न तकनीकों के साथ-साथ आत्मरक्षा की बारीकियों से अवगत कराया। शिविर में विद्यार्थियों ने विभिन्न तकनीकों का प्रभावशाली प्रदर्शन भी किया। समापन समारोह में विद्यालय की सचिव इंदु शर्मा ने कहा कि यह शिविर केवल कराटे प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह विद्यार्थियों के आत्मबल, अनुशासन और साहस को बढ़ाने वाला अनुभव साबित हुआ। विद्यालय के संरक्षक आरके शर्मा ने कहा कि आज के दौर में आत्मरक्षा का ज्ञान हर छात्र-छात्रा के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल आत्मविश्वास बल्कि नेतृत्व और अनुशासन के गुण भी विकसित करता है। कार्यकारी प्रमुख लव कुमार ने कहा कि एसभीएम का उद्देश्य केवल अकादमिक शिक्षा नहीं, बल्कि छात्रों को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने कराटे प्रशिक्षण को विद्यालय के विजन ह्यस्वस्थ शरीर, श्रेष्ठ मस्तिष्कद्ध की दिशा में एक मजबूत कदम बताया। विद्यालय के प्रबंधक व सलाहकार गुरेन्द्र सिंह ने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों में आत्म-विश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें स्वास्थ्य व अनुशासन के प्रति जागरूक करते हैं। यह पहल आगे और विस्तृत रूप लेगी। प्रशिक्षक कोच सेंसई अल्पेश राठौड़ ने छात्रों के उत्साह और लगन की सराहना करते हुए कहा कि कराटे केवल एक खेल नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है जिसमें आत्म-संयम, मानसिक संतुलन, अनुशासन और सम्मान का समावेश होता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, अनुशासन और ऊर्जा ने यह सिद्ध कर दिया कि कराटे जैसी विधाएं न केवल आत्मरक्षा सिखाती हैं, बल्कि व्यक्तित्व को भी सशक्त बनाती हैं। मुख्य तकनीकी निदेशक हांशी अरविंद राणा ने कहा कि कराटे को आत्मरक्षा से आगे बढ़ाकर एक जीवनशैली बनाना हमारा उद्देश्य है। शिविर को सफल बनाने में नंदिनी वर्मा, साहबाजिया, मधुलता, रजनी कौर, अलीला, दिव्या, बबीता, गीता, मधुसागर, नंदिनी, अंशु और रिया आदि शिक्षिकाओं की अहम भूमिका रही।

राज नर्सिंग होम में लायंस क्लब भुरकुंडा का पांच दिवसीय मधुमेह जांच शिविर संपन्न

भुरकुंडा : लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा द्वारा वन जिला, वन एक्टिविटी कार्यक्रम के तहत 13 जुलाई से भुरकुंडा टेकर स्टैंड स्थित राज नर्सिंग होम में चल रहे पांच दिवसीय मधुमेह जांच शिविर का गुरूवार को सफलता पूर्वक समापन हो गया। अंतिम दिन 15 मरीजों का नि:शुल्क मधुमेह जांच और पांच मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया। वहीं, पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर लायन विजय वर्णवाल के जन्मदिन के अवसर पर भुरकुंडा टेकर स्टैंड स्थित मेडिसिन सेंटर के समीप विद्यार्थियों सहित आमजनों के बीच दर्जनों फलदार पौधों का वितरण किया गया। साथ ही पौधों की सुरक्षा का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के अध्यक्ष अशोक सिन्हा, सचिव अखिलेश शर्मा, कोषाध्यक्ष निर्मल अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष रेखा वर्णवाल, पूर्व सचिव अंजू देवी, पूर्व कोषाध्यक्ष शिवा प्रसाद, माला शर्मा, लायन विजय वर्णवाल, जिला चेयरपर्सन एमजेएफ डॉ. राजेंद्र महतो, एमजेएफ लायन संजय जायसवाल, दीनबंधु सिंह, लायन रमेश अग्रवाल, सूबेदार एचएन यादव, सीमा देवी, डॉ एमके मंजुल, रेखा मंजुल सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

बासल पुलिस ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय बलकुदरा में चलाया जागरूकता अभियान

भुरकुंडा : बासल थाना अंतर्गत उत्क्रमित मध्य एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय बलकुदरा में गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार ने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध, एनडीपीएस एक्ट, महिला सुरक्षा एवं डायल 112 आपातकालीन सेवा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में बासल थाना के एसआई बिपिन बिहारी, आरक्षी दिवाकर मुंडा सहित दानों विद्यालयों में प्राचार्य, तमाम शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित थें। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए पुलिस प्रशासन का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं में कानून के प्रति समझ बढ़ती है और वे समाज में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभा सकते हैं।

स्नातक 2025-29 के प्रथम समसत्र की कक्षाएं पांच अगस्त से प्रारंभ होंगी : डॉ इंद्रजीत कुमार

हजारीबाग : नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विनोबा भावे विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के सत्र 2025-29 के प्रथम समसत्र की कक्षाएं सभी महाविद्यालयों में 5 अगस्त 2025 से प्रारंभ होंगी। यह जानकारी चांसलर पोर्टल तथा नामांकन कोषांग के नोडल पदाधिकारी डॉ इंद्रजीत कुमार ने बृहस्पतिवार को दी। उक्त तिथि को कक्षाएं प्रारंभ करना सभी महाविद्यालयों का दायित्व होगा। सभी नामांकित विद्यार्थियों को पहले दिन कक्षा में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। उन्होंने आगे बताया कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत वैसे अस्थाई संबद्धता प्राप्त/ प्रस्तावित महाविद्यालय जिनके संबंधन विस्तार / नवसंबंधन का प्रस्ताव विश्वविद्यालय से झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में प्रेषित किया जा चुका है वैसे महाविद्यालयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम सत्र 2025-29 के प्रथम समसत्र में नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल से नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं । इस संबंध में झारखंड सरकार के संबंधित विभाग से लिखित में आदेश विश्वविद्यालय को प्राप्त हुए हैं। डॉ इंद्रजीत कुमार ने बताया कि नामांकन हेतु 22 जुलाई तक चांसलर पोर्टल से आवेदन किए जा सकेंगे। ऐसे महाविद्यालयों के लिए मेधा सूची का प्रकाशन 25 जुलाई को किया जाएगा।

बरहरवा में गुमानी नदी उफान पर, कई गांवों में बाढ़ के हालात विधायक प्रतिनिधि ने किया दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गुमानी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है, जिससे बरहरवा प्रखंड के कई गाँवों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। हालात की गंभीरता को देखते हुए विधायक निसात आलम के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि एवं जिला अध्यक्ष बरकत खान ने नकसीमल, जुहिबोना, धरमपुर, बिरनाथपुर, महाराजपुर सहित अन्य बाढ़ प्रभावित गाँवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

प्रभावित गांवों में फैली चिंता

गुमानी नदी के जलस्तर में वृद्धि के चलते पुरुलिया डांगा, चांदपुर, जमालपुर, अंधारकोठा, हरिहारा, चाकपाड़ा, महेशघाटी, दरियापुर, कांकजोल, बिंदुपाड़ा और अबराटोला सहित कई गाँव प्रभावित हो चुके हैं। खेतों में पानी भर जाने से खरीफ फसलों को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

बरकत खान ने लिया हालात का जायजा

बरकत खान ने दौरे के दौरान ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने बरहेट बैराज खेरवा डैम का भी निरीक्षण किया और पाया कि सभी फाटक खुला होने के कारण पानी का प्रवाह बढ़ रहा है। उन्होंने जल संसाधन विभाग के एस.डी.ओ एवं जे.ई.से वातार्लाप कर बैराज के फाटक को नियंत्रित रूप से संचालित करने को कहा गया ।

प्रशासन को दिए निर्देश

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बरकत खान ने संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासनिक तैयारी पूर्ण होनी चाहिए। ग्रामीणों की सुरक्षा, अस्थायी शरणस्थलों की व्यवस्था, एवं आवश्यक राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड में

बरकत खान के दौरे के बाद स्थानीय प्रशासन भी सतर्क हो गया है और जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति का आंकलन कर रहे हैं और बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में लोगों को सतर्क किया जा रहा है।

ग्रामीणों को मिला आश्वासन

विधायक प्रतिनिधि ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि संकट की इस घड़ी में सरकार और प्रशासन उनके साथ है और हर संभव मदद दी जाएगी। ग्रामीणों ने भी राहत कार्यों को लेकर अपेक्षा जताई और प्रशासन से शीघ्र सहायता की मांग की। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, सफातुल्लाह, दिलदार, सकील,नेहाल अख्तर, सहित ग्रामीण मौजूद थे।

एक नजर

बिजली तार के चपेट में आने से छात्रा हुई मूर्छित

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत टाउन हॉल के समीप रास्ते में घर के बिजली के तार टूट कर गिरने से छात्राएं को करंट लग गई जिसमें छात्राएं मूर्छित हो गई। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। मिली जानकारी के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के तीन छात्राएं टाउन हॉल के समीप बीके कोचिंग सेंटर गुरुवार को जा रही थी। उसी दौरान टाउन हॉल के समीप किसी के घर के बिजली के तार टूट कर गिर जाने से छात्राएं चपेट में आ गई जिसमें कॉलेज रोड की रहने वाली छात्राएं 18 वर्षीया सहरोज परवीन छात्राएं मूर्छित हो गई। इधर मूर्छित छात्राएं ने बताई की तीनों दोस्त एक साथ कोचिंग के लिए सुबह जा रहे थे, जहां टाउन हॉल के समीप अचानक घर के बिजली के तार टूट कर मेरी हाथ के ऊपर गिर गया जिसमें मुझे झटका लगा बरहाल छात्राएं का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

बंद रेलवे क्वार्टर से लाखों की चोरी

साहिबगंज: जीरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के साउथ कालोनी के क्वार्टर संख्या 25/एच के रहने वाले विक्रम हरि चतुर्थ वर्गीय रेलवे कर्मचारी के बंद क्वार्टर से महंगे स्वर्ण आभूषण में सोना का मंगलसूत्र, कान का सोना का सेट एवं नाक का सोने का बेसर, 25 हजार नकद, सैंसुइ कंपनी का 32 इंच का टीवी और क्वार्टर में लगा हुआ सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर को बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने हाथ सफाई करते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया। स्थानीय लोगों की माने तो साउथ कॉलोनी क्षेत्र में स्थानीय थाना की पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी आती ही नहीं है। इस क्षेत्र में आए दिन चोरी की घटनाएं घटती है, लेकिन बहुत से लोग केस मुकदमा के चक्कर में नहीं पढ़ने के कारण अपने नुकसान को बर्दाश्त कर लेते हैं। वहीं घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई है।

नदी में डूबने से 9 वर्षीया बच्ची की हुई मौत

साहिबगंज/बोरियो: थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्वाला बांध पोखर में स्नान करने गई 9 साल की बच्ची की डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार गोड्डा जिला के रानीडीह गांव निवासी मैनुद्दीन की 9 वर्षीया पुत्री तमन्ना खातून की मृत्यु ग्वाला बांध में डूब कर हो गई। तमन्ना बोरियो बेल टोला के खलील नाना के घर में ही रहती थी। गुरुवार को तमन्ना अपने नानी के साथ ग्वाल बड़ा बांध में स्नान करने गई थी। तमन्ना की नानी कपड़ा खींच रही थी, इसी दौरान बारिश के पानी से लबालब बांध में स्नान करने के लिए गई और डूब गई। शोर मचाने पर लोग आनन-फानन में तमन्ना को बांध से निकाल कर परिजन इलाज के लिए बोरियो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर विनोद कुमार ने तमन्ना को जांच करने के उपरांत मृत घोषित कर दिया। जहां परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बारिश के कारण ढहा मिट्टी का घर, लगाई प्रखंड प्रशासन से मदद की गुहार

साहिबगंज/बोरियो: प्रखंड क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश से अंचल क्षेत्र के बीचपुरा पंचायत के दनवार मुस्लिम टोला में रूह मोमिन के मिट्टी का मकान ढह गया। जहां पीड़ित रूह मोमिन ने बताया कि बीते बुधवार की रात को पूरे परिवार के लोग सो रहे थे तभी अचानक दीवार ढहने की आवाज सुनाई दी इसके बाद देखा कि घर के दीवार के साथ छप्पर भी गिर गया जिससे घर में रखा, अनाज, कपड़ा, बर्तन सहित अन्य सामान बारिश में भींग कर बर्बाद हो गया है। वही उन्होंने अंचल व प्रखंड प्रशासन से आर्थिक मदद, मुआवजा एवं आवास की मांग की है। आगे उन्होंने बताया कि घर ढह जाने से इस बारिश में रहने के लिए काफी मुसीबतों का सामना पड़ रहा है।

देर रात्रि सिविल सर्जन के द्वारा सदर अस्पताल ब्लड बैंक का औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान ने देर रात्रि सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंपों की जानकारी (फील्ड, प्रखंड, संस्थाएं, जिला स्तर) संग्रहित रक्त का पूरा विवरण 24 घंटे के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिए। रक्त उपयोग का विवरण – अप्रैल, मई एवं जून 2025 में किन मरीजों को रक्त दिया गया, जैसे कि थैलेसीमिया मरीज, पहाड़िया समुदाय, प्रसव पीड़ित महिलाएं आदि की समेकित रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। ब्लड बैंक एवं अस्पताल में कार्यरत सभी कर्मियों को यूनिफॉर्म में ड्यूटी करने का निर्देश दिया गया। सभी जंग लगे उपकरणों/सामग्रियों को 24 घंटे के भीतर बदलने का सख्त आदेश सभी वार्डों के लिए दिए गए।

साहिबगंज पहुंचे संथाल परगना के आईजी शैलेंद्र सिन्हा, पुलिस व्यवस्था पर की गहन समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : संथाल परगना के आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा गुरुवार को साहिबगंज पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहले दौरे पर पहुंचे। जहां पुलिस लाइन परिसर में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह व गोड्डा पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार समेत अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इसके बाद सार्जेंट मेजर की उपस्थिति में पुलिस जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए भव्य स्वागत किया। इसके उपरांत आईजी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में सभी वरीय पुलिस पदाधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ बैठक करते उनसे उनका परिचय लेते हुए जिले की समस्याओं की जानकारी लेते हुए समाधान व लक्ष्य पर चर्चा की। वही बैठक के बाद आईजी ने बताया कि जिले में पुराने लंबित मामलों की संख्या काफी अधिक है इसके लिए सभी एसडीपीओ, इंस्पेक्टर व थाना प्रभारियों को अनुसंधान तेज गति से करते हुए इन मामलों के निपटारे का निर्देश दिया गया है। वही सभी थाना प्रभारी को सुबह 10 बजे अपने फुल ड्रेस के साथ थाना में बैठने और केस डायरी, सरिस्ता व अन्य कार्यों का निपटारा करने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय भवन की सराहना करते हुए कहा कि इसका क्रेडिट पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह को जाता है जहां उन्होंने कहा कि जिले के सभी वरीय पुलिस पदाधिकारियों व अन्य थाना प्रभारियों को पुलिस जवानों को साहिबगंज एसपी से सीखना चाहिए कि कैसे वे सभी चीजों को व्यवस्थित करते हुए रखते हैं। इस मौके पर गोड्डा एसपी मुकेश कुमार, साहिबगंज एसपी अमित कुमार सिंह, समेत सभी इंस्पेक्टर व सभी थानों के थाना प्रभारी मुख्य रूप से मौजूद थे।

बाल यौन तस्करी पर प्रशिक्षण समाधान के लिए सामूहिक संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला पंचायत राज पदाधिकारी अनिल कुमार की अध्यक्षता में डीपीआरसी भवन के सभागार में झारखंड विकास परिषद के तत्वावधान में "बाल यौन तस्करीः समस्या, कारण और समाधान" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड विकास परिषद की सचिव सुवासिनी सोरेन उपस्थित रहीं। उन्होंने बाल यौन शोषण एवं तस्करी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे जड़ से समाप्त करने हेतु सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनजागरूकता बढ़ाना एवं बाल यौन तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक समस्या से निपटने हेतु प्रभावी रणनीतियाँ विकसित करना था।इस अवसर पर बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं मंथन संस्था के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता दी। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ने बाल तस्करी, बाल श्रम, एवं बाल अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा उपस्थित प्रतिभागियों को संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। सभागार में मौजूद प्रतिभागियों को बाल यौन तस्करी के प्रमुख कारण - जैसे गरीबी, अशिक्षा, पारिवारिक उपेक्षा और सामाजिक असमानता से अवगत कराया गया साथ ही इससे निपटने हेतु व्यवस्थित कार्य योजना साझा की गई।

पुलिस की छापामारी में 107 बोतल शराब बरामद, आरोपी फरार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : जिला स्थित गुवा के बड़ाजामदा थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को फुटबॉल मैदान एरिया के तीन अलग-अलग घरों में छापेमारी कर 107 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की है। यह शराब ओडिशा से तस्करी कर झारखंड में बेची जा रही थी। थाना प्रभारी बालेश्वर उरांव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। पु ?लिस ने इस दौरान तीन घरों में छापेमारी की। मामले के तीन नामजद आरोपी फरार हैं। तीनों आरोपितों के नाम घर की मालकिन मालिक रीता देवी, अंकित गुप्ता और राजन गुप्ता शामिल हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी है। थाना प्रभारी बालेश्वर उरांव ने कहा कि बड़ाजामदा थाना क्षेत्र में अवैध शराब, गांजा और किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री नहीं होने दी जाएगी। जो भी इस तरह के अवैध कारोबार में लिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पंचायत उन्नति सूचकांक में पाकुड़ जिले का उत्कृष्ट प्रदर्शन, राजपोखर पंचायत सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : रांची बीएनआर होटल में पंचायती राज निदेशक बी. राजेश्वरी बी ने डीपीआरओ व डीपीएम एवं राजपोखर मुखिया को किया सम्मानित। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा जारी पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 में पाकुड़ जिले की ग्राम पंचायत राजपोखर एवं प्रखंड स्तर पर पाकुड़िया को सराहनीय प्रदर्शन के लिए रांची के बीएनआर होटल में जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू एवं प्रभारी डीपीएम आनंद प्रकाश एवं राजपोखर मुखिया ललिता टुडु को निदेशक पंचायती राज, झारखंड बी राजेश्वरी बी एवं अपर सचिव शैल प्रभा कुजूर के हाथों सम्मानित किया गया है। यह सम्मान पंचायतों के सुशासन, लोक सहभागिता, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता और आत्मनिर्भरता की दिशा में किए गए प्रयासों के आधार पर प्रदान किया गया। पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 पंचायत राज मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों के विकास और प्रशासनिक क्षमता का मूल्यांकन करना है। इस सूचकांक के माध्यम से पंचायतों की कार्यशैली में प्रतिस्पर्धा और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाता है। राजपोखर पंचायत एवं पाकुड़िया प्रखंड की पंचायतों ने समुदाय आधारित योजनाओं के प्रभावशाली क्रियान्वयन और जन भागीदारी को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाई। जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने बताया कि केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय की ओर से पहली बार जारी की गई पंचायत उन्नति सूचकांक में पाकुड़ जिले के पाकुड़िया प्रखंड के राजपोखर ग्राम पंचायत ने राज्य भर में तीसरे अन्य दो ग्राम पंचायत पाकुड़िया एवं पलियादाहा ने टॉप 25 में अपनी जगह बनाई है। यह मूल्यांकन नौ प्रमुख थीम गरीबी मुक्त और बेहतर आजीविका, स्वस्थ्य पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ एवं हरित पंचायत, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा , सामाजिक न्याय, सुशासन और महिला हितैषी पंचायतों के आधार पर किया गया है। उपायुक्त, पाकुड़ मनीष कुमार ने इस उपलब्धि के लिए संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों, सचिवों एवं कर्मियों को बधाई दी है और आशा व्यक्त की है कि यह सम्मान अन्य पंचायतों को भी प्रेरित करेगा। यह उपलब्धि "आत्मनिर्भर पंचायत" की दिशा में जिले के सतत प्रयासों का प्रमाण है।

संक्षिप्त खबरें

अवैध पार्किंग व नियम उल्लंघन पर 7 कोयला वाहनों से 51,301 का जुर्माना

पाकुड़/ अमड़ापाड़ा : जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर के नेतृत्व में अमड़ापाड़ा कोल साइडिंग से दुमका, पाकुड़ कोल साइडिंग मुख्य मार्ग पर परिचालित होने वाले कोयला वाहनों के द्वारा सड़क के किनारे अवैध रूप से पार्किंग करने, तिरपाल से ढकने, आवागमन बाधित करने एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले 7 वाहनों से कुल 51 हजार 301 रुपए का जुमार्ना किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने सभी चालकों को हिदायत दिया गया कि सड़क पर जहां तहां गाड़ी पार्क नहीं करेंगे। साथ ही कोयला ढुलाई करते समय तिरपाल का उपयोग करेंगे, वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं ऑथराइजेशन, नंबर प्लेट एवं वाहन से संबंधित सभी कागजात दुरुस्त रखकर ही वाहन का परिचालन करेंगे।

दिव्यांग जांच शिविर में 48 दिव्यांग बच्चों का हुआ जांच

साहिबगंज/बरहेट : झालसा और डालसा के निर्देश पर गुरुवार को 18 वर्ष से कम उम्र के दिव्यांग बच्चों के लिए दिव्यांग जांच शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में किया गया। बताया गया कि साहेबगंज सीविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने झालसा और डालसा के निर्देश पर बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दिव्यांग जांच शिविर आयोजन का निर्देश प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बरहेट को दिया था। जहां शिविर हेतु डाक्टरों का जांच टीम गठित किया था जिसमें चिकित्सक डॉक्टर सत्यप्रकाश ईएनटी विशेषज्ञ सदर अस्पताल पाकुड़, डॉक्टर अखिलेश नोवेल कुजूर चिकित्सा पदाधिकारी (प्रशिक्षित मनोचिकित्सक) अ.प्रा.स्वा. केंद्र कोटालपोखर, डॉक्टर शहवाज हुसैन नेत्र रोग विशेषज्ञ सदर अस्पताल साहेबगंज, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर चौधरी चंद्रशेखर प्रसाद चंद्र को शामिल किया था। वहीं गुरुवार को उक्त निर्देश के आलोक में उपरोक्त प्रतिनियुक्त चिकित्सकों के अलावा नेत्र सहायक डाक्टर संतोष कुमार शिविर में शामिल रहे। आयोजित जांच शिविर में विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता के कुल 48 दिव्यांग बच्चों का जांच किया गया। शिविर में न्याय मित्र सुनील मुर्मू, सौरभ मोदी, विश्वजीत कुमार, मानबेल सोरेन, बैम चंदन कुमार, कलर्क मनोरंजन हांसदा सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

एक युवक को जिरवाबाड़ी पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 54/25, दिनांक 16 मार्च 2025 धारा 96/325/351(2)/3(5) बीएनएस के अभियुक्त अरविंद कुमार मंडल उर्फ अरविंद मंडल उम्र 24 वर्ष, पिता स्वर्ग मांगण मंडल, साकिन सोतीचौकी खुटहरी, को विधिवत पुलिस ने गिरफ्तार किया गया। मिली जानकारी के अनुसार उक्त युवक ने प्रेम प्रसंग में एक युवती को उसके घर से भागकर ले गया था। जिसके विरुद्ध में युवती की माता-पिता ने जिरवाबाड़ी थाना में उक्त युवक के खिलाफ लिखित आवेदन दिया था, आवेदन के आलोक में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उक्त युवक को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई करते हुए कागजी प्रक्रिया करने के उपरांत सदर अस्पताल में शारीरिक जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

भारी बारिश से क्षतिग्रस्त एनटीपीसी ललमटिया रेल लाइन की मरम्मत तेजी से जारी

बरहरवा: जिले में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण एनटीपीसी प्लांट से ललमटिया को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण एमजीआर रेल लाइन के किनारों पर मिट्टी धंस जाने से रेल यातायात प्रभावित हो गया था। जहां इस वजह से कोयले की सप्लाई पर भी असर पड़ने की आशंका बन गई थी, फिलहाल युद्धस्तर पर मरम्मत का काम चल रहा है ताकि जल्द से जल्द इस महत्वपूर्ण रेल लाइन को बहाल किया जा सके। उधर एनटीपीसी के मैनेजर पी.के. झा और पीडब्ल्यू विभाग के अमिताभ साहा की निगरानी में मरम्मत दल ट्रैक की मजबूती पर काम कर रहा है। जहां कई स्थानों पर पटरियों के नीचे की मिट्टी बह जाने से आधार कमजोर पड़ गया था, जिससे सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो गया था। मजबूती और जल निकासी पर विशेष ध्यान उधर मरम्मत दल द्वारा ट्रैक के किनारों पर नई मिट्टी और पत्थर डालकर आधार को मजबूत किया जा रहा है। साथ ही साथ पानी के सही निकास की व्यवस्था भी की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कोयला आपूर्ति पर असर की आशंका यह एमजीआर लाइन मुख्य रूप से एनटीपीसी प्लांट तक कोयला पहुँचाने के लिए उपयोग की जाती है। जहां रेल लाइन के बाधित होने से कोयले की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। वही एनटीपीसी के अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा मानकों का पूरा पालन करते हुए जल्द से जल्द मरम्मत कार्य पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

पत्नी को गुजारा भत्ता नहीं देने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के मोतीझील के रहने वाले जटा मरांडी मिजाचौकी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना के एएसआई विल्सन हांसदा ने बताया कि उक्त आरोपी पर थाना क्षेत्र के ही बंगलिया ग्राम के रहने वाली पत्नी ने ही गुजारा भत्ता को लेकर ममला दर्ज कराई थी। जिसमें आरोपी द्वारा 76 महीने से पत्नी को गुजारा भत्ता नहीं दिया था।

बांका-बक्सर में बारिश,18 जिलों में अलर्ट-आकाशीय ली से 21 मौतें

जहानाबाद में डैम टूटने से 50 हजार लोग प्रभावित, नालंदा में मार्केट कॉम्पलैक्स में भरा पानी

पटना। बिहार में मानसून एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग ने आज यानी गुरुवार को राज्य के 18 जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। बांका-बक्सर में सुबह-सुबह बारिश भी हुई। सीवान में तेज बारिश हो रही है। विभाग के अनुसार, गुरुवार को बंगाल की खाड़ी से उठा निम्न दबाव का क्षेत्र बिहार के कई हिस्सों को प्रभावित कर रहा है। अब यह धीरे-धीरे पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर शिफ्ट हो जाएगा। इसके असर से राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी वर्षा के साथ-साथ तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस सिस्टम के कारण अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिम चंपारण, पटना सहित 18 जिलों बारिश हो सकती। इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चलेगी। इन जिलों में बारिश से बिगड़े हालात जहानाबाद में कई जगह फल्गु नदी का तटबंध टूटने से घोसी प्रखंड और मोदनगंज प्रखंड इलाके में भारथू नंदना बाजितपुर मेटरा ओकरी तुलसीपुर के 24 गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। 50 हजार से ज्यादा लोग इसकी चपेट में हैं। नालंदा के पूरब से होकर बहने वाली जिरायन नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसके कारण अस्थावां प्रखण्ड के सदरपुर में तटबंध टूटने से खेतों में पानी भर गया है। कई गांव इसकी चपेट में हैं। बिन्द प्रखण्ड के बरहोग गांव के छा छु बिगहा का खंधा जिरायन नदी के पानी से जलमग्न हो गया है। सारण के सोनपुर प्रखंड के सबलपुर दियारा महुआ बाग में गंगा उफान पर है। कटाव रोधी कार्य के बावजूद भी गंगा में तेजी से कटाव शुरू हो गया है। स्थानीय लोग डरे हुए हैं। मानसून सीजन की अब तक की बारिश के आंकड़े देखें तो स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बिहार में 15 जुलाई तक सामान्य तौर पर 349.1 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन अब तक मात्र 189.4 मिमी ही बारिश हुई है। यह औसत से 46 प्रतिशत कम है। 24 घंटे में बिजली गिरने से 21 लोगों की मौत बीते 24 घंटे में 12 जिलों में बारिश हुई। पटना में मंगलवार की पूरी रात बारिश के बाद बुधवार को सुबह से बरसात होती रही।

बुधवार को राज्य के अलग-अलग जिलों में बिजली गिरने से 20 लोगों की मौत हो गई। इनमें नालंदा में 5, औरंगाबाद में एक, वैशाली में 4, शेखपुरा में एक, बांका में 2, जहानाबाद में एक, समस्तीपुर में 1, नवादा में 4 और पटना में 2 लोगों की जान गई है। राजधानी में आज दिनभर बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग का अनुमान है कि पटना में रुक-रुककर मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। जबकि अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री के बीच रहेगा। बुधवार को पटना में पूरे दिन हल्की बूंदाबांदी का दौर जारी रहा, जिससे मौसम सुहावना बना रहा। नालंदा में लोकायन नदीका जलस्तर बढ़ने के कारण चिकसौरा बाजार के मार्केट कॉम्पलैक्स में पानी भर गया है। कैमूर के अधौरा पहाड़ी पर बुधवार को हुई जोरदार बारिश के कारण सड़क पर पानी बह रहा है। गुरुवार को शिक्षिकाएं अपनी जान को खतरे में डालकर ड्यूटी पर जाती दिखीं। पानी के तेज बहाव में वो एक-दूसरे का हाथ पकड़कर जाती हुई नजर आईं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बांका में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। चार डायवर्सन और तटबंध टूट गए हैं, जिससे कई गांवों का मुख्य मार्गों से संपर्क टूट गया है। बिहार में मानसून के एक्टिव होने के साथ ही नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। पटना में गंगा नदी के पानी में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। भागलपुर के टपुआ गांव में गंगा नदी का कटाव लगातार बढ़ रहा है। बुधवार रात गांव की करीब एक कट्ठा उपजाऊ भूमि कटकर गंगा में समा गई, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हालात यह हैं कि अब कटाव से गांव की बस्ती को भी खतरा है। गांव के लोगों ने बुधवार को खुद ही रस्सी, बांस और अन्य सामानों से कटाव रोकने की कोशिश की। लेकिन गंगा की तेज धारा के आगे ये उपाय बेअसर साबित हो रहे। समस्तीपुर में बुधवार शाम खेत में मिर्च तोड़ रहे किसान दंपती पर ठनका गिरा जिससे किसान की मौत हो गई। जबकि, उनकी पत्नी झुलस गई। जख्मी सुगनी देवी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला विद्यापतिनगर थाने के बालकृष्णपुर मड़वा गांव का है। किसान की पहचान गांव के मंजय लाल राय के रूप में की गई। बक्सर में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। काले बादलों के कारण दिन ही अंधेरा छा गया। जहानाबाद दरधा नदी में अचानक पानी बढ़ने से अंबेडकर नगर के जाफरगंज मुहल्ले में पानी घुस गया है। गाड़ियां पानी में फंस गई है। लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिहारशरीफ शहर में पंचाने नदी का पानी बढ़ने से आशानगर, सलेमपुर, तालाबपर, सोहाडीहज, महुतर मुहल्ले में पानी भर गया है। लोगों को काफी परेशानी हो रही है। खड़कपुर-तारापुर मुख्य मार्ग में दो जगह पर डायवर्सन टूट गया है। 24 घंटा बाद भी यहां पर पानी का बहाव काफी तेज है मुंगेर के सितुहार गांव निवासी किसान राजेश कुमार ने बताया कि डायवर्सन टूट जाने के बाद दो दिनों से अपने खेत पर नहीं जा पा रहे हैं। आज गुरुवार को अपने खेत में धान का बिछड़े गिरना था लेकिन सड़क संपर्क टूट जाने के कारण अब आने-जाने में परेशानी हो रही है। ट्रक चालक राकेश कुमार ने बताया कि ट्रक को लेकर जमुई से आ रहे हैं। खड़कपुर-तारापुर होते हुए भागलपुर जाना था लेकिन डायवर्सन बहने से रास्ता बंद है। अब 50 किलोमीटर दूर बरियारपुर सुल्तानगंज होकर भागलपुर के लिए जाना पड़ेगा। मुंगेर में खड़गपुर-तारापुर के बीच सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ कई पुल-पुलिया का निर्माण किया जा रहा है। इसी बीच डांगरी नदी में पानी के दबाव के कारण खड़कपुर-तारापुर मुख्य मार्ग में दो जगह पर मंगलवार डायवर्सन टूट गया है। 24 घंटा बाद भी यहां पर पानी का बहाव काफी तेज है। अब तक प्रशासनिक अधिकारी या संवेदक की ओर से यहां पर किसी प्रकार की पहल नहीं की गई है। जिस कारण गुरुवार सुबह भी कई ग्रामीणों को आनेजाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कुछ किसान जिन्हें खेत पर जाना जरूरी था वह अपने जान को जोखिम में डालकर नदी में तैरते हुए डायवर्शन को पार किया। मौसम खराब होने से दिल्ली और कोलकाता से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट पटना से वाराणसी डायवर्ट हो गई। उस वक्त रनवे पर विजिबिलिटी 1000 मीटर से कम थी और तेज हवा चल रही थी। दोनों फ्लाइट के डायवर्ट होने से करीब 650 यात्री पटना और वाराणसी एयरपोर्ट पर फंसे रहे। मौसम ठीक होने के बाद दिल्ली की फ्लाइट वाराणसी से 12 बजे, जबकि कोलकाता की फ्लाइट 3 बजे आई। पटना से दिल्ली की फ्लाइट 12 बजे, जबकि कोलकाता की 3:30 बजे गई। दिल्ली की इंडिगो की फ्लाइट 6ई2769 पटना एयरपोर्ट के पास निर्धारित समय 9:50 बजे आ चुकी थी। उस वक्त बारिश हो रही थी। रनवे पर विजिबिलिटी 800 मीटर हो गई थी। विमान ने पटना एयरपोर्ट के आसपास दो-तीन बार चक्कर लगाया और वाराणसी डायवर्ट हो गया। इस विमान में 162 यात्री थे। वाराणसी से पटना आने के बाद विमान 6ई2134 दिन के 12:30 बजे 164 यात्रियों को लेकर दिल्ली के लिए रवाना हुआ।

संक्षिप्त डायरी

मौसम के बदलते ही अस्थमा के रोगियों को हो रही है परेशानियां।

बुद्धिजीवियों ने कहा डॉक्टर शिव कुमार के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारिया

किशनगंज। मौसम के करवट लेते ही सांस या यू कहां जाए के अस्थमा के रोगियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो दूसरी ओर सरकारी अस्पताल और एमजीएम मेडिकल कॉलेज में रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है सूत्रों के मुताबिक पूरे जिले में सिर्फ और सिर्फ दो ही ऐसे डॉक्टर हैं जो अस्थमा के रोगियों को परेशानियों से निजात दिला सकते हैं बात अगर किशनगंज की बुद्धिजीवियों की की जाए तो दर्जनों बुद्धिजीवियों ने कहा कि बड़े अफसोस की बात है लगभग 20 लाख की जनसंख्या वाले इस जिले में एक ही वरिष्ठ डॉक्टर है जो ऐसे रोगियों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं और वह नाम है डॉक्टर शिव कुमार जिनके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारियां हैं बुद्धिजीवियों ने कहा कि डॉक्टर शिव कुमार जो के चेस्ट एंड रेस्पिरेट्री स्पेशलिस्ट है जिन्होंने अब तक लाखों लोगों का कामयाब इलाज कर उनके घरों में खुशियां बिखरने का काम किया है बुद्धिजीवियों ने कहा कि मैं अस्थमा सांस टी बी के रोगियों से यह खास कर कहना चाहूंगा कि आप किसी के झांसे में ना आए दलालों के चक्कर में ना पड़े अगर आपको ऐसी परेशानियां हो रही है तो आप सीधे डॉक्टर शिव कुमार सर से अपना इलाज करवाए क्योंकि डॉक्टर शिव कुमार ने अपने अच्छे तजुर्बे से किशनगंज के लोगों का विश्वास हासिल किया है इतना ही नहीं हम लोगों ने हजारों ऐसे रोगियों को देखा है जो बुखार से परेशान है खांसी से परेशान है खांसी करते समय मुंह से खून आ जाता है ऐसे रोगी जब हर जगह से ना उम्मीद हो जाते हैं और जब डॉक्टर शिव कुमार ऐसे रोगियों का कामयाब इलाज कर रोगी एवं रोगियों के परिवार वालों का विश्वास जीतकर उनके घरों में खुशियां बिखेर देतेहैं

नवादा में महादलित युवती से गैंगरेप, 4 आरोपी गिरफ्तार

नवादा। में मंगलवार को एक महादलित युवती के साथ गैंगरेप किया गया है। जानकारी के अनुसार घटना तब हुई जब वह लखनऊ से इलाज कराकर ई-रिक्शा से घर लौट रही थी। जहां अपराधियों ने उसे बहला-फुसलाकर सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी मिलते ही, पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 18 घंटे के अंदर सभी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार,युवती लखनऊ में अपना इलाज करवा रही थी। वहां से लौटने के बाद वह गयाजी में अपने रिश्तेदार के घर रुकी थी। अगले दिन सुबह उसके परिवार वालों ने उसे नवादा जाने वाली बस में बैठा दिया। सुबह करीब 8:30 बजे वह नवादा के सद्भावना चौक पर पहुंची। वहां से उसने घर जाने के लिए एक ई-रिक्शा लिया। ई-रिक्शा चालक ने रास्ते में अपने दो और साथियों को बुला लिया।

फिर वे सब मिलकर युवती को रसूलनगर के एक सुनसान घर में ले गए। वहां एक और आदमी पहले से मौजूद था। चारों ने मिलकर युवती के साथ दुष्कर्म किया और उसका मोबाइल छीनकर उसे वहां से भगा दिया।सभी आरोपी गिरफ्तारनवादा के सदर एसडीपीए-1 हुलास कुमार ने इस घटना के बारे में कहा कि एक युवती को झांसा देकर चार युवकों ने नवादा में दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पकड़े गए लोगों में मुमताज मंसूरी, मोहम्मद समीर, मोहम्मद अरमान और मोहम्मद साबिर शामिल हैं। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपी नवादा के नगर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। बताया कि सभी साक्ष्यों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। आरोपियों को स्पीड ट्रायल के तहत सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। फिलहाल युवती पुलिस की सुरक्षा में है और सभी आरोपी जेल भेज दिए गए हैं।

पोठिया प्रखंड में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर जागरुकता प्रोग्राम

पोठिया। कृषि महाविद्यालय किशनागज ३१कबुधवार को हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम युवाओं में भारतीय संविधान के प्रति सम्मान, समझ और जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सांरकृतिक एवं साहित्यिक प्रकोष्ठ प्रभारी दारा सह अधीष्टत सह प्राचार्य को पुष्प गुच्छ देकर तथा सह अधीष्टत सह प्राचार्य डॉक सत्यनारायण क द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सह अधीष्टत सह प्राचार्य ड. के. सत्यनारायण स्वागत भाषण में संविधान की भूमिका और उसके मूल्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय नागरिक के अधिकारों और कर्तव्यों का प्रतीक है। छात्रों दारा निवंध लेखन, भाषण और पोस्टर प्रदशंर्नी जैसे चंनात्मक माध्यमों से संविधान के मूल तत्वों जैसे स्वतंत्रता, समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता को प्रस्तुत किया गया। कार्यकम का उदेश्य विद्यार्थियों को उनके सवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा उनमें राष्ट्रीय स्वाभिमान की भावना को प्रबल करना था। अंत में कार्यक्रम का समापन धन्यवाद जापन के साथ हुआ। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम ने छात्रों संविधान क प्रति गवे और जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया ।

पूर्णिया बस स्टैंड में किराए को लेकर मारपीट

पूर्णिया। के बस स्टैंड में बस भाड़े को लेकर विवाद हुआ। इसमें यात्री और टिकट बुकर आपस में भिड़ गए। बस के बुकर ने सहयोगियों के साथ मिलकर यात्री को बेरहमी से पीटा और उसे लहूलुहान कर दिया। गुस्साए परिजन सड़क पर उतर आए। बस स्टैंड रोड को जाम कर मारपीट के विरोध में प्रदर्शन किया। मामला पटना जाने वाली मीरा बस से जुड़ा है। जबकि, बस के मालिक विमल झा ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। मारपीट और जाम की सूचना मिलते ही तीन थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। सहायक खजांची थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार ,भट्टा बाजार टीओपी प्रभारी राहुल कुमार और के.हाट थाना की एसआई प्रिया कुमारी के समझाने पर परिजनों का गुस्सा शांत हुआ और फिर बस स्टैंड रोड को जाम से मुक्त कराया जा सका। मारपीट में दोनों पक्षों से दो लोग जख्मी हैं। घायलों में बस का पैसेंजर के.नगर थाना क्षेत्र के बनियापट्टी निवासी अब्दुल कादिर और टिकट बुकर शामिल है।घटना के संबंध में मारपीट में जख्मी यात्री अब्दुल कादिर ने बताया कि वे किसी जरूरी काम से पटना जा रहे थे। इसके लिए वे पटना के लिए निकलने वाली मीरा बस की टिकट लेने लिए पहुंचे। टिकट बुकर अपनी मनमानी करते हुए टिकट की सामान्य कीमत 350 के बजाए 500 रुपए मांग रहा था।

किशनगंज दो मुन्ना भाई की गिरफ्तारी दूसरों को सिपाही बनाने के चक्कर में खुद ही चले गए जेल

किशनगंज। में केंद्रीय सिपाही चयन पार्षद द्वारा संचालित सिपाही भर्ती परीक्षा में दूसरे की जगह शामिल होने के आरोप में बुधवार को दो फर्जी अभ्यर्थी को पकड़ा गया है। दोनों जिला मुख्यालय के केंद्र में परीक्षा में शामिल होने आए थे।फर्जी अभ्यर्थी गुड्डू कुमार सौर बाजार के रहने वाले है ये सोनू कुमार की जगह चकला उत्क्रमित विद्यालय केंद्र में परीक्षा दे रहे थे। दूसरे अभ्यर्थी आदित्य राज सिमरी बख्तियारपुर सहरसा के रहने वाले है। आदित्य शत्रुघ्न कुमार की जगह जगन्नाथ स्कूल केंद्र पर परीक्षा दे रहे थे। बायोमैट्रिक जांच के दौरान दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने का खुलासा हुआ है। दोनों अभ्यर्थी अलग अलग केंद्रों में दूसरे की जगह परीक्षा देने आए थे।एसपी सागर कुमार ने बताया कि दो अलग अलग केंद्रों में परीक्षा देने आए दो फर्जी अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार जायसवाल के बढ़ती हुई लोकप्रियता से कुछ बरसाती मेंढक परेशान?

किशनगंज। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने जहां एक और राज्य के कार्यकताओं में नया जोश नया उमंग भर दिया है वहीं दूसरी ओर किशनगंज के दर्जनों बुद्धिजीवियों ने कहा कि डॉ दिलीप कुमार जायसवाल काम करना जानते हैं और इन्होंने काम करके दिखाया है लोगों ने कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव सर पर है ऐसा पहली बार देखा जा रहा है कि पूरे राज्य में कार्यकर्ता एकजुट होकर काम कर रहे हैं इसका लाभ आने वाले चुनाव में होगा जब के कई लोगों ने कहा के डॉक्टर दिलीप कुमार जायसवाल किसी परिचय का मोहताज नहीं है इन्होंने जिस तरह से बहुत कम समय में पार्टी और संगठन को एकजुट करने मैं सफलता प्राप्त की है इससे दूसरे राजनीतिक दलों में बौखलाहट और बेचैनी देखी जा रही है। बीजेपी की बढ़ती हुई शक्ति को देख राजनीतिक दलों में बेचैनी की लहर देखी जा रही है। और डॉक्टर दिलीप कुमार जायसवाल की बढ़ती हुई लोकप्रियता से कुछ बरसाती मेंढक बौखला गया है। लोगों ने कहा के डॉक्टर दिलीप कुमार जायसवाल ऐसे बरसाती मेंढकों का कोई जवाब नहीं देते हैं और ऐसे लोगों को जवाब देने के लायक भी नहीं समझते हैं बुद्धिजीवियों ने कहा के एक बात तो साफ हो चुका है की आने वाले विधानसभा चुनाव में बिहार में बीजेपी एक बड़ी ताकत बनकर उभरेगी।

किशनगंज की आम जनता ने कहा बीजेपी अगर अधिवक्ता शिशिर कुमार दास को किशनगंज विधानसभा से चुनावी मैदान में उतरती है तो बीजेपी को सीमांचल में होगा फायदा

किशनगंज के बुद्धिजीवियों ने कहा अधिवक्ता शिशिर कुमार दास ने पिछले 42 वर्षों से सीमांचल में संगठन के लिए काम कर रहे हैं।

किशनगंज। (एस एन बी) आज हम बात करेंगे किशनगंज के वरिष्ठ अधिवक्ता शिशिर कुमार दास की जो पिछले 45 वर्षों से किशनगंज ही नहीं बल्की सीमांचल के लोगों के लिए काम कर रहे हैं बात अगर बुद्धिजीवियों की की जाए तो बुद्धिजीवियों ने कहा के किशनगंज बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और सीनियर अधिवक्ता मिस्टर शिशिर कुमार दास किसी परिचय का मोहताज नहीं इन्होंने हमेशा गरीबों की मदद की है अमीरों की भी मदद की है बेसहारों को सहारा बनकर उन्हें सहारा देने का काम किया हजारों लोगों का मुकदमा न्यायालय में बिना फीस लिए अपने बेहतरीन तर्कों से पर भी करते हुए दोष मुक्त करवाया है इन्होंने किशनगंज के लोगों से कुछ नहीं लिया बल्कि हजारों लाखों घरों में खुशियां बिखरने का काम किया है यही कारण है के आज किशनगंज विधानसभा सीट से किशनगंज की जनता इन्हें बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर देखना चाहती है किशनगंज की जनता ने सोशल मूवमेंट के ब्यूरो चीफ अधिवक्ता नौशाद आलम से बात करते हुए कहा के भगवान ने सीनियर अधिवक्ता और बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट को किसी चीज की कमी नहीं दी है किशनगंज और सीमांचल ही नहीं बल्कि बिहार और बंगाल के लाखों लोगों के दिलों में बसते हैं शिशिर कुमार दास बुद्धिजीवियों ने कहा के यह इंसान जिसका नाम शिशिर कुमार दास है उन्होंने कभी भी पैसों को अहमियत नहीं दी उन्होंने हमेशा समाज के लिए काम किया है और आज भी कर रहे हैं विधायक या सांसद बनना अलग बात है जिस तरह से इन्होंने पिछले 45 वर्षों से बीजेपी को मजबूत करने का काम किया है इसे रहती दुनिया तक बुलाया नहीं जा सकता बुद्धिजीवियों ने कहा के अगर बीजेपी किशनगंज बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सीनियर अधिवक्ता शिशिर कुमार दास किशनगंज विधानसभा से उम्मीदवार बनाती है तो उनकी जीत पक्की है क्योंकि मिस्टर दास भले ही पिछले 45 वर्षों से बीजेपी और संगठन के लिए काम कर रहे हैं लेकिन इन्होंने समाज के सभी वर्गों के लिए काम किया है यही कारण है कि आज समाज के सभी वर्गों के लोगों ने कहा के अगर शिशिर कुमार दास विधानसभा में बीजेपी के उम्मीदवार बनाए जाते हैं तो इनकी जीत पक्की है क्योंकि इनको समाज के सभी जाति और वर्गों का वोट मिलेगा अल्पसंख्यकों का भी हजारों हजार वोट इनको मिलेगा क्योंकि इन्होंने किशनगंज के हजारों अल्पसंख्यक परिवारों के घरों में खुशियां बिखरने का काम किया है बात अगर अल्पसंख्यकों की की जाए तो अल्पसंख्यकों ने कहा कि मिस्टर दास अगर बीजेपी से उम्मीदवार बनाए जाते हैं तो हम लोग के दावे के साथ कह सकते हैं की मिस्टर दास को किशनगंज विधानसभा क्षेत्र में लगभग 14 से 15000 मुस्लिम वोट मिलेगा यह मुस्लिम वोट वह वोट होगा जिनके परिवारों के लिए मिस्टर दास ने बिना इसलिए अदालतों में उनके मुकदमों की पर भी करते हुए उन्हें दोष मुक्त करने का काम किया ऐसा हजारों परिवार है जो यह कह रहा है कि मुकदमों की बात तो छोड़िए मिस्टर दास हमारे ही इलाके का बेटा है हमारे ही इलाके का भाई है और दास ने यह साबित भी करके दिखाया है जब के किशनगंज के दर्जनों मुस्लिम परिवारों ने ब्यूरो चीफ से बात करते हुए कहा के हम लोग अपने अभिभावक और गरीबों के मसीहा हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार जायसवाल जी से आग्रह करते हैं प्रार्थना करते हैं अनुरोध करते हैं के एक बार किशनगंज विधानसभा सीट से बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और सीनियर अधिवक्ता शिशिर कुमार दास को चुनाव के मैदान में उतर कर नया रिकॉर्ड बना दे बुद्धिजीवियों ने कहा कि हम लोग यह दावे के साथ कह सकते हैं की आने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी एक नया रिकॉर्ड बनाएगी क्योंकि यह चुनाव सीमांचल के गांधी गरीबों के मसीहा बिहार के लाल बिहार का बेटा डॉक्टर दिलीप कुमार जायसवाल बिहार में अपनी पूरी टीम के साथ मेहनत कर रहे हैंकिशनगंज के बुद्धिजीवियों ने कहां के बीजेपी आला कमान और संघ के अधिकारियों से भी हम लोगों की अपील है के किशनगंज विधानसभा सीट जहां से बीजेपी को सिर्फ हार और हर का ही सामना करना पड़ रहा है जिसे जीत में बदलने के लिए एक बार और सिर्फ एक बार किशनगंज बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और सीनियर अधिवक्ता मिस्टर शिशिर कुमार दास को प्रत्याशी बनाकर हार को जीत में बदलकर कार्यकताओं का हौसला बुलंद करें

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना. डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

दीप्ति ने पहले वनडे में भारत को दिलाई जीत, इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट से जीता मैच

साउथम्पटन (एजेंसी)। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपने बल्लेबाजी कौशल और धैर्य का शानदार परिचय देते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा जिससे भारत ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट से जीत दर्ज की।

दीप्ति ने 64 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 62 रन बनाए जिससे भारत ने 259 रन का लक्ष्य 10 गेंद शेष रहते हुए हासिल कर दिया। इस तरह से भारत ने वनडे विश्व कप के लिए अपनी तैयारी की अच्छी शुरुआत भी की। दीप्ति ने अपनी पारी के दौरान जेमिमा रोड्रिग्स (54 गेंदों पर 48 रन) के साथ 14.2 ओवर में पांचवें विकेट के लिए 90 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। अंतिम ओवरों में ऑलराउंडर अमनजोत कौर (14 गेंदों पर 20 रन) ने भी अहम योगदान दिया।

भारत की तरफ से सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल (36), उप कप्तान स्मृति मंधाना (28), हरलीन देओल (27) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (17) अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाई जिससे भारत का स्कोर एक समय चार विकेट पर 124 रन हो गया था। इसके बाद दीप्ति और रोड्रिग्स ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत दीप्ति के प्रदर्शन से काफी खुश थीं और उन्होंने रोड्रिग्स की भी तारीफ की जो दो रन से अर्धशतक से चूक गईं। उन्होंने कहा, 'हमने जिस तरह की गेंदबाजी की, उससे मैं खुश हूं। हमने जिस तरह की बल्लेबाजी की, उससे भी बहुत खुश हूं, खासकर दीप्ति से। उसकी पारी अहम थी। हमें लगा कि हमने 20-30 रन ज़्यादा दे दिए। यह बल्लेबाज़ी के लिए अच्छा विकेट था। हम फ़ील्डिंग पर काम कर रहे हैं, हमने आज दो मौके गंवाए। हम बेहतर करने की कोशिश करेंगे। जेमी और दीप्ति ने जिस तरह से धैर्य पूर्ण बल्लेबाजी की उसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है।'

इससे पहले भारत की युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने दो विकेट झटककर प्रभावित किया लेकिन सोफिया डंकले की 92 गेंद में नाबाद 83 रन की पारी की मदद से इंग्लैंड ने छह विकेट पर 258 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। गौड़ (नौ ओवर में 55 रन देकर दो विकेट) और ऑफ स्पिनर स्नेह राणा (10 ओवर में 31 रन देकर दो विकेट) ने दो दो विकेट झटके। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद उसने 97 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे लेकिन एलिस डेविडसन रिचर्ड्स ने 73 गेंद में 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और डंकले के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 106 रन की भागीदारी निभाई। डंकले ने अपनी पारी में नौ चौके लगाए।

'मैंने यह ऋषभ पंत से सीखा है', दीप्ति शर्मा ने एक हाथ से लगाए छक्के का श्रेय पंत को दिया

साउथेम्पटन (यूके)। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ पहले वनडे में अपनी शानदार पारी पर बात की, जहां वह जेमिमा के साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रही थीं और ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थीं। दीप्ति शर्मा के शानदार अर्धशतक और ऑलराउंडर स्नेह राणा के शानदार स्पेल ने गुरुवार को साउथेम्पटन में तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में इंग्लैंड पर चार विकेट से जीत हासिल करने में भारत की अहम भूमिका निभाई। भारतीय महिला टीम ने अब अपने पिछले 12 वनडे में से 11 जीते हैं, और यह सिलसिला दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हुआ था। दीप्ति शर्मा ने मैच के बाद कहा, 'मैं ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थी। मैं जेमिमा के साथ साझेदारी बनाना चाहती थी, लगातार 5-6 रन प्रति ओवर बनाना चाहती थी। (उनके स्वीप शॉट्स पर) मैंने शुरुआती दिनों में इस पर काफी काम किया है, और इस तरह की पिच पर इससे मदद मिलती है। (एक हाथ से छक्का लगाने पर) मैं ये शॉट अभ्यास में खेलती हूं, मैंने ये ऋषभ पंत से सीखा है। हम पहले भी इंग्लैंड में खेल चुके हैं, हमें इन परिस्थितियों में मजा आता है।' दीप्ति शर्मा इस मैच में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं और उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। दीप्ति के नाबाद 62 रन भारतीय महिला टीम के लिए वनडे में छठे या उससे नीचे के क्रम पर रनों का पीछा करते हुए बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ वेदा कृष्णमूर्ति के 52* रन (विजयवाड़ा, 2016) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

बांग्लादेशी स्पिनर महेदी हसन की शानदार गेंदबाजी, हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। स्पिनर महेदी हसन ने बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच निर्णायक टी20आई मैच में 4-1-11-4 के औसत से शुरुआत की जिससे टाइगर्स ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में मैच और सीरीज दोनों जीतते हुए इतिहास रच दिया। एक छोर से गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए महेदी ने हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। महेदी ने पावरप्ले में दो ओवर फेंकते हुए किफायती चार विकेट लिए जिससे उन्होंने श्रीलंका के शीर्ष 5 बल्लेबाजों में से चार को आउट कर दिया, जिससे श्रीलंकाई टीम कोलंबो में निर्णायक मैच में सिर्फ 132/7 पर सिमट गई।

महेदी ने अपने शानदार स्पेल के जरिए आर प्रेमदासा स्टेडियम में टी20आई मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेहमान गेंदबाज होने का हरभजन का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरभजन ने 2012 के टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया था और केवल 12 रन देकर 4 विकेट लिए थे जबकि महेदी ने 4 विकेट के लिए 11 रन दिए।

किसी गेंदबाज के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकॉर्ड इस भारतीय स्पिनर के नाम था, लेकिन 2021 की सीरीज में वानिंदु हसरंगा ने 4-9 के उल्लेखनीय आंकड़े के साथ भारतीय के रिकॉर्ड को तहस-नहस कर दिया। जोश हेजलवुड (4-16) और महेदी के हमवतन मुस्तफिजुर रहमान (4-21) जैसे खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में मेहमान खिलाड़ियों के रूप में हरभजन के रिकॉर्ड को चुनौती दी है, लेकिन बांग्लादेशी स्पिनर ने इसे तोड़ा।

महेदी ने तीसरे नंबर पर आए कुसल परेरा के विकेट के साथ शुरुआत की जो पारी के दूसरे ओवर में गोल्डन डक पर आउट हो गए। स्पिनर ने पावरप्ले के पांचवें ओवर में दिनेश चांदीमल का विकेट लिया, इसके बाद श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका का भी विकेट लिया और उस समय 46 रन पर खेल रहे सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका की गेंद पर कैच एंड बोल्ड आउट हुए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगे आंद्रे रसेल

किंग्स्टन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल 22 जुलाई को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद अपने 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगे। रसेल की सबसे बड़ी उपलब्धि 2012 और 2016 में टी20 विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम का सदस्य होना है। वह 2019 से केवल टी20 प्रारूप में ही खेल रहे हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज का 84 टी20 अंतरराष्ट्रीय, 56 वनडे और एक टेस्ट मैच में प्रतिनिधित्व किया है।

जमैका के इस 37 वर्षीय खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया था, लेकिन वह अपने अंतिम दो अंतरराष्ट्रीय मैच 20 और 22 जुलाई को अपने घरेलू मैदान सबीना पार्क में खेलेंगे। रसेल ने भारत और श्रीलंका में 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप से सिर्फ सात महीने पहले अपने फैसले की घोषणा की।

रसेल ने क्रिकेट वेस्टइंडीज द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन की सबसे गौरवपूर्ण उपलब्धियों में से एक है।% इस आक्रामक ऑलराउंडर ने 84 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 61 विकेट लिए हैं और 1078 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के 30 साल की उम्र से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने की घोषणा के एक महीने बाद वह संन्यास ले रहे हैं।

चौथे टेस्ट से कटेगा करुण नायर का पत्ता! इस युवा बल्लेबाज को मिल सकता है मौका

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। वहीं पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती तीन मैचों में भारत के ज्यादातर बल्लेबाजों ने बड़े रन बटोरे हैं लेकिन करुण नायर को दूसरा मौका दिया फिर भी वह उसे भूना नहीं पाए। चौथे टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन तय होने पर सिर्फ उन्हीं का नाम हट सकता है। आठ साल बाद टीम इंडिया के लिए वापसी कर रहे करुण नायर ने अपनी 6 पारियों में से ज्यादातर में अच्छी शुरुआत की लेकिन वह उसे बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए।

वहीं पूर्व भारतीय विकेटकीपर दीप दासगुप्ता का कहना है कि सुदर्शन को वापस लाने का समय आ गया है। लॉर्ड्स में दूसरी पारी में वह ब्रायडन कार्स की अंदर आती गेंद की लाइन एंव लेंथ का सही अनुमान नहीं लगा पाए और आउट हो गए। तीसरे नंबर पर भारत को नायर से मजबूती दिलाने की उम्मीद थी क्योंकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का पहाड़ खड़ा करने के बाद राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। भारत पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है और अगला मैच अभी एक हफ्ते दूर हे, ऐसे में प्रबंधन को फैसला लेना होगा कि नायर के साथ बने रहें या फिर युवा साई सुदर्शन को मौका दिया जाए। जिन्हें अपने पहले मैच के बाद अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था। बाहर किए गए बाएं हाथ के इस बेहतरीन बल्लेबाज कोई बड़ी गलती नहीं की और ऐसा आठवें नंबर पर एक अतिरिक्त बल्लेबाजी विकल्प को शामिल करने के लिए किया गया।

दासगुप्ता ने पीटीआई से कहा कि, आप अब भी सीरीज में बने हुए हैं क्योंकि लॉर्ड्स टेस्ट मैच भी बेहद करीबी था। नतीजा किसी भी तरफ जा सकता था। उन्होंने कहा कि, लेकिन मैं तीसरे नंबर पर देख रहा हूं। क्या करुण नायर अब भी खेलते रहेंगे या आप साई सुदर्शन जैसे युवा खिलाड़ी को खिलाना चाहेंगे। जो पहले टेस्ट मैच की आखिरी पारी में सहज दिखे थे?

जडेजा इंग्लैंड में 1000 रन बनाने के करीब पहुंचे

लंदन। भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक और कीर्तिमान के करीब पहुंच गए हैं। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए, हालांकि भारत यह मुकाबला 22 रन से हार गया। यह जडेजा का इंग्लैंड में लगातार चौथा अर्धशतक था, जिसमें बर्मिंघम और लॉर्ड्स दोनों में जुड़वां फिफ्टी शामिल हैं। इस तरह वे सौरव गांगुली और ऋषभ पंत के क्लब में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड में लगातार चार बार 50+ स्कोर बनाए थे। लॉर्ड्स टेस्ट की चौथी पारी में यह जडेजा का पहला अर्धशतक रहा। इंग्लैंड में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने अब तक 942 रन बना लिए हैं, जिससे वह वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर गैरी सोबर्स (1097 रन) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। इस दौरान जडेजा ने एक शतक और सात अर्धशतक लगाए हैं। भारत की दूसरी पारी में सातवां विकेट गिरने के बाद टीम ने 301 गेंदें खेलीं, जो टेस्ट की चौथी पारी में अंतिम तीन साझेदारियों में सबसे अधिक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 294 गेंदों का था, जो इंग्लैंड ने 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ बनाया था। जडेजा और जसप्रीत बुमराह ने 22 ओवर तक साझेदारी निभाई, जो पिछले दस वर्षों में भारत के लिए 9वें या 10वें विकेट के लिए सबसे लंबी साझेदारी रही।

कैफ का चौकाने वाला दावा: इंग्लैंड ने बुमराह को चोटिल करने की रची थी साजिश

नईदिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने लॉर्ड्स टेस्ट को लेकर एक चौंकाने वाला दावा किया है। उनके अनुसार, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफा आर्चर ने जानबूझकर जसप्रीत बुमराह को चोटिल करने की साजिश रची थी। लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए इस मैच की आखिरी पारी में जसप्रीत बुमराह ने बेहद साहसिक बल्लेबाजी की

थी और रविंद्र जडेजा के साथ मिलकर इंग्लैंड की जीत की उम्मीदों को झटका देना शुरू कर दिया था। भारत को 193 रनों का लक्ष्य मिला था और आखिरी विकेट के लिए बुमराह-जडेजा की जोड़ी डटकर खेल रही थी, तभी इंग्लैंड ने आक्रामक रणनीति अपनाई। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि जैसे-जैसे भारतीय जोड़ी लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी, इंग्लैंड खेमे में घबराहट बढ़ती जा रही थी। इसी दबाव में स्टोक्स और आर्चर ने बुमराह पर बाउंसर फेंकने की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि अगर बुमराह आउट नहीं होते, तो उनका इरादा उन्हें चोटिल करने का था। कैफ के मुताबिक, गेंदबाजों के दिमाग में अकसर यह बात रहती है कि विरोधी टीम के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी को किसी तरह चोट पहुंचाकर बाहर किया जाए। यही सोच इंग्लैंड के गेंदबाजों की भी थी, जो अंत में सफल रही और बुमराह का विकेट गिर गया। इस साझेदारी के दौरान बुमराह ने 54 गेंदों का सामना किया और केवल 5 रन बनाए, लेकिन उनका विकेट इंग्लैंड के लिए सबसे अहम साबित हुआ। भारत यह मैच 22 रनों से हार गया और सीरीज में इंग्लैंड ने 2-1 की बढ़त बना ली। कैफ ने यह भी बताया कि इंग्लैंड ने मोहम्मद सिराज को भी निशाना बनाने की कोशिश की थी और एक बार तो उनके कंधे पर गेंद लगी थी।

प्रो लीग में खराब प्रदर्शन भारतीय टीम के लिए एक चेतावनी: श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व महान हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश का मानना है कि एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का खराब प्रदर्शन अगस्त में होने वाले एशिया कप से पहले एक चेतावनी है।

श्रीजेश ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए, हमने मैदान पर कड़ी टक्कर दी, लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि परिणाम हमारे खिलाफ जाता है। यह परिणाम एशिया कप और अगले साल होने वाले विश्वकप और एशियाई खेलों जैसे अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले हमारे लिए एक चेतावनी है।'

भारत एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में लगातार सात हार के बाद अंक तालिका में आठवें स्थान पर रहा था। एशिया कप 2025 राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। हॉकी विश्वकप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 14 से 30 अगस्त तक खेला जायेगा। एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर, 2026 तक आयोजित होंगे। श्रीजेश ने इस बात पर खुशी जताई कि अधिक से अधिक लोग स्वस्थ रहने के लिए दौड़ को अपना रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'प्रत्येक वर्ष अधिक लोग इसमें शामिल हो रहे हैं और दौड़ना (दिल्ली हाफ मैराथन में) और भी लोकप्रिय होता जा रहा है, यह रोमांचक है, लोगों को स्वयं को चुनौती देनी चाहिए और लय में आना चाहिए।' भारत की पुरुष राष्ट्रीय अंडर-21 टीम के मुख्य कोच ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ी दबाव से निपटना सीखें। उन्होंने कहा, 'एक कोच के रूप में मेरा काम खिलाड़ियों पर से दबाव कम करना है। मैं उन्हें बताता हूँ कि जूनियर विश्वकप के दौरान लगभग 10 हजार लोग आपका उत्साहवर्धन करेंगे और चिल्लायेंगे, इन बातों को स्वीकार करें। एक कोच होने के नाते खिलाड़ियों के साथ अपने खेल के अनुभव को साझा करना बहुत महत्वपूर्ण है।' पुरुष एफआईएच हॉकी जूनियर विश्वकप 2025 चेन्नई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज-पाकिस्तान मैच फॉर्मेट को लेकर नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच अगस्त में प्रस्तावित क्रिकेट सीरीज को लेकर दोनों देशों के बोर्डों में असहमति का माहौल बन गया है। 1 से 12 अगस्त तक अमेरिका और कैरेबियाई द्वीपों में दोनों टीमों को तीन-तीन टी20 और वनडे मैच खेलने हैं, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि यह पूरी सीरीज केवल टी20 प्रारूप में खेली जाए। इसके विपरीत वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इस मांग को स्वीकार नहीं कर रहा और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी मैच कराने पर अड़ा है। पाकिस्तान का तर्क है कि अगले साल भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप होना है, ऐसे में टीम को ज्यादा से ज्यादा टी20 मैच खेलने चाहिए ताकि तैयारी पुख्ता की जा सके। इसी कारण पीसीबी वनडे सीरीज को भी टी20 सीरीज में बदलने का आग्रह कर रहा है। लेकिन वेस्टइंडीज की स्थिति अलग है। पिछली बार जब भारत में वनडे विश्व कप खेला गया था, तो वेस्टइंडीज की टीम उसमें जगह नहीं बना पाई थी। इसी वजह से वह 50 ओवर के मुकाबलों को लेकर गंभीर है और इस फॉर्मेट में ज्यादा मैच खेलना चाहता है। इस विवाद पर वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेहरिंग ने कहा कि फिलहाल शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पीसीबी से बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान सिंगापुर में और चर्चा होगी। वेस्टइंडीज बोर्ड इस बात को लेकर आश्वस्त है कि त्रिनिदाद में खेले जाने वाले मैच वनडे ही होंगे और किसी बदलाव की संभावना कम है। मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार, 1, 2 और 4 अगस्त को अमेरिका के फ्लोरिडा में तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि 8, 10 और 12 अगस्त को त्रिनिदाद के तारोबा में तीन वनडे मैच होंगे। दोनों बोर्डों के बीच इस फॉर्मेट विवाद का हल सिंगापुर में होने वाली बातचीत के बाद ही निकलने की उम्मीद है। अगर सहमति नहीं बनती, तो सीरीज के आयोजन पर भी असर पड़ सकता है।

ऋषभ पंत को तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है : जैक रसेले

लंदन। लंदन के एक पॉश इलाके में पेंटिंग बनाने में व्यस्त इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज जैक रसेल का मानना है कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं लेकिन उन्हें विकेटकीपिंग की कुछ तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है। रसेल को क्रिकेट जगत की खबरों पर नजर रखना पसंद है। अगर वह मैदान पर नहीं होते तो वह लाइव स्कोर देखते हैं। वह रोज पेंटिंग करते है, फिर भी उन्होंने भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के लिए लॉर्ड्स जाने का समय निकाला। खुद एक विकेटकीपर होने के नाते उनके पास जैमी स्मिथ और पंत जैसे खिलाड़ियों के लिए एक सलाह भी है। उन्होंने कहा, 'कई अच्छे विकेटकीपर रहे हैं। मैं कहूंगा कि मेरे समय में एलन नॉट और बॉब टेलर मेरे दो नायक थे।' रसेल ने कहा, 'लेकिन मुझे सैयद किरमानी को देखना पसंद था। जब मैं छोटा था, तब मैं उन्हें बहुत देखता था। मुझे लगता था कि वह एक अच्छे विकेटकीपर हैं।' मौजूदा विकेटकीपरों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'पंत की बात करूं तो आपको उन्हें खेलते हुए देखना पंसद आएगा ही। वह चाहे बल्लेबाजी कर रहे हों, या विकेटकीपिंग, आपको उन्हें देखना अच्छा लगेगा। इसलिए वह एक मनोरंजक खिलाड़ी हैं।' उन्होंने कहा, 'और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि वह कार दुर्घटना के बाद भी क्रिकेट भी खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ी जैमी स्मिथ इंग्लैंड के सर्वकालिक महानतम बल्लेबाज और विकेटकीपर बनेंगे क्योंकि उनमें बहुत हुनर है। आप उसे गिलक्रिस्ट की श्रेणी में रख सकते हैं।' पंत की विकेटकीपिंग में किसी कमी के बारे में पूछने पर रसेल ने कहा, 'वह गलतियां करेगा क्योंकि तकनीकी रूप से कुछ चीजें हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत है। लेकिन वह शानदार प्रदर्शन करेगा और गलतियां भी करेगा। ज्यादातर विकेटकीपर गलतियां करते हैं। इंग्लैंड में विकेट लेना काफी मुश्किल है। इसलिए वह यहां परफेक्ट नहीं होगा, लेकिन उसकी बल्लेबाजी बहुत मजबूत है।' रसेल ने कहा, 'पर उसे विकेटकीपिंग में कुछ काम करने की जरूरत है, स्टंप तक खड़े होने में बस थोड़े-बहुत बदलाव करने होंगे। अगर वह मुझसे पूछेगा तो मैं उसे बता दूंगा। लेकिन ये छोटी चीजें हैं।'

'जब वह खेलते हैं तो टीम ज्यादा हारती है', चौथे टेस्ट से पहले पूर्व इंग्लैंड स्टार का बुमराह पर बड़ा बयान

लंदन (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह का कार्यभार टीम के लिए सिरदर्द बना हुआ है क्योंकि यह तेज गेंदबाज इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों में से एक से बाहर हो सकते हैं। वहीं इस चर्चा के बीच इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड का मानना है कि जब बुमराह प्लेइंग 11 का हिस्सा होते हैं तो भारत ज़्यादा मैच हारता है। इंग्लैंड लॉर्ड्स में करीबी जीत के बाद पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है।

इंग्लैंड दौरे की शुरुआत से पहले भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि की थी कि बुमराह इंग्लैंड में 5 में से दो मैचों में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि प्रबंधन और खिलाड़ी खुद जोखिम लेने के मूड में नहीं हैं। अब तक बुमराह ने तीन में से दो मैच खेले हैं, जिनमें से भारत हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में खेले गए दोनों मुकाबलों में हार गया। उनकी अनुपस्थिति में आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को एजबेस्टन में इंग्लैंड को हराने में मदद की।

पिछले हफ्ते लॉर्ड्स में इंग्लैंड के हाथों भारत की 22 रनों से हार के बाद ऐसी खबरें आ रही थीं कि बुमराह को 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले मैच के लिए आराम दिया जा सकता है। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह के मैनचेस्टर में खेलने की संभावना है, क्योंकि भारत ओवल में होने वाले अंतिम मैच से पहले सीरीज बराबर करने के लिए बेताब है।

लॉयड ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट को बताया, 'उन्होंने यही कहा है और कोच गौतम गंभीर ने भी यही कहा है कि वह 5 में से तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। इसलिए उनके पास एक विकल्प है। अभी दो मैच बाकी हैं। वह दो मैच खेल चुके हैं। अगर वे अपनी बात पर खरे उतरते हैं, तो उन्हें ओल्ड ट्रैफर्ड में अगला मैच खेलना चाहिए। लेकिन फिर आप जानते हैं, वे इसे बदल सकते हैं, है ना? अगर वह ओल्ड ट्रैफर्ड में अगला मैच खेलते हैं और वे 2-2 से बराबरी कर लेते हैं, तो आप सोचेंगे कि वह ओवल में भी खेलेंगे। मैं अभी कुछ और अनुमान लगा रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि वह अगला मैच खेलेंगे और देखेंगे कि वे कहां हैं। अगर इंग्लैंड 3-1 से हार जाता है, तो वह नहीं खेलेंगे। लेकिन अगर 2-2 का स्कोर होता है, तो वह ओवल में खेलेंगे।'

लॉयड ने बुमराह पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जब वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होते हैं तो भारत ज़्यादा मैच हारता है। उन्होंने आगे कहा, 'यह असाधारण है। ऐसा कहा जाता था कि जब वह खेलते हैं तो टीम ज़्यादा हारती है, बजाय इसके कि जब वह नहीं खेलते और वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं। उनका एक्शन अजीब और खराब है, लेकिन वह पूरी तरह से अच्छे गेंदबाज हैं।' 2018 में अपने पदार्पण के बाद से बुमराह ने 47 टेस्ट मैच खेले हैं और उनमें टीम का जीत-हार का रिकॉर्ड 20-23 है।

रिद्धिमान साहा देंगे खिलाड़ियों को कोचिंग, यह राज्य मुख्य कोच बनाने की तैयारी में

नई दिल्ली। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास लेने के छह महीने बाद भारत के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक रिद्धिमान साहा कोचिंग के क्षेत्र में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं क्योंकि बंगाल क्रिकेट संघ (CAB) ने उन्हें अंडर-23 राज्य टीम का मुख्य

कोच नियुक्त करने में दिलचस्पी दिखाई है। इस 40 वर्षीय ने इस साल जनवरी में रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लीग चरण अभियान के अंत में प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऐसा माना जा रहा है कि बंगाल के पूर्व कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला सीनियर टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे जबकि पूर्व ऑफ स्पिनर सौरभ लाहिड़ी अंडर-19 टीम के कोच होंगे। CAB के एक वरिष्ठ सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'CAB के अधिकारी अगले हफ्ते तक विभिन्न टीमों के लिए सभी उम्मीदवारों पर फैसला कर लेंगे। निश्चित रूप से रिद्धिमान से बात हो चुकी है और अगले हफ्ते अंतिम फैसला लिया जाएगा। सौरव गांगुली और पंकज रॉय के अलावा वह 40 टेस्ट के साथ बंगाल का बड़ा नाम हैं।' उन्होंने कहा, 'इतने लंबे समय तक शीर्ष स्तर का क्रिकेट खेलने का उनका अनुभव बंगाल क्रिकेट की अगली पीढ़ी के लिए फायदेमंद साबित होगा। रिद्धिमान पहले से ही कई कोचिंग सेंटर चलाते हैं और वह जूनियर खिलाड़ियों के लिए एक बेहद अनुभवी कोच रहे हैं। वह कोचिंग के प्रति जुनूनी हैं। उम्मीद है कि वह इसके लिए तैयार होंगे।'

इंडिगो विमान का हवा में इंजन फेल, मुंबई में कराना पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट की मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। इंडिगो ने बयान जारी कर कहा, 'फ्लाइट संख्या 6ई-231 को तकनीकी खराबी के कारण उसे मुंबई में प्राथमिकता के आधार पर उतारा गया है। विमान की जांच की जा रही है और यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। इंडिगो के एक विमान का एक इंजन कथित तौर पर फेल हो जाने के कारण उसे बुधवार को मुंबई हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंडिगो विमान के उड़ान भरने के बाद पायलट ने रात करीब 9:25 बजे हवाई यातायात नियंत्रण को आपातकालीन स्थिति की सूचना दी। इसके बाद रात करीब 9:42 बजे विमान की सुरक्षित लैंडिंग मुंबई एयरपोर्ट पर कराई गई। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। कई फ्लाइट ट्रैकर्स ने दिखाया है कि इंडिगो की एक फ्लाइट ने रात करीब 8 बजे दिल्ली से गोवा के लिए उड़ान भरी लेकिन उसे मुंबई की ओर मोड़ दिया गया, जहां वह रात 10 बजे के करीब छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी।

महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गांव में पहली बार पहुंची बस

- ग्रामीणों ने तिरंगा लहराकर बस का स्वागत किया

गढ़चिरौली (एजेंसी)। गढ़चिरौली, महाराष्ट्र कभी नक्सल प्रभावित रहे गढ़चिरौली जिले के सुदूर मरकनार गांव में आजादी के बाद पहली बार सरकारी बस सेवा शुरू हुई है। जैसे ही पहली बस गांव पहुंची, ग्रामीणों ने तिरंगा लहराकर उसका स्वागत किया। मरकनार गांव भामरागढ़ उपखंड के अबूझमाड़ क्षेत्र की तलहटी में स्थित है, जो पहले नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। खराब कनेक्टिविटी के चलते यह इलाका अब तक मुख्यधारा से कटा हुआ था। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल की पहल पर राज्य परिवहन की यह सेवा शुरू की गई है। नई बस सेवा से मरकनार के साथ-साथ मुरुंभुशी, फुलनार, कोपरशी, पोयारकोठी और गुंडुरवाही जैसे गांवों के करीब 1,200 निवासी लाभान्वित होंगे। इससे खासतौर पर छात्रों, मरीजों और अन्य यात्रियों को राहत मिलेगी। गढ़चिरौली पुलिस ने हाल के वर्षों में दूरदराज इलाकों में सड़कों और पुलों का तेजी से निर्माण किया है। बीते पांच वर्षों में जिले में 420.95 किलोमीटर लंबी 20 सड़कों और 60 पुलों का निर्माण पुलिस संरक्षण में किया गया है। इसके अलावा जनवरी 2025 को गट्टा-गरदेवड़ा-वांगेतुरी मार्ग और अप्रैल 2025 को कटेझर से गढ़चिरौली तक बस सेवाएं शुरू की जा चुकी हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 तक नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में यह परिवहन सेवा एक बड़ा कदम मानी जा रही है, जो विकास और विश्वास की नई राह खोल रही है।

सेना का जवान दुश्मन को भेज रहा था सेना की जानकारी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ी जासूसी को लेकर चल रही जांच में नया मोड़ आ गया है। पंजाब पुलिस के राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ एसएएस नगर ने भारतीय सेना के सेवारत जवान देविंदर सिंह को गोपनीय सैन्य जानकारी लीक करने में कथित तौर पर मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी 14 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी में की गई थी। इससे पहले इस मामले में गिरफ्तार किए गए पूर्व सैनिक गुरप्रीत सिंह उर्फ गुरी या फौजी ने भी खुलासा किया था। एआईजी के मुताबिक संगरूर जिले के निहालगढ़ निवासी देविंदर सिंह ने गुरप्रीत के फिरोजपुर जेल में बंद रहने के दौरान भारतीय सेना के दस्तावेज़ हासिल करने में भूमिका निभाई थी। माना जा रहा है कि इन दस्तावेज़ों में संवेदनशील रक्षा जानकारी शामिल थी और कथित तौर पर इन्हें पाकिस्तान की आईएसआई को भेजा गया था। पूछताछ से पता चलता है कि देविंदर और गुरप्रीत की पहली मुलाकात 2017 में पुणे में सैन्य प्रशिक्षण के दौरान हुई थी और वे सिक्किम और जम्मू-कश्मीर में कई पदों पर साथ कार्यरत रहे। देविंदर सिंह को 15 जुलाई को मोहाली की कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे छह दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को रोहिंग्या घुसपैठियों से मुक्त करने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग से राज्य की मतदाता सूची को रोहिंग्या घुसपैठियों से मुक्त करने की मांग की। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा विधायकों के साथ विधानसभा से लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय तक मार्च निकाला और सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। अधिकारी ने आरोप लगाया कि बंगाल में फर्जी आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र और वोटर आईडी (ईपीआईसी) कार्ड बनाने का गढ़ बन गया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को जनसंख्या संतुलन की चिंता नहीं, उन्हें सिर्फ वोटर लिस्ट की चिंता है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार रोहिंग्या की पहचान के चल रहे काम में बाधा डाल रही है, ताकि अपने वोट बैंक को सुरक्षित रख सके। भाजपा नेता अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लगभग सभी हिस्सों में रोहिंग्या मुसलमानों की मौजूदगी है। उन्होंने मांग की कि बिहार की तरह बंगाल में भी रोहिंग्या को वोटर लिस्ट से हटाया जाए और इसके लिए तत्काल घर-घर जाकर सर्वे कराया जाए। शुभेंदु अधिकारी ने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की बात कही। साथ ही कहा कि सीईओ को राज्य और केंद्र सरकार के कम से कम 50 फीसद कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात करने चाहिए। अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है।

अहमदाबाद विमान हादसा: पूरी जांच से पहले कैप्टन को दोष देना बिल्कुल गलत

अमेरिकी मीडिया ने लिखी एआई-171 की नई कहानी, तो मिला तगड़ा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पायलट महासंघ (एफआईपी) ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) में प्रकाशित एक लेख की कड़ी आलोचना की है, जिसमें अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया हादसे के लिए कैप्टन को गलत तरीके से दोषी ठहराने का आरोप लगाया गया है। डब्ल्यूएसजे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह दुर्घटना विमान में ईंधन नियंत्रण स्विच की गति से जुड़ी पायलट की गलती का परिणाम थी। एफआईपी प्रमुख सीएस रंधावा ने अमेरिकी मीडिया संस्थान की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले हफ्ते जारी विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जाँच रिपोर्ट में दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी नहीं ठहराया गया है।

रिपोर्ट में कहीं भी यह उल्लेख नहीं किया गया है कि पायलट की गलती के कारण ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गया था। मैं वॉल स्ट्रीट जर्नल के लेख की निंदा करता हूँ। उन्होंने कहा कि यह पायलट की गलती थी। उन्होंने रिपोर्ट को ठीक से नहीं पढ़ा है, और हम एफआईपी के माध्यम से उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे, 'रंधावा ने समाचार एजेंसी को बताया। उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से हैं। मैंने वॉल स्ट्रीट जर्नल को अपनी राय नहीं दी, जिसने मुझसे भी संपर्क किया था, क्योंकि मैं इस अमेरिकी मीडिया के खिलाफ हूं। वे जानबूझकर इस रिपोर्ट से अपनी राय, अपने विचार दे रहे हैं, जबकि रिपोर्ट में ऐसा कुछ भी नहीं है। इसलिए मैं वॉल स्ट्रीट जर्नल की इस रिपोर्ट की बहुत कड़ी निंदा करता हूं और हम इस पर कार्रवाई करेंगे।

एएआईबी रिपोर्ट से क्या पता चला?

एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि उड़ान भरने के तुरंत बाद दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच रन की बजाय कट-ऑफ स्थिति में पाए गए थे। रिपोर्ट में पायलटों के बीच हुई एक संक्षिप्त लेकिन भयावह बातचीत का हवाला दिया गया ह। जिसमें एक ने पूछा आपने ईंधन क्यों बंद किया। दूसरे ने जवाब दिया, मैंने ऐसा नहीं किया। हालाँकि, रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किस पायलट ने क्या बयान दिया, न ही यह बताया गया कि यह कृत्य जानबूझकर किया गया था या दुर्घटनावश।

भाजपा अध्यक्ष के नाम पर संघ और भाजपा के बीच नहीं बन पा रही सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय से भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का इंतजार किया जा रहा है। लेकिन भाजपा को नया अध्यक्ष नहीं मिल पा रहा है। इसकी मूल वजह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्र के मुताबिक हाल ही में दो-दो केंद्रीय मंत्रियों के नाम भाजपा अध्यक्ष के पद के लिए आरएसएस को भेजे गए थे, लेकिन उनमें से किसी के नाम पर भी सहमति नहीं बन सकी है।

इससे पहले खबर आई थी कि भाजपा अपने इतिहास में पहली बार किसी महिला नेता के हाथों में पार्टी की कमान सौंप सकती है। उनमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का नाम प्रमुख था। इसके अलावा दो और केंद्रीय मंत्रियों के नाम इस रेस में थे, जनमें मनोहर लाल खट्टर और शिवराज सिंह चौहान शामिल हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम के चयन के साथ-साथ भाजपा के लिए देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के अगले प्रदेश अध्यक्ष के नाम की भी चुनौती बनी हुई है। सूत्रों का कहना है कि यूपी में भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति पर भी अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के बीच सहमति नहीं बन सकी है। भाजपा की तरफ से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव का नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भेजा गया था। दोनों ही नेताओं को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है। आरएसएस का मानना है कि भाजपा को 2029 के बाद के युग के लिए तैयार करना जरूरी है। संघ भाजपा के लिए अगली और एक नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है। आरएसएस चाहता है कि भाजपा को एक रबर स्टांप अध्यक्ष की जगह एक मजबूत नेतृत्व मिले जिसे पार्टी के कार्यकर्ता भी पसंद करते हों। वह नरेंद्र मोदी के बाद भाजपा को संभालने में सक्षम हो। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, आरएसएस और भाजपा के वर्तमान नेतृत्व के बीच तीन दौर की बैठकों के बाद भी सहमति नहीं बनी है। आगे और चर्चा होनी है।

पहलगाम हमले के आंतकियों की हुई पहचान...जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा: उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की पहचान हो गई है और जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि कश्मीर घाटी में शांति भंग करने की कोई भी कोशिश कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के द्वारा पाकिस्तान को कड़ी प्रतिक्रिया मिली। हमले को अंजाम देने वालों की पहचान कर ली गई है और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अब उनका जिंदा रहना मुश्किल है। बहुज जल्द अच्छी खबरें जरूर आएगी, लेकिन कोई निश्चित तारीख बताना अभी उचित नहीं होगा। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि पिछले पांच साल में विभिन्न आतंकवादी संगठनों के शीर्ष आका भी अब जिंदा नहीं रहे और उनका (आतंकियों का) भी यही हश्र होगा।

बता दें कि पिछले दिनों एक साक्षात्कार में सिन्हा ने कहा था कि वे पहलगाम हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। इस पर प्रतिक्रिया देकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि उपराज्यपाल सिन्हा ने देर से ही सही, लेकिन आखिरकार स्वीकार किया कि पहलगाम हमले के लिए खुफिया विफलता जिम्मेदार थी। उन्होंने इस आतंकवादी हमले के सिलसिले में जिम्मेदारी तय करने का आह्वान किया, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। उमर ने कहा, 80 दिन बाद ही सही, लेकिन देर आए दुरुस्त आए। हमने यह (पहले) नहीं कहा, जबकि हम जानते थे कि इतना बड़ा हमला (खुफिया) विफलता के बिना नहीं हो सकता।

महाराष्ट्र विधानसभा में हनीट्रैप प्रकरण को लेकर विपक्ष हमलावर... उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कार्रवाई का भरोसा दिया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा में गुरुवार को तथाकथित हनीट्रैप प्रकरण को लेकर हंगामा मच गया है। महाराष्ट्र सरकार पर कार्रवाई न करने और मामले को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाकर विपक्षी दलों ने विधानसभा से वॉकआउट किया। यह मुद्दा सबसे पहले कांग्रेस नेता नाना पटोले ने उठाया। उन्होंने इस गंभीर मामले की जांच और ठोस कार्रवाई की मांग की थी। बीतों दिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने फडणवीस सरकार को निर्देश दिया था कि इस पर उचित कार्रवाई कर सदन को जवाब दिया जाए।

कांग्रेस नेता पटोले ने गुरुवार को फिर से मामले को उठाया। उनकी मांग का एनसीपी-एसपी नेता जयंत पाटिल और शिवसेना (उद्धव गुट) के विधायक भास्कर जाधव ने समर्थन किया। इसके बाद अध्यक्ष नार्वेकर ने सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए कि शुक्रवार को अधिवेशन के समाप्त होने से पहले मुद्दे पर कार्रवाई कर सदन को जानकारी दी जाए। इस पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सहमति जताकर कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

हालांकि, विपक्ष का कहना है कि सरकार इस संवेदनशील विषय को लेकर ढीलापन दिखा रही है और जनता के साथ न्याय नहीं कर रही है। इन आरोपों के बाद विपक्षी विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

दरअसल, कुछ दिन पहले महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में उच्च पदस्थ अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों को कथित तौर पर हनीट्रैप में फंसाने का मामला आया था। यह खुलासा तब हुआ, जब कुछ अधिकारियों की ओर से पुलिस में शिकायतें दी गईं। दावा है कि उच्च पदस्थ अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाकर उनसे रंगदारी वसूलने की कोशिश की गई थी।

एडवाइजरी: ईरान में गैर-जरूरी यात्रा से बचें भारतीय नागरिक, निकलने के लिए सेवाएं मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य-पूर्व में बने हुए तनाव के बीच भारत ने ईरान में अपने नागरिकों के लिए एक जरूरी परामर्श जारी किया है। जिसमें उन्हें उभरते हुए हालातों को देखते हुए ईरान में किसी भी प्रकार की गैर-आवश्यक यात्रा न करने की सलाह दी गई है। यह जानकारी ईरान में भारतीय दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए दी है। जिसमें कहा गया है कि बीते कुछ सप्ताहों से बने हुए सुरक्षा घटनाक्रमों के बीच भारतीय नागरिक ईरान में अपनी तमाम गैर-जरूरी यात्राओं से बचें और लगातार क्षेत्रीय गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। इसके अलावा ईरान में किसी भी यात्रा से पहले भारतीय अधिकारियों-प्राधिकारियों द्वारा जारी किए जाने वाले अपडेटेड परामर्श पर ध्यान दें। मालूम हो कि दूतावास का यह परामर्श इजरायल-ईरान युद्ध से जुड़ा हुआ है। जिसमें अभी फिलहाल दोनों देशों के बीच युद्धविराम लागू (13 जून 2025 से) है। लेकिन क्षेत्र में हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। इसलिए ये कहना मुश्किल है कि युद्ध के बीच बनी हुई यह अस्थायी शांति कब तक कायम रहेगी। दोनों देशों के मध्य तनाव के बीच भारत ने बातचीत और कूटनीति के जरिए समस्या के समाधान पर जोर दिया है।

दूतावास के मुताबिक, ईरान में मौजूद भारत के नागरिक अगर इस संवेदनशील परिस्थिति के बीच वहां से बाहर निकलना चाहते हैं। तो उनके लिए वाणिज्यिक उड़ान सेवाओं के साथ ही नौका सेवा का विकल्प भी मौजूद है। ईरान में भारतीयों की कुल संख्या करीब 10 हजार है। जिसमें मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों की तादाद अधिक है। वहीं, मौजूदा तनाव के बीच भारत ने ऑपरेशन सिंधु के जरिए बीते समय में 800 से अधिक भारतीयों की ईरान से सुरक्षित स्वदेश वापसी कराई है। यह अभियान फिलहाल जारी है, भारत की ईरान के समूचे घटनाक्रम पर पैनी नजर बनी हुई है। पिछले मंगलवार को चीन के तियानजिन में आयोजित किए गए शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों की एक मुलाकात भी हुई थी। जिसे लेकर डॉ.जयशंकर ने प्रसन्नता जाहिर की थी। ऑपरेशन सिंधु के दौरान भारत को ईरान का पूरा सहयोग मिला था और उसने भारत के नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए अपनी हवाई सीमा-क्षेत्र भी खोल दिया था। जिसे इजरायल के साथ युद्ध की वजह से बंद कर दिया गया था।

हरियाणा में 12 घंटे में दो बार आया भूकंप, नुकसान की सूचना नहीं

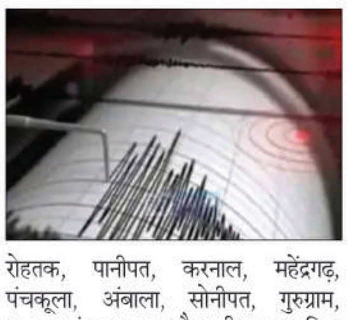

कोलकाता (एजेंसी)। चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा में गुरुवार दोपहर भूकंप आया। इसका केंद्र झज्जर जिले के गांव दुल्हेड़ा के पास था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.5 मापी गई। इससे पहले रोहतक में बुधवार-गुरुवार देर रात 12:46 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके लगते ही लोगों की नींद खुल गई और वह घरों से बाहर आ गए। हालांकि किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन रात भर डर का माहौल था।

जानकारी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। इस भूकंप से जमीन के 10 किलोमीटर नीचे गहराई में हलचल हुई। इसका केंद्र रोहतक का गांव भालौठ के नजदीक का क्षेत्र था। प्रदेश में पिछले 20 दिन में पांच बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के लिहाज से हरियाणा में 12 जिले संवेदनशील हैं। इनमें रोहतक, पानीपत, करनाल, महेंद्रगढ़, पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, गुरुग्राम, झज्जर, नूंह, पलवल और फरीदाबाद शामिल हैं।

बत दें महेंद्रगढ़ जिले में 27 जून की शाम को भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक उस दिन भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 मापी गई। जिसकी गहराई 5 किलोमीटर थी। 10 जुलाई को सुबह 9 बजकर 5 मिनट पर भूकंप आया था। करीब 10 सेकेंड तक झटके लगे थे। इसका केंद्र झज्जर था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 थी। भूकंप के झटके गुरुग्राम, रोहतक, पानीपत, झज्जर, हिसार, रेवाड़ी में महसूस किए गए थे।

वहीं 11 जुलाई को शाम 7 बजकर 49 मिनट पर झटके लगे। इसका केंद्र भी झज्जर रहा। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 रही, जिसका असर गुरुग्राम, रोहतक, जींद, रेवाड़ी, सोनीपत और झज्जर में दिखा। 16-17 जुलाई की रात 12.46 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र रोहतक रहा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। इसमें किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। वहीं आज यानी गुरुवार को दोपहर 12:34 बजे भूकंप आया। इसका केंद्र झज्जर में रहा। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 2.5 मापी गई। इसका केंद्र 5 किलोमीटर की गहराई में था।

धर्मांतरण की जड़ों की तलाश-ईडी ने उप्र से मुंबई तक छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर मारे छापे

मुंबई (एजेंसी)। अवैध धर्मांतरण के आरोप में फंसे यूपी के जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किल और बढ़ती जा रही हैं। बाबा की करतूतों की जड़े कहां-कहां फैली हैं फिलहाल अंदाजा लगाना कठिन है। ऐसी ही तलाशी को लेकर बाबा के ठिकानों पर गुरुवार तड़के ईडी ने बड़ी कार्रवाई की। सात टीमों ने बलरामपुर जिले के उतरोला और मुंबई में दो स्थानों पर छापा मारा। इस दौरान उसकी कोठी दो अन्य मकान का कोना कोना खंगाला। टीम दोपहर में तहसील भी जाएगी और कई कर्मचारियों से पूछताछ करेगी। एटीएस ने पांच जुलाई को छागुर और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को गिरफ्तार किया था। एक साल में 100 करोड़ के लेनदेन की बात सामने आई थी।

इस पर तीन दिन बाद ईडी ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मुक़दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। बलरामपुर पुलिस और प्रशासन के साथ एटीएस से काफी ब्योरा ईडी ने लिया था। कई तथ्य और दस्तावेज मिलने के बाद ईडी ने ये छापेमारी की है। ईडी की ये कार्रवाई अन्य जिलो में भी होगी। सूत्रो के मुताबिक ईडी उतरौला तहसील के कुछ कर्मचारियों के खिलाफ भी बड़ी कार्रवाई कर सकती है। वहीं धर्मांतरण के आरोपी छांगुर से जुड़े प्रकरण में एक युवक की तलाश में एटीएस गोण्डा पहुंच गई। यहां पता चला कि इस युवक की मौत हो चुकी है। उसके बारे में कई जानकारियां जुटाई। इन लोगों ने बताया कि गोण्डा में धर्मांतरण कराने के दौरान बजरंग दल के कुछ लोगों ने विवाद कर दिया था तब वह जेल गया था। धानेपुर इलाके के रेतवागाड़ा गांव के रहने वाले मोहर्रम अली उर्फ आजाद ने बताया कि वह कव्वाली और जागरण करते थे। उनके बड़े भाई रमजान अली ढोल बजाते थे। वर्ष 2023 में रमजान उतरौला के कुछ लोगों के साथ आजमगढ़ में एक कार्यक्रम में गये थे। वहां रात में प्रोग्राम के दौरान बजरंग दल के कुछ लोग पुलिस के साथ आ गए। इन लोगों ने आयोजन में धर्मांतरण कराने का आरोप लगाकर हंगामा किया। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनके भाई को गिरफ्तार कर जेल में भेज दिया। आठ महीने तक वह जेल में रहा। तीन जनवरी 2024 को जमानत पर बाहर आया था। इसके बाद उसकी तबीयत खराब रहने लगी और चार मार्च, 2024 को मौत हो गई थी। छांगुर के मददगारों की तलाश के दौरान रमजान का नाम भी एटीएस के सामने आया। एटीएस का कहना है कि रमजान नाम के एक शिक्षक की तलाश में गई थी।

भारत आ रहा हवाई टैंक अपाचे... इस सप्ताह से शुरु होगी डिलेवरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से अपाचे अटैक हेलिकॉप्टरों की डिलेवरी इसी सप्ताह से शुरु होने जा रही है। पहली खेप के तहत कुल तीन अपाचे हेलिकॉप्टर मिलने हैं, जो रात के अंधेरे में भी टारगेट को खोजने और मार करने में सक्षम है। अमेरिकी सेना में लंबे समय से तैनात इन हेलिकॉप्टरों की काफी डिमांड रही है। अब तक करीब 20 देशों को अमेरिका की ओर से इन हेलिकॉप्टरों की डिलिवरी कर चुका है। सूत्रों के अनुसार भारत इन हेलिकॉप्टरों को पाकिस्तान से लगती सीमा पर तैनात करने की तैयारी में है। 2 जुलाई को ही खबर आई थी कि इन हेलिकॉप्टरों की डिलिवरी का इंतजार खत्म होगा और इसी महीने ये भारत आ सकते हैं।

इन अपाचे हेलिकॉप्टरों को हवाई टैंक भी कहा जाता है। अमेरिका से आने वाले एएच-64ईएस अपाचे हेलिकॉप्टरों की लैंडिंग गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर होगी। भारतीय सेना की ओर से इन हेलिकॉप्टरों के लिए अलग से बेड़ा पहले ही तैयार कर लिया है। जोधपुर में 15 महीने पहले ही इसकी शुरुआत हो चुकी है। लेकिन हेलिकॉप्टरों की डिलिवरी अटक गई थी। इसकी वजह थी कि दुनिया के भू-राजनीतिक समीकरण बदल गए और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन भी ट्रेड टैरिफ आदि में व्यस्त था। बता दें कि पहले ही इंडियन एयरफोर्स के पास दो स्क्वैड्रन पठानकोट और जोरहाट में सक्रिय हैं।

बता दें कि 2015 में भी भारत सरकार ने 22 अपाचे हेलिकॉप्टरों की डील अमेरिका से की थी। उस ऑर्डर की पूरी डिलिवरी अमेरिका की ओर से जुलाई 2020 में की गई थी। इसके बाद 2020 में भारत ने 6 हेलिकॉप्टर और खरीदने की डील की थी। इसके तहत पहली खेप की डिलिवरी मई से जून 2024 के बीच होनी थी। लेकिन इसमें देरी होती गई। बता दें कि अमेरिकी कंपनी बोइंग और टाटा की ओर से भी एक जॉइंट वेंटर हैदराबाद में चल रहा है। यहां तैयार किया गया एक अपाचे हेलिकॉप्टर 2023 में भारतीय सेना को मिला था। इस हेलिकॉप्टर की खासियत यह है कि अंधेरे में भी यह अटैक कर सकता है। इसके अलावा किसी भी मौसम में यह सटीक डेटा हासिल कर सकता है। इन हेलिकॉप्टरों में नाइट विजन नेविगेशन सिस्टम है। इसके माध्यम से रात के अंधेरे में भी टारगेट की तलाश की जा सकती है। बता दें कि अपाचे हेलिकॉप्टरों को ना सिर्फ आक्रमण के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है बल्कि इन्हें सुरक्षा और शांति ऑपरेशनों के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902